हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शनिवार | 26 अक्टुबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक : 161 | पृष्ठ - 14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

आतंकी हमलों को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना, बोले- विफल रहीं भाजपा सरकार,

एजेंसी

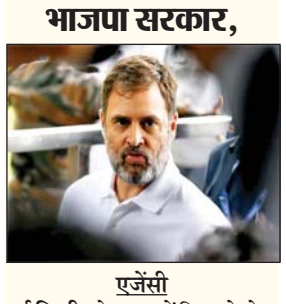

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवादी हमलों की बढ़ती घटनाओं को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की। हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार की नीतियां जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में विफल रही हैं। राहुल ने लिखा कि गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर में सेना के वाहन पर हुए कायराना हमले में हमारे वीर जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। हमले में दो पोर्टर्स ने भी अपनी जान गंवा दी। शहीदों को नमन करता हूं और सभी शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि केंद्र की ठऊअ सरकार की नीतियां जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में पूरी तरह से विफल रही हैं। उनके दावों के विपरीत, हकीकत यह है कि प्रदेश निरंतर आतंकी गतिविधियों, हमारे जवानों पर हमलों और नागरिकों की लक्षित हत्याओं के कारण खतरे के साए में जी रहा है।

घाटी में बढ़ते आतंकी हमले बने चिंता का विषय

उमर अब्दुल्ला ,पीएम मोदी से मिले ,कहा- आतंकियों की अब खैर नहीं

सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग सेक्टर में आतंकवादी हमले के बाद इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आज व्यापक तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा और हमला स्थल के नजदीकी इलाकों में तलाश अभियान शुरू किया गया है।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में खासकर कश्मीर घाटी में आतंकी हमलों का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह लगातार जारी है। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात कर आतंक से निबटने के लिए पूरा सहयोग मांगा है। हम आपको बता दें कि ताजा हमला गुलमर्ग में गुरुवार को हुआ। इस हमले में घायल हुए दो जवानों ने दम तोड़ दिया और इसके साथ ही इस हमले में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। सैन्य बल के साथ काम करने वाले दो कुलियों की गुरुवार को ही मौत हो गई थी और तीन सैनिकों सहित चार लोग घायल हुए थे जिनमें से दो सैनिकों ने बाद में दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग से छह किलोमीटर दूर आतंकवादियों ने सेना के एक वाहन पर हमला दिया था। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने बृहस्पतिवार शाम को बूटापथरी इलाके में सेना के वाहन पर तब गोलीबारी की जब वह अफरावत रेंज में नागिन चौकी की ओर जा रहा था। अधिकारियों ने दो कुलियों की मौत की

पुष्टि करते हुए कहा था कि घायल जवानों में से दो की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि वाहन में सवार जवानों ने हमला होने के बाद जवाबी गोलीबारी की।अधिकारियों ने कहा कि यह क्षेत्र पूरी तरह से सेना के कब्जे में है और अतीत में ऐसी खबरें आई थीं कि एक आतंकवादी समूह ने गर्मियों की शुरूआत में घुसपैठ की थी और यह अफरावत रेंज के ऊंचे इलाकों में छिपा था। प्रतिष्ठित ह्यहाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूलह्ण (एचएडब्ल्यूएस) हमला स्थल से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है। सियाचिन ग्लेशियर में तैनाती से पहले सेना के जवानों को एचएडब्ल्यूएस में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। हम आपको बता दें कि बूटापथरी क्षेत्र को हाल में पर्यटकों के लिए खोला गया था।हम आपको बता दें कि घाटी में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि के बीच यह हमला हुआ है। रविवार को एक अन्य घातक हमले में, मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में एक निर्माण स्थल पर आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में छह प्रवासी मजदूरों और एक स्थानीय चिकित्सक की मौत हो गई थी। इससे पहले, 18 अक्टूबर को शोपियां जिले में आतंकवादियों ने बिहार के एक मजदूर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके अलावा आतंकवादियों ने पुलवामा जिले के त्राल इलाके में उत्तर प्रदेश के एक मजदूर को गोली मार दी थी जिससे वह घायल हो गया था।इस बीच, सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग सेक्टर में आतंकवादी हमले के बाद इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आज व्यापक तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा और हमला स्थल के नजदीकी इलाकों में तलाश अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने हमला स्थल के आस-पास के रास्तों को सील कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल तलाश अभियान के दौरान मानवीय और तकनीकी खुफिया जानकारी की मदद ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए शुरू किया गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की दो दिवसीय बैठक का हुआ शुभारंभ

एजेंसी

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल की दो दिवसीय बैठक का शुभारंभ शुक्रवार (25 अक्टूबर) को दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, गऊ ग्राम, परखम, फरह के नवधा सभागार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन जी भागवत एवं माननीय सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी के द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन अर्पित कर किया गया। बैठक के प्रारम्भ में हाल ही में दिवंगत हुए पूज्य राघवाचार्य महाराज (जयपुर), प्रसिद्ध उद्योगपति पद्मविभूषण रतन टाटा, पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बुद्धदेव भट्टाचार्य, ईनाडु और रामोजी फिल्म सिटी के संस्थापक श्री रामोजी राव, कम्युनिस्ट नेता सीताराम येचुरी, पूर्व विदेश मन्त्री के. नटवर सिंह, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी, एडमिरल (सेनि) रामदास तथा दिवंगत अन्य प्रमुख लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक के प्रारंभ में मार्च 2024 की

बैठक में संघ रचना के सभी 11 क्षेत्रों तथा 46 प्रांतों के माननीय संघचालक, सह संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारक सहित कुल 393 कार्यकर्ता

अ. भा. प्रतिनिधि सभा की बैठक की र्यवाही का अनुमोदन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेन्द्र कुमार ने बताया कि बैठक का समापन 26 अक्टूबर सायं 6:15 बजे होगा। बैठक में विजयादशमी के पावन पर्व पर पूजनीय सरसंघचालक जी द्वारा प्रस्तुत विचारों तथा उनके उद्बोधन में उल्लेखित महत्वपूर्ण विषयों के अनुवर्तन हेतु योजनाओं तथा देश में वर्तमान समय चल रहे समसामयिक विषयों पर व्यापक चर्चा होगी। साथ ही प्रतिनिधि सभा में निर्धारित वार्षिक योजना की समीक्षा तथा संघ कार्य के विस्तार का वृत्तांत भी लिया जाएगा।

उपचुनाव वाली राज्य की सभी नौ विधानसभा सीट पर राजग की जीत होगी : केशव प्रसाद मौर्य

एजेंसी

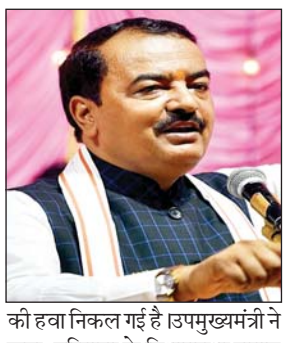

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अगले माह होने जा रहे उपचुनाव में फूलपुर सहित सभी नौ सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों की जीत होगी। प्रयागराज में जिलाधिकारी कार्यालय में फूलपुर सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी दीपक पटेल का नामांकन पत्र दाखिल होने के बाद मौर्य ने संवाददाताओं से कहा, ह्लसमाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है। लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के पक्ष में जो माहौल बना था, अब उस माहौल

की हवा निकल गई है।उपमुख्यमंत्री ने कहा, हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के साथ पार्टी का विजय रथ आगे बढ़ चुका है। मुझे विश्वास है कि यह विजय 2027 (उप्र विधानसभा चुनाव) में 2017 के बहुमत को दोहराने की मजबूत नींव बनेगा। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, ह्लकांग्रेस हो, समाजवादी पार्टी हो या विपक्षी दलों का गठबंधन (इंडिया) हो, कांग्रेस मुक्त भारत देश और सपा-बसपा मुक्त उत्तर प्रदेश बनाने को जनता ठान चुकी है। सपा की साइकिल का प्रस्थान सैफई के लिए हो चुका है।ह्व उन्होंने कहा, ह्लइन दोनों (सपा और कांग्रेस) दलों ने लोकसभा चुनाव में झूठ और फरेब का सहारा लेकर चुनाव लड़ा, इसलिए लोकसभा चुनाव में इन्हें क्षणिक सफलता मिल गई, लेकिन इस उपचुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में इनका सूपड़ा साफ होगा और कमल खिलेगा।

दिल्ली को मिली बड़ी सफलता, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 7 शूटर्स को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शुक्रवार को पंजाब और आस-पास के राज्यों समेत देश भर के कई इलाकों से लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े सात शूटरों को गिरफ्तार किया। लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल गुजरात के साबरमती की जेल में बंद है। वह पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या के मामले में मुख्य आरोपियों में से एक है। एडिशनल सीपी स्पेशल सेल प्रमोद कुमार कुशवाह ने बताया कि स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने सात शूटरों को

गिरफ्तार किया है। पहली गिरफ्तारी 23 अक्टूबर को दिल्ली से हुई थी, रितेश की गिरफ्तारी हुई थी। राजस्थान से सुखाराम नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया था।

खबर की हो गई पुष्टि, आदित्य ठाकरे के खिलाफ वर्ली से चुनाव लड़ेंगे मिलिंद देवड़ा

एजेंसी

महाराष्ट्र: एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा को वर्ली विधानसभा सीट के लिए अपना उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है, जिससे शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ कड़ी टक्कर होगी। देवड़ा ने एक्स पर इसकी पुष्टि की है। उन्होंने लिखा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मानना ??है कि वर्ली और वर्लीकर्स को न्याय मिलना बहुत पहले ही अपेक्षित था। हम साथ मिलकर आगे का रास्ता तैयार कर रहे

हैं और जल्द ही अपना दृष्टिकोण साझा करेंगे। अब वर्ली है !इससे पहले दिन में, समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट वर्ली विधानसभा चुनाव के लिए मिलिंद देवड़ा को मैदान में उतारेगा, एक दिन पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने उसी निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था।

अजित पवार ने दिया बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान को टिकट, ठाकरे परिवार के खिलाफ लड़ेंगे चुनाव

एजेंसी

महाराष्ट्र: अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने शुक्रवार को आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए सात उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की। हाल ही में अपनी पार्टी से निष्कासित किए गए पूर्व कांग्रेस विधायक जीशान सिद्दीकी एनसीपी में शामिल हो गए और मुंबई की बांद्रा ईस्ट सीट से चुनाव लड़ेंगे। उनका मुकाबला शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार वरुण सरदेसाई से होगा, जो आदित्य

ठाकरे के चचेरे भाई हैं। अभी दो हफ्ते पहले ही जीशान को एक निजी त्रासदी का सामना करना पड़ा था, जब उनके पिता, पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की उनके कार्यालय के बाहर बदमाशों ने हत्या कर दी थी।इस घटना ने उनके राजनीतिक भविष्य पर अटकलों को हवा दे दी, क्योंकि जीशान पहले भी अजीत पवार के साथ एक रैली में दिखाई दिए थे, जो एनसीपी की ओर उनके झुकाव का संकेत था, हालांकि उन्होंने अब तक आधिकारिक तौर पर एनसीपी ज्वाइन नहीं की थी। शिवसेना (यूबीटी) द्वारा सरदेसाई को बांद्रा ईस्ट से महा विकास अघाड़ी (एमवीए) उम्मीदवार घोषित करने के बाद, जीशान ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की, यह सुझाव देते हुए कि पार्टी के साथ उनका लंबे समय से चला आ रहा गठबंधन बदल गया है।

फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान से हिस्सा रोकने, भारत के साथ मित्रता का रास्ता खोजने का किया आग्रह

एजेंसी

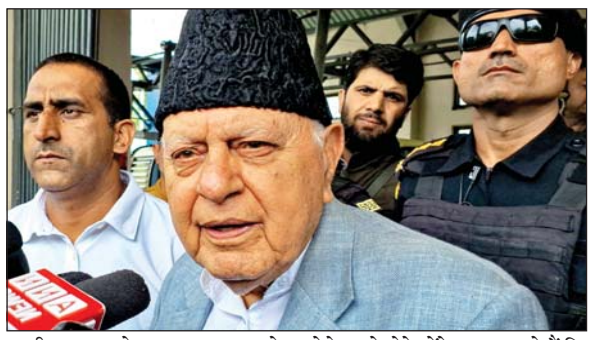

श्रीनगर । नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि गुलमर्ग जैसे हमले तब तक होते रहेंगे जब तक भारत और पाकिस्तान मित्रता का रास्ता नहीं खोज लेते। उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर जम्मू कश्मीर की समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग के पास बृहस्पतिवार को आतंकवादियों ने सेना के एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें दो कुलियों और दो जवानों की मौत हो गयी थी। इस हमले में एक जवान और एक

कुली घायल हो गए। अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यइस राज्य में ऐसे हमले होते रहेंगे। आप जानते हैं कि वे कहां से आते हैं और यह तब तक नहीं रुकेगा जब तक इस समस्या से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिल जाता। मैं पिछले 30 वर्ष से यह देख रहा हूं, निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं।ह्लह्ल उन्होंने कहा, ह्यह्यहम पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनने जा रहे हैं। तो फिर वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? हमारे भविष्य को बर्बाद करने के लिए? हमें गरीब बनाने के लिए? पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में समस्या पैदा करने के बजाय पाकिस्तान को अपनी दुर्दशा पर ध्यान देना चाहिए और अपनी बेहतरी के लिए काम करना चाहिए।

MVA को सपा का अल्टीमेटम, अबू आजमी बोले-

हम भिखारी नहीं, 5 सीटें नहीं मिलीं तो 25 पर लड़ेंगे चुनाव

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बीच सियासी हलचल तेज है। हालांकि, सीट बंटवारों को लेकर महा विकास अघाड़ी के भीतर से मतभेद की खबरे लगातार आ रही हैं। इन सबके बीच समाजवादी पार्टी ने एमवीए को बड़ी चेतावनी दे दी है। समाजवादी पार्टी ने चेतावनी देते हुए साफ तौर पर कहा कि अगर राज्य में हमें 5 सीटें नहीं मिली हैं तो 25 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। समाजवादी पार्टी नेता अबू आजमी ने कहा कि हमने जो 5 उम्मीदवार घोषित किए हैं, वे जीतने वाले हैं। मैं उतना इंतजार नहीं कर सकता, जितना ये (महा विकास अघाड़ी) लोग कर रहे हैं। सिर्फ.2 दिन बचे हैं। यह दुखद है कि जो लोग सरकार बनाने की बात कर रहे हैं, वे टिकट नहीं बांट रहे हैं। इतना विलंब करना महा विकास अघाड़ी की बहुत बड़ी भूल है।अबू आजमी ने कहा कि मैंने पवार साहब (शरद पवार) से अपना दुख व्यक्त किया। मैंने उनसे कहा कि मैंने 5 उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। अगर आप मुझे जवाब दे दें तो ठीक है, नहीं तो मेरे पास 25 उम्मीदवार तैयार हैं। मैं डरा हुआ हूँ क्योंकि कांग्रेस ने मुझे दो बार धोखा दिया है।

ज्ञानवापी के पूरे परिसर का नहीं होगा अतिरिक्त ASI सर्वे,

हिंदू पक्ष की याचिका को कोर्ट ने किया खारिज

एजेंसी

वाराणसी: वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर में अतिरिक्त एएसआई सर्वेक्षण के लिए हिंदू पक्ष की याचिका खारिज कर दी। हिंदू पक्ष के वकील विजय शंकर रस्तोगी ने कहा कि न्यायालय ने संपूर्ण ज्ञानवापी क्षेत्र के संरक्षण के लिए एएसआई द्वारा अतिरिक्त सर्वेक्षण के हमारे आवेदन को खारिज कर दिया है। हम इस निर्णय के खिलाफ 30 दिन के अंदर उच्च न्यायालय जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय नियमों और तथ्यों के विरुद्ध है। मैं इससे व्यथित हूँ और इसे ऊपरी अदालत में जाकर चुनौती दूँगा।

रस्तोगी ने दावा किया कि 8.4.2021 के आदेश के अनुसार सर्वेक्षण के लिए अरकको 5 सदस्यीय समिति नियुक्त करनी थी, जिसमें एक व्यक्ति

अल्पसंख्यक समुदाय का और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय का विशेषज्ञ होता। इन सभी को अरकसर्वेक्षण करना था। पिछला सर्वेक्षण अरकने ही किया था। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने पुष्टि की थी कि सर्वेक्षण उस आदेश (8.4.2021) के अनुपालन में नहीं था। हम तत्काल आधार पर उच्च न्यायालय जाएँगे। हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि सिविल कोर्ट ने खारिज कर दिया है और ऑर्डर भी आ गया है। हम इस ऑर्डर के खिलाफ रिवीजन के लिए डिस्ट्रिक्ट कोर्ट जाएंगे। लगभग सभी इलाकों का अरकसर्वे पूरा हो चुका है लेकिन कुछ जगहों पर सर्वे बाकी है जहां मशीनें नहीं पहुंच पाईं। इसलिए अतिरिक्त सर्वे की मांग की गई थी। हम सिविल कोर्ट जाएंगे और सफल होंगे। सर्वे होगा... हम सुनिश्चित करेंगे कि मंदिर परिसर के हर इंच का सर्वे हो। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कोई झटका नहीं है... हमने सारे सबूत पहले ही पेश कर दिए हैं... डिस्ट्रिक्ट कोर्ट है, हाई कोर्ट है, सारे रास्ते अभी खुले हैं।रस्तोगी ने दावा किया कि 8.4.2021 के आदेश के अनुसार सर्वेक्षण के लिए अरकको 5 सदस्यीय समिति नियुक्त करनी थी, जिसमें एक व्यक्ति अल्पसंख्यक समुदाय का और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय का विशेषज्ञ होता।

एनडीए जीतेगा रामगढ़ का विकास सुनिश्चित डॉ. दिलीप जायसवाल

रामगढ़ के विकास, सुरक्षा और समृद्धि के लिए एनडीए है जरूरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- रामगढ़ में एनडीए प्रत्याशी श्री अशोक कुमार सिंह के समर्थन में विशाल जनसभा का आयोजन
- एनडीए की योजनाओं से रामगढ़ को मिलेगा विकास, सुरक्षा और समृद्धि का लाभ झ डॉ. दिलीप जायसवाल
- रामगढ़ की जनता से एनडीए को समर्थन देने की अपील झ भाजपा की ऐतिहासिक जीत का आह्वान
- श्री अशोक कुमार सिंह के नामांकन में भाजपा ने दिखाई एकता,क्षेत्र के विकास के प्रति प्रतिबद्धता
- डबल इंजन की सरकार बिहार को विकास के रास्ते पर आगे ले जा रही : सम्राट चौधरी
- रामगढ़ की प्रगति, उन्नति और सर्वांगीण विकास के लिए एनडीए सरकार प्रतिबद्ध :विजय सिन्हा

25 अक्तूबर आज रामगढ़ (कैमूर) में एनडीए प्रत्याशी श्री अशोक कुमार सिंह के नामांकन सभा का आयोजन किया गया, जिसमे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री, डॉ. दिलीप जायसवाल उपस्थित रहे। इस सभा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने एनडीए की ऐतिहासिक जीत के आह्वान के साथ, क्षेत्र के विकास और प्रगति के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

उन्होंने कहा कि अशोक कुमार सिंह,जो कि भाजपा के मंझे हुए और जनता के बीच में रहने वाले कार्यकर्ता हैं, रामगढ़ क्षेत्र के विकास के लिए एनडीए सरकार की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुँचाने में सक्षम साबित होंगे। उनका विजयी होना रामगढ़ की सुरक्षा, समृद्धि, और विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

डॉ. दिलीप जायसवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, "एनडीए की नीतियां जनता के हित में हैं, और रामगढ़ के हर नागरिक को इसका लाभ मिलेगा। भाजपा की इस ऐतिहासिक

जीत से न केवल रामगढ़ बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास में नए आयाम जुड़ेंगे।

उन्होंने रामगढ़ की जनता से अपील करते हुए कहा कि वे अशोक कुमार सिंह को अपना समर्थन दें और रामगढ़ को एक समृद्ध एवं सुरक्षित भविष्य की ओर ले जाने में योगदान दें।

उन्होंने बिहार में विपक्ष के नेता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारा और आपका बेटा अगर नौवीं फेल हो तो चपरासी की नौकरी नहीं मिलेगी लेकिन लालू प्रसाद का बेटा बिहार का राजा बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी चीजों को देखना होगा। उन्होंने उपस्थित जनता को भरोसा देते हुए कहा कि एनडीए प्रत्याशी दलित, महादलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, सवर्ण सहित सामज को सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाले शख्स हैं।

उन्होंने लोगों से वादा करते हुए कहा कि एक साल के अंदर रामगढ़ के विकास के लिए सरकार का खजाना खोल दिया जाएगा। उन्होंने इस सभा मे आने वाले लोगों को धन्यवाद भी दिया।

इस सभा को संबोधित करते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार के विकास के लिए एनडीए जरूरी है। उन्होंने एनडीए प्रत्याशी अशोक सिंह को लेकर कहा कि ये भाजपा के मंझे हुए कार्यकर्ता है और जनता के बीच रहने वाले हैं। इनकी जीत से रामगढ़ को एनडीए सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार बिहार को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा रही है। बिहार के विकास के लिए जरूरी है कि एनडीए और मजबूत हो।

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि रामगढ़ की प्रगति, उन्नति और सर्वांगीण विकास के लिए एनडीए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से समस्त रामगढ़वासियों से अपील करते हुए कहा कि सुशासन, शांति और सौहार्द के साथ-साथ सतत विकास को समर्पित एनडीए गठबंधन के पक्ष में मतदान कर भाजपा प्रत्याशी अशोक सिंह को रिकॉर्ड मतों जीत दिलाएं।

इस सभा बिहार के मंत्री मंगल पांडेय, शीला मंडल, जनक राम, हरि सहनी, सुनील कुमार, सन्तोष सिंह, केदार प्रसाद गुप्ता, जमा खान ,केंद्रीय मंत्री राजभूषण निषाद, सतीश चंद्र दुबे, सहित राष्ट्रीय लोकमोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा के अलावा निवेदिता सिंह, लखेन्द्र पासवान, प्रमोद कुमार, हरिभूषण ठाकुर, जयप्रकाश यादव, सुशील कुमार सिंह, रिंकी पांडेय, मुरारी गौतम, संगीता कुमारी , सुनील चौबे, सन्तोष निराला, मनोज जायसवाल, प्रमोद पटेल, मिथिलेश तिवारी, राजेश वर्मा, संतोष पाठक, अशोक भट्ट, शिशिर चौबे, राजन सिंह, ब्रजकिशोर बिंद सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों के आलोक में

अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने "जनता के दरबार में जिलाधिकारी" कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों के आलोक में अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करे अधिकारी-जिलाधिकारी।

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित " जनता के दरबार में जिलाधिकारी" कार्यक्रम में जिले के सुदूर क्षेत्रो से आए हुए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया ।

गौरतलब हो कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते हैं और

उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं. इस परिप्रेक्ष्य में शुक्रवार, 25 अक्टूबर को कुल 89 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ जिलाधिकारी से मिले.प्रखंड अंचल हरलाखी निवासी चौधरी ठाकुर द्वारा न्यायालय के पारित आदेश के बावजूद आज तक सरकारी आम रास्ता के अतिक्रमण से मुक्त नहीं करने से संबंधित शिकायत किया गया। प्रखंड अंधराठाढ़ी निवासी तमन्ना बाबू द्वारा निजी जमीन को दखल करने एवं जानमाल को मारने की धमकी देने संबंधी शिकायत किया गया।

प्रखंड लदनिया निवासी रविंद्र कुमार सिंह द्वारा उनके ग्रामीण मुकेश कुमार यादव द्वारा सरकारी जमीन में रास्ता पर अतिक्रमण कर पक्का घर बनाए जाने से संबंधित शिकायत किया।

डोड़वार पंचायत निवासी ऋषि नारायण सिंह के द्वारा डोड़वार पंचायत मे पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु किया जा रहे जमीन के चयन संबंधी आवेदन दिया।

घोघरडिया प्रखंड निवासी सिकंदर ठाकुर द्वारा उनके अपने पड़ोसियों द्वारा उनके निजी जमीन से बेदखल करने संबंधी आवेदन दिया।

जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियों से बारी-बारी से शिकायतें सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए. जिलाधिकारी ने कई प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को फोन कर जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया।उक्त अवसर पर डीडीसी दीपेश कुमार,अपर समाहर्ता शैलेश कुमार भी उपस्थित थे।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ0 अमरेन्द्र सिंह ने ध्वजारोहण करके शिविर का किया उद्घाटन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

छपराः- जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा सारण के निर्देश पर प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भागवत विद्यापीठ छपरा में किया गया है।जिसमें जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा सारण के द्वारा शिविर प्रधान के रूप में इस्लामिया उच्च विद्यालय के शिक्षक एवम जिला आयुक्त स्काउट अरुण परासर एवं गाइड में उच्च माध्यमिक विद्यालय बकवा पानापुर की शिक्षिका सह संयुक्त जिला सचिव डॉ० सुषमा सिंह को नियुक्त किया गया है।शिविर में भाग लेने वाले स्काउट गाइड को प्राथमिक चिकित्सा,गांठ विद्या,ध्वज शिष्टाचार ,ड्रिल,साफाई, व्यायाम,सीटी संकेत,खेल व ताली आदि का प्रशिक्षण दिया जायेगा।उद्घाटन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य डॉ० अमरेन्द्र सिंह ने कहा कि आज के परिवेश में बच्चों में स्काउटिंग गाइडिंग की शिक्षा बहुत ही जरूरी है,स्काउटिंग शिक्षा बच्चों को स्वालंबन व अनुशासन के साथ साथ देश प्रेम की भावना का विकास करता हैं।वहीं विद्यालय के प्राचार्य संदीप पाण्डेय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड से बच्चों में शारीरिक,मानसिक और नैतिक विकास होता है।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक सर्वेश कुमार, जेपी सिंह,मुस्कान, तरुण सर आदि उपस्थित थे।

मदमाशों ने किराना दुकानदार के कर्मचारी को मारी गोली, उपचार जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। शुक्रवार को नगर थाना के तहत गुदरी बाजार स्थित राज कुमार गुप्ता के किराना दुकान पर तीन युवक आ धमका और दुकान के उपर अवस्थित प्रथम तल्ला पर दुकानदार से बातचित करते हैं, इसी दौरान गृह स्वामी सभी को नीचे उतरने के लिए हल्ला करते हैं, तब तीनो भागने लगते हैं, भागने के क्रम में सीढ़ी से नीचे उतरने के दौरान एक गोली फायर की जाती है। फायर की गई गोली दुकान के स्टाफ अमलेश कुमार को लग जाती है। गोली लगने से जख्मी होने के कारण अमलेश कुमार को उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने जख्मी की हालत सामान्य बताया। बताया जाता है कि सभी बदमाश लूटने के नियत से आया था परंतु असफल रहा। इसकी पुष्टि एएसपी संजय कुमार पांडे ने की। उन्होंने बताया कि भागने के क्रम में तीनों बदमाशों में से एक का पिस्तौल लड्डू लाल स्वीट्स के पास गिरने एवं एक गोली भी फायर होने की बात सामने आई है। इधर घटना स्थल राज कुमार गुप्ता के घर पर एफएसएल टीम द्वारा पहुंचकर कर फायर गोली का खोखा बरामद किया गया है। बहरहाल इस घटना को लेकर दुकानदार और उसके परिवार डरे सहमे हुए हैं। इधर इस घटना पर एएसपी संजय पांडे अपने स्तर से जांच पड़ताल कर रहे हैं।

'दिवाली विद माई भारत' के प्रथम वर्षगांठ पर सारण जिले में कार्यक्रम का होगा आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

छपरा। नेहरू युवा केंद्र एवं कनफेडरेशन का ऑल इंडिया ट्रेडर्स सारण के संयुक्त तत्वाधान में 'दिवाली विद माई भारत' के प्रथम वर्षगांठ पर सारण जिले में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। चार दिवसीय होने वाले इस कार्यक्रम में स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक तो किया ही जायेगा उसके साथ साथ सफाई अभियान भी चलाया जायेगा।

प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए नेहरू युवा केंद्र जिला युवा अधिकारी रश्मि गुप्ता ने बताया कि सूबे में नेहरू युवा केंद्र और कनफेडरेशन का ऑल इंडिया ट्रेडर्स के द्वारा दिवाली विद माई भारत के

प्रथम वर्षगांठ पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अपने जिले में भी ट्रेडर्स एसोसिएशन और माय भारत स्वयंसेवकों को सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 27 अक्टूबर 2024 से लेकर 30 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। कनफेडरेशन का ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रमंडलीय अध्यक्ष वरुण प्रकाश राजा ने कहा कि देश के 435 जिलों में इस कार्यक्रम का आयोजन होना है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री सह माननीय सासंद श्री प्रवीण खंडेलवाल जी और बिहार में प्रदेश अध्यक्ष अशोक वर्मा जी के नितृत्व में अभियान चलाया जायेगा। उसी क्रम में छपरा में भी चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 27 अक्टूबर 2024 कि सुबह सदर अस्पताल में सफाई अभियान का कार्यक्रम किया जाएगा। उसके बाद हथुआ मार्केट में स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। दोपहर 2 बजे स्वयंसेवकों के द्वारा यातायात संबंधित जानकारी दी जाएगी।

बिहार में एनडीए सरकार गरीबी की चुनौतियां के बीच प्रगति का रास्ता बनाना जानती हैं :- अरविन्द सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ ।

पटना, 25 अक्टूबर :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि एनडीए सरकार गरीबी की चुनौतियां समझती हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानती हैं। इसीलिए मा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार में बिहार में 1,239 दारोगाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा गया है।

साथ ही तीन ट्रांसजेंडरों को एक साथ दारोगा बनाने वाला पहला राज्य बिहार बन गया है। और तो और बिहार पुलिस में जल्द ही 1.22 लाख से अधिक पदों पर बहाली होगी।

साथ ही दरभंगा हवाई अड्डे को नया आयाम मिलेगा, इसके लिए 912 करोड़ की लागत से 24 एकड़ में अयोध्या की तर्ज पर वर्ल्ड क्लास

टर्मिनल बनेगा। और एनडीए सरकार बिहारवासियों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 2073 बेड एवं एयर एंबुलेंस जैसी सुविधाओं के साथ, पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को देश का नंबर वन और विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल बनाने का काम करेगी। जिसके पहले फेस का उद्घाटन 25 फरवरी को होगा।श्री अरविन्द ने कहा कि और वहीं बिहार में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ संकल्पित है एनडीए सरकार। इसी के परिणाम स्वरूप भागलपुर में 50 करोड़ की लागत से सिल्क उद्योग लगाया जाएगा, जहां सिल्क के कपड़े तैयार किए जाएंगे। इन कपड़ों के लिए कच्चे समान से लेकर प्रोडक्ट निर्माण तक सब बिहार में होगा। कच्चे माल के लिए फोरलेन किनारे 100 किमी क्षेत्र में रेशम कीट के पौधे लगाए जाएंगे। इस पहल से बिहार में सिल्क उद्योग सशक्त होगा।

एनडीए सरकार गरीबी की चुनौतियां भी समझती हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानती हैं। इसीलिए एनडीए सरकार अपने प्रगतिशील योजनाओं और नीतियों के कारण विकास का पर्याय बन गई है।

करेह नदी में डूबने से दो कीशोर की मौत दोनों ममेरे फुफेरे भाइ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/रोसड़ा :- समस्तीपुर जिले के रोसड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोलहट्टा स्थित करेह नदी में कल शाम डूबने से दो किशोर की मौत हो गयी। मृतक की पहचान कोलहट्टा गांव के ही वार्ड नं 17 निवासी रामाकांत मुखिया का पुत्र अभिषेक कुमार (05 वर्ष) तथा दरभंगा जिला के बहेड़ी थाना क्षेत्र के बहेड़ी वार्ड नं 09 निवासी राहुल मुखिया के पुत्र कृष्णा कुमार (05 वर्ष) के रूप में की गई है। दोनों ममेरे-फुफेरे भाई थे सूचना पर पहुंची रोसड़ा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार शाम अभिषेक व कृष्णा नदी किनारे ही खेल रहे थे। खेलते-खेलते ही दोनों लुढ़कने के बाद गहरे पानी में चले गए । हालांकि इस दौरान नदी किनारे व बांध पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया व आनन-फानन में बचाने के लिए छलांग लगा दी। पर तब तक दोनों किशोर गहरे पानी मे डूब चुके थे। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने देर शाम दोनों को ढूंढ कर निकाला।हालांकि तब तक दोनों किशोर दम तोड़ चुके थे। बताया जाता है कि कुछ दिन पहले ही कृष्णा अपनी मां के साथ ननिहाल आया था। कृष्णा व अभिषेक हमउम्र होने के कारण साथ-साथ ही खेला करते थे। घर के पास ही नदी रहने के कारण बच्चे अक्सर नदी किनारे ही खेला करते थे। इधर, घटना की सूचना मिलते ही रमाकांत के घर कोहराम मच गया। परिजन रोते-बिलखते घटनास्थल पहुंचे।

शपथ पत्र

मैं नीरज गौतम पिता अशोक कुमार निवासी अलमाजहर अपार्टमेंट, रोड नंबर 8 राजेंद्र नगर, कदमकुआं, जिला पटना बिहार पटना 800016 . शपथ पत्र संख्या 830, दि 24/10/2024 के अनुसार निरज गौतम के नाम से जाना जाऊंगा।.

सदर अस्पताल में मरीजों को स्वच्छ वातावरण में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं : डीडीसी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सदर अस्पताल का उपविकास आयुक्त और अनुमंडल पदाधिकारी ने किया निरीक्षण
- विभिन्न वार्डों का लिया जायजा, साफ–सफाई का दिया निर्देश

छपरा। सारण के उपविकास आयुक्त यतेंद्र कुमार पाल और सदर अनुमंडल पदाधिकारी लक्ष्मण तिवारी द्वारा छपरा सदर अस्पताल का निरीक्षण किया गया। डीडीसी के द्वारा ओपीडी, दवा वितरण केंद्र, निबंधन केंद्र, इमरजेंसी वार्ड का गहनता से निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में आने वाले मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराएं। सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्रतिदिन चादर बदला जाए, और साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखें।वार्ड की साफ-सफाई और स्वच्छता पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रतिदिन चादर बदले जाएं और सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि मरीजों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिले। डीडीसी ने सिविल सर्जन को आदेश दिया कि आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाएं और आयुष्मान सेंटर को नियमित संचालन किया जाए। उन्होंने बताया कि मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए आयुष्मान कार्ड की आवश्यकता होती है, इसलिए इसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में जल्द हीं आधार सेंटर खोला जायेगा, जिससे नागरिकों को आधार कार्ड बनाने की सुविधा मिल सके। यह कदम लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उनकी अन्य सरकारी सेवाओं का उपयोग करना सरल हो जाएगा। दवा वितरण काउंटर पर मरीजों को शत-प्रतिशत दवा मिले इसके लिए ऑनलाइन दवा इंडेंट और उठाव सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि दवा की कमी नहीं होनी चाहिए और इसकी व्यवस्था को नियमित रूप से अपडेट किया जाना चाहिए।

जन्म प्रमाण पत्र बनाने के कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया सुगम होनी चाहिए ताकि नागरिकों को समय पर प्रमाण पत्र मिल सके। डीडीसी ने एक सप्ताह के अंदर व्यवस्था को सुदृढ़ करने का आदेश दिया। अस्पताल प्रशासन को एक सप्ताह के भीतर सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि सभी कदम उठाए जाएं ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। इस मौके पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी लक्ष्मण तिवारी, सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा, अस्पताल उपाधीक्षक, डीपीएम अरविन्द कुमार, अस्पताल प्रबंधक राजेश्वर प्रसाद, लेखपाल बंटी कुमार रजक, सिफार के डिवीजनल कोऑर्डिनेटर गनपत आर्यन समेत अन्य मौजूद

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में जिले में लगातार बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा कार्यक्रम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में जिले में लगातार बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना के व्यापक प्रसार -प्रसार एवं कॉउंसिलिंग का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के अलोक में जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र मधुबनी के द्वारा संचालित योजनाओं यथा बिहार स्टूडेंट काक्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना के व्यापक प्रसार -प्रसार एवं काउंसलिंग कार्य आज '४३३ल्ल ॅउङ्म' ीी अल्लॉ१३१ मधुबनी में किया गया । कार्यक्रम *में लग-बाग-120-150 -छात्र/छत्राओ ने बढ़-चाढ़ कर भाग लिया। उक्त कार्यक्रम में के सहायक प्रबंधक मुकेश कुमार , कर्मी- राजनाथ , अपूर्ण मौर्या,(के द्वारा विस्तार योजना के लाभ सहित आवेदन की प्रक्रिया आदि की जानकारी दी गई। उक्त जानकारी * प्रबंधक, डीआरसीसी मधुबानी अखिलेश कुमार भारती ने दी।

रेल यात्रियों की सुविधा को लेकर दरभंगा एवं दौराई के बीच चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर :- रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए दरभंगा एवं दौराई (अजमेर) के बीच 05273/05274 दरभंगा-दौराई-दरभंगा छठ पूजा स्पेशल ट्रेन (दो फेरा) का परिचालन करने की घोषणा की है। जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 05273 दरभंगा-दौराई स्पेशल दरभंगा से 26.10.24 एवं 02.11.24 को 13.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रविवार को 22.30 बजे दौराई पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05274 दौराई-दरभंगा पूजा स्पेशल दौराई से 27.10.24 एवं 03.11.24 को दौराई से 23.45 बजे खुलेगी। यहां से यह गाड़ी विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए दूसरे दिन मंगलवार को 06.50 बजे दरभंगा पहुंचेगी। अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन सीतामढ़ी, बैरगनिया, रक्सौल, नरकटियागंज, कप्तानगंज, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, मथुरा जं. जयपुर, अजमेर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए चलेगी। इस स्पेशल ट्रेन में शयनयान श्रेणी के 10 एवं साधारण श्रेणी के 06 कोच होंगे।

नशा मुक्ति के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान, मध निषेध मंत्री रत्न सदा ने दीप प्रज्जवलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के खानपुर के इलमासनगर स्थित कोल्ड स्टोरेज के निकट मैदान में शुक्रवार को मद्य निषेध को लेकर किया गया लोगों को जागरूक। जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसका उदघाटन मध निषेध, उत्पाद एवं निबंधन पदाधिकारी रत्नेश सदा ने किया। उदघाटन से पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकगीत गाया गया। नशा मुक्ति गीत आप काहे पीते हैं शराब पापा जी,,,,मम्मी रहती है हरदम उदास पापा जी,,,, कजरी,,,,बीत गिले सोरह सावन हो,,,,, झूमर,,,,,,हरियर हरियर मकाई के धाटाये रे,,,,,पियवा मोर करिया था,,,,
दारू पीना न छोड़ा,,,,दूध मलाई पीना छोड़ दिया आदि गीत सुनकर कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने खूब आनंद लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि दारू व शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानि कारक है। इसके सेवन से सेहत खराब होता है तथा घर परिवार बर्बाद हो जाता है। ज्ञात हो कि जागरूकता कार्यक्रम में काफी संख्या में जीविका दीदियों ने भाग लिया।

आईजी ने की समस्तीपुर जिले के विधि व्यवस्था की समीक्षा, पुलिसकर्मियों को दिया टास्क

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहममद जुबैर

समस्तीपुर :- मिथिला जोन के आईजी राजेश कुमार ने समस्तीपुर के पुलिस अधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने सभी को विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए हर समय तत्पर रहने की सलाह दी। इससे पहले समस्तीपुर कलेक्ट्रेट पहुंचने पर आईजी का एसपी अशोक मिश्रा ने स्वागत किया। इसके बाद आईजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद आईजी ने एसपी कार्यालय में एसपी, सभी डीएसपी व इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने जिले और क्षेत्र के हालात और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी भी ली व पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिया। शराब कारोबारी पर नकल कसने व लंबित मामलों के जल्द निष्पादन पर जोर दिया।

पैक्स चोनाव को लेकर तयियारियो का लिया गया जायेजा

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:पैक्स चुनाव को लेकर आवश्यक बैठक डीडीसी मनन राम की अध्यक्षता में की गयी।डीडीसी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष पैक्स चुनाव की प्रक्रिया संपन्न के लिए सभी तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में सभी कोषांगो के नोडल पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्मिक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, सामग्री कोषांग वाहन प्रबंधन कोषांग, मत पत्र कोषांग, विधि व्यवस्था प्रबंधन कोषांग एवं निर्वाचन कोषांग से संबंधित अधिकारियों के साथ सफलतापूर्वक निर्वाचन संपन्न करने के मद्देनजर विस्तृत विचार विमर्श किया गया एवं आवश्यक निर्देश डीडीसी के द्वारा दिए गए। डीडी सी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कोषांग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए सफलतापूर्वक निर्वाचन को संपन्न कराएंगे।

मालूम हो कि सीतामढ़ी जिला अंतर्गत 17 प्रखंडों में कुल 192 प्राथमिक कृषि साख समितियां (पैक्स) का चुनाव पांच चरणों में कराया जाना है। प्रथम चरण का मतदान 26 नवंबर 2024, दूसरे चरण का 27 झ11 झ2024,तीसरा चरण 29/11/2024 ,चौथा चरण 1 दिसंबर 2024 और पांचवा चरण 3 दिसंबर 2024 को संपन्न होगा। कुल मतदान केंद्रों की संख्या 528 है।

डीडीसी ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि पैक्स चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराना है। कहा कि कही भी यदि दिक्कतें आती है तो हमें अवश्य बतायें।उन्होंने प्रखंडवार मतदान केंद्र, मतदाताओं की सूची व भवनों के बारे में फीडबैक लिया।बैठक में एडीएम आपदा प्रबंधन, एडीएम विभागीय जांच, डायरेक्टर डीआरडीए, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला जन संपर्क अधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी डीसीएलआर सदर के साथ अन्य अधिकारी उपस्थित थे जबकि सभी प्रखंड विकास अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े हुए थे।

दक्षिण ग्रामीण बैंक शाखा बिथान ने शिविर के माध्यम से ग्रामीण को किया जागरूक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के बिथान प्रखंड अंतर्गत शिव हनुमान मंदिर कराची के प्रांगण में दक्षिण ग्रामीण बैंक शाखा बिथान के द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक दीपक कुमार ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा चलाए जा रहे जन सुरक्षा आभियान के अंतर्गत दक्षिण ग्रामीण बैंक शाखा बिथान द्वारा शिविर के माध्यम से जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना हर परिवार को कराना चाहिए तथा उपस्थित ग्रामीणों को उत्साहित करते हुए कहा कि जिनका खता नहीं खुला है वह व्यक्ति परिवार नजदीक के शाखा में अपना अपना

कागजात के साथ उपस्थिति होकर खाता खुलवाकर बीमा पॉलिसी का लाभ ले सकते है और अपने पड़ोसी को भी लाभ दिला सकते हैं। चूंकि दुर्घटना कभी भी किसी के साथ हो सकता है। शिविर में उपस्थित उप प्रमुख बिथान चन्द्रशेखर सिंह, शिक्षक सिकिनदेव कुमार, राजकुमार यादव, योगेन्द्र कुमार सिंह, शंकर साह, रामानन्द दास, नथुनी दास, पुनो मुखिया, परमानंद सिंह, विकास कुमार, कौशल कुमार, शकलदेव पंडित, रामचन्द्र मुखिया, केदार मुखिया, रामबालक मुखिया, सहदेव मुखिया इत्यादि मौजूद थे।

अक्षम सरकार ढूंढ रही है सक्षम शिक्षक: राजेश राठौड़

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- शिक्षकों की सक्षमता परीक्षा के प्रश्न पत्रों में गड़बड़ी पर दोषी कौन? : राजेश राठौड़
- सक्षमता परीक्षा के प्रश्न पत्रों में गड़बड़ी से बढ़ा सूबे पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ : राजेश राठौड़

पटना. शुक्रवार, 25 अक्टूबर, 2024

स्थानीय निकाय शिक्षकों के दूसरे चरण की सक्षमता परीक्षा में सात विषयों के प्रश्न पत्रों में विसंगति होने के कारण दुबारा 13 नवम्बर को 85 हजार शिक्षकों की परीक्षा कराएं जाने के सरकारी आदेश पर बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि बिहार सरकार प्रत्येक मोर्चे पर विफल साबित हो रही है और इसका ताजा उदाहरण अब शिक्षक सक्षमता परीक्षा के प्रश्न पत्र हैं। उन्होंने कहा कि जब आप राज्य के संसाधनों का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं तो फिर कैसे गड़बड़ी हो जा रही है? ये सवाल सरकार से लाजिमी है कि प्रश्न पत्रों के सेटिंग के वक्त आपने जिन एजेंसियों को पैसा दिया है क्या वो एजेंसियां अपनी इस विसंगति के लिए आर्थिक बोझ वहन कर रही हैं या राज्य की जनता की टैक्स के गाढ़ी कमाई को राज्य सरकार ऐसी एजेंसियों को देने के लिए इस तरीके की हरकत कर रही है? बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि नौवीं सातवीं के पांच विषय और ग्यारहवीं बारहवीं के दो विषयों के प्रश्न पत्रों में गड़बड़ी के कारण परीक्षा रद्द की गई है जिसके कारण अन्य विषयों के भी सक्षमता परिणाम में विलंब होगी। साथ ही फिर से सेंटर निर्धारित होंगे और प्रवेश पत्र जारी करने और संसाधनों के इस्तेमाल से राज्य के आर्थिक कोष पर बोझ बढ़ेगा तो क्या राज्य सरकार अपनी इस खामी के लिए राज्य की जनता से माफी मांगेगी? ये बताने के लिए काफी है कि राज्य सरकार के द्वारा ऐसी स्थिति बार बार पैदा करके राज्य की जनता के टैक्स के पैसों को बर्बाद किया जा रहा है और आर्थिक रूप से राज्य को कमजोर करने का प्रयास चल रहा है। प्रश्न पत्रों में विसंगति करने वाले एजेंसी को ब्लैक लिस्टेड किया जाएं।

भारतीय मनीषा के स्वर थें महेंद्र कुमार: रामाशीष सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- महावीरी सरस्वती बालिका विद्यामंदिर, माधवनगर में महेंद्र कुमार जन्म शताब्दी समारोह का समापन
- सिवान से रोजनामा इंडो गल्फ, के लिए डॉ विजय कुमार पांडेय,

सीवान। भारतीय संस्कृति बेहद प्राचीन रही है। इस संस्कृति ने विश्व को शांति और सद्भावना का संदेश दिया है। भारतीय संस्कृति सहिष्णुता की पर्याय रही है। भारतीय मनीषा का स्वर ही सहिष्णुता का रहा है। स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयंसेवक व महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, विजयहाता सिवान के प्रथम प्राचार्य महेंद्र कुमार ने भारतीय मनीषा के मौलिक तथ्यों के प्रति अपने समर्पित प्रयासों से समाज को संदेश दिया। उन संदेशों को समझने और उस पर अमल करना ही महेंद्र कुमार के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हो सकती है। ये बातें गुरुवार को सीवान के माधवनगर स्थित महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में महेंद्र कुमार जन्म शताब्दी समापन समारोह में बोलते हुए प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व राष्ट्रवादी

विचारक रामाशीष सिंह ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीवान के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर विनय कुमार सिंह ने की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महेंद्र कुमार के तैल चित्र पर आगत अतिथियों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद आगत अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र से किया गया। महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रोफेसर रविंद्रनाथ पाठक ने कहा कि महेन्द्रकुमार इस बात के प्रतीक थे कि एक आदमी अपने जीवन में कितनी सार्थक भूमिकाओं का निर्वहन कर सकता हैं? समाज में निर्माण की प्रक्रिया को आकार देनेवाले व्यक्तित्वों का सादर पुण्यस्मरण हमें एक सार्थक दिशा दिखाता है। वहीं महेंद्र कुमार व विद्या भारती के संबंध विषय पर विद्या भारती के विभाग निरीक्षक राजेश कुमार रंजन ने विस्तार से अपनी बातें रखीं। डॉक्टर अमित कुमार मुन्नू ने महेन्द्र कुमार जन्म शताब्दी समारोह के दौरान साल भर चले विविध कार्यक्रमों की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि के तौर पर उद्बोधन में प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रामाशीष सिंह ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति की प्राचीनता और भारतीय मनीषा के व्यापक संदर्भों पर अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा कि भारत इंडिया से कहीं अधिक प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर को समेटे हुए है। जो पुण्य करते हैं वहीं भारत में जन्म लेते हैं। उन्होंने कहा कि समर्पित स्वयंसेवक रहे महेंद्र कुमार के व्यक्तित्व में एक विशेष आकर्षण था। जगह जगह घूम कर उन्होंने भारतीय मनीषा के स्वर को जन जन तक पहुंचाया। हर किसी के प्रति सम्मान की भावना, मानवता के संदेश का प्रसार, भारतीयता के मौलिक तथ्यों के प्रति अनुराग आदि महेंद्र कुमार के प्रति श्रद्धा सुमन के आयाम हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि महेंद्र कुमार अनवरत चलनेवाले व्यक्ति थे। वे सिर्फ चलते नहीं थे अपितु उनकी आत्मा भी उनके सद्कर्मों के साथ चलती थी। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर विनय कुमार सिंह ने कहा कि महेंद्र कुमार के व्यक्तित्व और कृतित्व से हमें प्रेरणा मिलती है। मंच संचालन डॉक्टर विजय कुमार पांडेय ने किया।

खुर्शीद साहिल पर शोध, आलोचनात्मक और व्यक्तिगत शोध की जरूरत: जावेद इकबाल

शोक सभा में कवियों, लेखकों और बुद्धिजीवियों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

छपरा साहित्य बुद्धि का आहार है। जिस तरह शारीरिक शक्ति और स्वास्थ्य के लिए भोजन जरूरी है। उसी तरह मानसिक विकास और व्यापक दृष्टिकोण के लिए साहित्य जरूरी है। ये बातें मशहूर शायर खुर्शीद की शोक सभा में उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल ने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हर इंसान काम के सिलसिले में व्यस्त है। लेकिन कवि और लेखक ऐसे अवसर प्रदान करते हैं जो इंसान होने का एहसास कराते हैं। जिससे प्रसन्नता और शांति मिलती है। खुर्शीद साहिल ने जीवन पर्यंत यह कार्य किया। उनके समकालीनों, साहित्यिक मित्रों और स्थानीय कवियों और लेखकों की जिम्मेदारी है कि वे खुर्शीद साहिल के व्यक्तित्व पर शोध, आलोचनात्मक और व्यक्तिगत लेख, रिपोर्ट आदि रचित करें। उन्होंने कहा कि सारण में एक साहित्यिक ठहराव की स्थिति थी। साहिल ने जाते जाते उसमें तरंग पैदा कर दिया है। यह सिलसिला निरंतर जारी रहना चाहिए। छपरा के साहित्यिक गतिविधियों को तेज करते हुए उसमें नए लोगों को भी शामिल किया जाना चाहिए। डॉ. वलीउल्लाह कादरी ने खुर्शीद साहिल पर एक लघु आलेख प्रस्तुत किया और उनकी जीवनी, साहित्यिक सेवाओं और कविता का संक्षिप्त विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि साहिल के परिवार से उनके निबंध, डायरी या रचनात्मक पांडुलिपियां और कागजात एकत्र करने के लिए कहा गया है। संग्रह प्राप्त होते ही संग्रह प्रकाशित करने का प्रयास किया जायेगा।

खुर्शीद साहिल के मित्र मशहूर शायर और बॉलीवुड गीतकार डॉ. मोअज्जम अज्म ने साहिल के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने उनके जीवन के तीन दौर देखे. तीनों में उन्होंने तीन अलग-अलग और पूरी जिंदगियां जीईं। जब खुर्शीद केवल अहमद थे तो उन्हें बॉडी बिल्डिंग का शौक था। विधिवत अखाड़ा स्थापित किया और कुश्ती भी लड़ी। फिर उनकी साहित्यिक यात्रा शुरू हुई और वे अहमद से पेवंद हो गए। जिसमें उन्होंने हास्य रचनाएं कीं। काफी सफल भी हुए परंतु फिर वे साहिल बन गंभीर कविताएँ लिखने लगे। उन्होंने स्थानीय से लेकर राज्य और अखिल भारतीय मुशायरों में प्रस्तुतियां दीं। कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि शायर उनके अच्छे मित्र रहे। डॉ. मोअज्जम ने कहा कि इन तीनों दौर में खुर्शीद में एक बात समान थी। वह थी उनकी जिंदादिली। साहिल की एक खासियत यह भी थी कि वह खाना बहुत अच्छा बनाते। अक्सर मित्र मंडली की पिकनिक होती। उन्होंने बीच बीच में साहिल के हास्य और गंभीर दौर के चयनित शेरों के माध्यम से अपने वक्तव्य को प्रभावी बनाया। साथ ही उन्होंने खुर्शीद को समर्पित अपनी कविता भी प्रस्तुत कर काव्यात्मक श्रद्धांजलि अर्पित की.

CCA लगाकर शराब माफिया की कमर तोड़ेगी नीतीश सरकार, जिला बदर होंगे, और भी बहुत कुछ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

शराबबंदी के बावजूद बिहार के हर जिले में बिक रही शराब और जहरीली शराब से लगातार मौत की घटनाओं से परेशान नीतीश कुमार सरकार अब शराब माफियाओं की कमर तोड़ने के लिए अपराधी नियंत्रण कानून (सीसीए) का इस्तेमाल करेगी। सीसीए एक ऐसा कानून है जिसके तहत जिला में डीएम किसी को जिला बदर की सजा दे सकते हैं। अगर आरोपी जेल में बंद है तो उसे एक साल तक जेल में बंद रखा जा सकता है। बिहार के छपरा, गोपालगंज में हाल में जहरीली शराब पीने से 39 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। ये वो इलाके हैं जहां घटिया शराब पीने की वजह से पहले भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है।पटना के पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) राजीव मिश्रा ने बताया है कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन में पहले जो लोग गिरफ्तार हुए और जमानत पर निकलने के बाद फिर से शराब के धंधे में उतर गए, उन पर सीसीए का इस्तेमाल किया जाएगा। राजीव मिश्रा के पास पटना के वरीय आरक्षी अधीक्षक (एसएसपी) का भी प्रभार है। उन्होंने अपने अधीन सभी थानों के थानेदार को शराबबंदी कानून के तहत गिरफ्तारी आरोपियों पर नजर रखने का निर्देश दिया है।पटना पुलिस ने सभी थानों के एसएचओ को आदेश जारी किया है जिसके तहत थानेदारों को कहा गया है कि वो अपने-अपने इलाकों में शराबबंदी केस में जेल जाकर निकले लोगों की लिस्ट देखें और उन पर सीसीए या पीएमएलए का केस लगाने का प्रस्ताव दें। डीआईजी ने बताया कि बिहार सरकार ने 2024 में बिहार के शराबबंदी कानून को सीसीए के दायरे में ला दिया है। उत्पाद मंत्री रत्नेश सदा ने भी शराब माफियाओं पर सीसीए लगाने की बात कही थी। पटना पुलिस के इस कदम को एक एहतियाती कदम के तौर पर देखा जा रहा है। अगर आरोपी के खिलाफ पीएमएलए की धाराओं में केस दर्ज होता है तो उसकी चल-अचल संपत्ति जब्त हो सकती है। डीआईजी ने बताया कि ऐसे लोगों पर सीएए लगाने का मकसद है।

दीपावली मे चाइनीज लाइटों की बढ़ी डिमांड, मिट्टी की दियो की घटी डीमांड।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज 25 अक्टूबर शुक्रवार। बिहार मे कुम्हार समाज के लोग मिट्टी की दिया, कलश, हांडी दीपावली और छठ के मौके पर निर्माण तेज रफ्तार से करते है। लेकिन बाजारों मे चाइनीज लाइटों ने इनके चाक की रफ्तार धीमी कर दी है। कुम्हार बिरादरी के लोगो का कहना है की अगर हमारे द्वारा मिट्टी के बनाए गए समान को लोग खरीदारी करे तो हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। लेकिन चाईनीज लाइट के तरफ ज्यादा लोग आकर्षित हो रहें है जिसे आने वाले समय मे यही हाल रहा तो कुम्हार बिरादरी के लोगो के समक्ष भूखमरी की स्थिति पैदा हो जायेगी जिसे विकट परिस्थिति का सामना करना पड़ेगा। इस लिए सरकार को चाइनीज लाइटों को बाजार मे आने पर प्रतिबंध करना चाहिए। और कुम्हार समाज के लोगो पर सरकार को धयान देना चाहिए।

नौजवान ने कागज का टुकड़ा दिखाकर महिला से की 50 हजार की ठगि

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/कल्याणपुरः- समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नामापुर गांव के शिवचंद्र राम की पत्नी रंजू देवी से शातिरों ने 50 हजार रुपए ठग लिया। एसबीआई की कल्याणपुर शाखा से गुरुवार दोपहर पैसे की निकासी कर वह जैसे ही बाहर निकली तीन युवक बहला फुसलाकर कल्याणपुर हाट के समीप ले गये और कागज का बंडल दिखा 2 लाख रुपए की बात कह कर 50 हजार रुपए ठग लिया। युवकों के जाने के बाद महिला ने बंडल को खोला तो उसमें कागज रुपये की जगह कागज का टुकड़ा निकाला। प्रशिक्षु डीएसपी व थाना अध्यक्ष विकास केशव ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं मिली है।

बिहार भाजपा जिला संगठन चुनाव अधिकारी किये गए नियुक्त

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ भाजपा प्रदेश चुनाव अधिकारी राजेश वर्मा ने जिला संगठन चुनाव के लिए अधिकारियों की घोषणा की

पटना, 25 अक्टूबर। बिहार भाजपा में संगठनात्मक चुनाव अब रफ्तार पकड़ता जा रहा है। बिहार भाजपा द्वारा चलाये जा रहे सदस्यता अभियान के बीच अब संगठन चुनाव को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी गयी है। इस बीच, बिहार भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी सह प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा ने आज जिला संगठन चुनाव अधिकारियों की घोषणा कर दी।

वर्मा ने बताया कि सदस्यता अभियान के साथ ही संगठनात्मक चुनाव शुरू होगा। इसके तहत जिला स्तर पर संगठन चुनाव अधिकारी बनाए गए हैं, जिनकी देखरेख में जिला संगठन के चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है और कोई भी कार्यकर्ता यहां बड़े पदों पर आसीन हो सकता है।

वर्मा ने कहा कि संगठनात्मक 45 जिलों के लिए चुनाव अधिकारियों की घोषणा की गई है। विधायक प्रमोद कुमार को पटना ग्रामीण का चुनाव अधिकारी बनाया गया है जबकि पटना महानगर का चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी पूर्व विधायक विनय सिंह को दी गयी है। इसी तरह बनाये गए चुनाव अधिकारियों में साँसद, विधायक, विधान पार्षद, प्रदेश के अधिकारी भी शामिल हैं

दो देशों की नागरिकत

रखने वाली मुखिया को राज्य निर्वाचन ने तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया है।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केवटी (दरभंगा) :-दो देशों की नागरिकतरखने वाली मुखिया को राज्य निर्वाचन ने तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया है। मामला दरभंगा जिले के केवटी प्रखंड की कोठिया पंचायत की मुखिया साबा परवीण उर्फ साबा खातून से जुड़ा है। जिन्हें दो देशों की नागरिकता रखने के आरोप में चुनाव आयोग ने पदमुक्त कर दिया है। इस मामले में पंचायत के ही जितेन्द्र प्रसाद द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग में मुखिया के विरुद्ध बिहार पंचायत राज अधिनियम 2006 की धारा 135 एवं 136 (2) के तहत नेपाली नागरिक के दावे के आधार पर कोठिया पंचायत की मुखिया पद से हटाने के लिए वाद लाया गया था। वाद संख्या 18 / 2024 में दोनों पक्षों की दलील व कागजात और जांच के बाद राज्य निर्वाचन आयोग नेकोठिया पंचायत की मुखिया साबा परवीन उर्फ साबा खातून को मुखिया पद पर नेपाली नागरिक होते हुए चुनाव लड़ने को अवैध ठहराते हुए उन्हें पद से हटाने का फैसला सुनाया है। साथ ही आदेश का पालन के लिए पंचायती राज विभाग बिहार के प्रधान सचिव, जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) दरभंगा एवं पंचायत राज पदाधिकारी दरभंगा को फैसले की जानकारी भेजी गई है। निर्वाचन आयोग ने तथ्यों को छिपाने एवं गलत शपथ पत्र समर्पित करने हेतु बिहार पंचायत राज अधिनियम 2006 की धारा 125 (क) के प्रविधानों तथा अन्य सुसंगत धाराओं के अधीन तथा भारतीय नागरिक नहीं रहने के बावजूद भारत में होनेवाले निर्वाचनों में भाग लेने हेतु मुखिया के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुसंगत धाराओं के अधीन करने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह जिला पदाधिकारी दरभंगा को अधिकृत किया है। वहीं आदेश का तामिला प्रतिवेदन लौटती डाक / ई. मेल से उपलब्ध कराने का निर्देश जिला पंचायती राज पदाधिकारी दरभंगा को दिया है। इस मामले को केवटी विधायक डा. मुरारी मोहन झा ने विधानसभा में उठाया।

शिवैसिंगपुर में मिला एक युवती का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के खानपुर थाना क्षेत्र की अंतर्गत ग्राम सिवैसिंगपुर त्रिमुहानी झाझा सुलेश गेट पूल के नीचे एक अज्ञात युवती का शव मिला है, शव मिलने की जानकारी होने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते पुल के नीचे आसपास के लोगों की काफी भीड़ लग गई। बहरहाल युवती के शव की पहचान अभी तक नही हुई है, मृतिका बैगनी रंग का कुर्ती, उजला रंग का लैगिंस तथा बाएं हाथ में रक्षा सूत्र एवं उसके पास एक पतला लाल / उजला रंग का छीटदार कंबल है, पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। खानपुर थाना अध्यक्ष रिशिता स्नेह ने बताया कि एफएसएल टीम को सूचना दी गई है। इधर थाना अध्यक्ष ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि शव को 72 घंटा शव गृह में रखा जाएगा ताकि युवती के शव का पहचान किया जा सके।

मोहम्मद आरीफ भारतीय मनीषा के स्वर थें महेंद्र कुमार: रामाशीष सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीवान। भारतीय संस्कृति बेहद प्राचीन रही है। इस संस्कृति ने विश्व को शांति और सद्भावना का संदेश दिया है। भारतीय संस्कृति सहिष्णुता की पर्याय रही है। भारतीय मनीषा का स्वर ही सहिष्णुता का रहा है। स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयंसेवक व महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, विजयहाता सिवान के प्रथम प्राचार्य महेंद्र कुमार ने भारतीय मनीषा के मौलिक तथ्यों के प्रति अपने समर्पित प्रयासों से समाज को संदेश दिया। उन संदेशों को समझने और उस पर अमल करना ही महेंद्र कुमार के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हो सकती है। ये बातें गुरुवार को सीवान के माधवनगर स्थित महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में महेंद्र कुमार जन्म शताब्दी समापन समारोह में बोलते हुए प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व राष्ट्रवादी विचारक रामाशीष सिंह ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीवान के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर विनय कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में महेंद्र कुमार के तैल चित्र पर आगत अतिथियों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद आगत अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र से किया गया। महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रोफेसर रविंद्रनाथ पाठक ने कहा।

कुख्यात शराब कारोबारी एवं कई कांडो में फिरार इनामी अपराधकर्मी को किया गया गिरफ्तार।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

घटना का विवरणः- ताजपुर, कपूर्रीग्राम एवं मुसरीघरारी थाना के शराब कांड में फिरार ईनामी अपराधकर्मी लालबाबु महतो पिता स्व० योगेन्द्र महतो सा० मानपुरा, थाना-बंगरा, जिला-समस्तीपुर विगत कई माह से फिरार चल रहे थे। जिसको गिरफ्तारी को लेकर इनाम घोषित कर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

पूर्व से गठित विशेष टीम इनके गिरफ्तारी हेतु प्रयासरत थी, दिनांक-25.10.2024 द्वारा तकनिकी अनुसंधान के अधार पर रात्रि में छापेमारी कर उक्त ईनामी अपराधकर्मी लालबाबु महतो को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम/पताः-

1- लालबाबु महतो पिता-स्व० योगेन्द्र महतो सा०-मानपुरा, थाना-बंगरा, जिला-समस्तीपुर

अपराधिक इतिहासः-

1- मुसरीघरारी थाना कांड सं0-10/23, दि०-18.01.23, धारा-272/273 मा०द०वि० एवं 30 (ए) मद्य निषेद्य एवं उत्पाद अधि० (फिरार) 2-ताजपुर थाना कांड सं0-610/22, दि०-15.12.22 धारा-272/273 भा०द०वि० एवं 30 (ए) मद्य निषेद्य एवं उत्पाद अधि० (फिरार) 3-कपूर्रीग्राम थाना कांड सं0-31/24, दि०-03.04.24 धारा-30 (ए) मद्य निषेद्य एवं उत्पाद अधि० (फिरार) 3-बंगरा थाना कांड सं0-83/17, दि०-08.09.17, धारा-272/273 भा०द०वि० एवं 30 (ए) म०नि०एवं उत्पाद अधि०

4- बंगरा थाना कांड सं0-76/18, दि०-14.10.18, धारा-272/273 भा०द०वि० एवं 30 (ए) म०नि० एवं उत्पाद अधि० 6-बंगरा थाना कांड सं0-110/20, दि०-26.09.20, धारा-272/273 भा०द०वि० एवं 30 (ए) म०नि० एवं उत्पाद अधि० 6-मुसरीघरारी थाना कांड सं0-48/19, दि०-24.06.19, धारा-272/273 भा०द०वि० एवं 30 (ए) म०नि० एवं उत्पाद अधि०

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने किया विद्यालयों का औचक निरीक्षण

कल्याणपुर पुलिस ने दो वारंटी पिता, पुत्र को पकड़कर भेजा जेल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 24 अक्टूबर बृहस्पतिवार।जिला शिक्षा पदाधिकारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने दारौंदा के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया जहां विद्यालयों में अनियमितता देख भड़क उठे। तथा विभागीय कार्रवाई करने की बात कही। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला शिक्षा पदाधिकारी ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय हड़सर पश्चिम, मध्य विद्यालय उजांय, कस्तूरबा बालिका विद्यालय दारौंदा तथा उजांय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मध्य विद्यालय उजांय में मध्यान्ह भोजन एवं सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने पर नाराजगी जताई। वहीं, उत्क्रमित मध्य विद्यालय हड़सर पश्चिम में बच्चों के तैयार किए जा रहे पेयजल की निर्माण में घटिया ईंट का उपयोग किया जा रहा था।जिसे जिला शिक्षा पदाधिकारी ने नाराजगी जताई हुए निर्माण कार्य को तत्काल बंद करा दिया। तथा दारौंदा एवं उजांय स्थित कस्तूरबा बालिका विद्यालय में सफाई कर सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की। तथा आगे से सुधार होने का आदेश जारी किया। तथा सभी विद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण को लेकर पूरे दिन शिक्षकों में हड़कंप मचा रहा।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव से न्यायालय के आदेश पर थाना अध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी विकास केशव के नेतृत्व छापेमारी कर दो वारंटी को गिरफ्तार किया। अपर थाना अध्यक्ष दीपक कुमार झा ने बताया कि गिरफ्तार किए गये वारंटी कल्याणपुर गांव के पिता व पुत्र राजो दास व पुत्र उपेंद्र दास को जेल भेजा गया है।

छठ पूजा के अवसर पर विधिव्यस्था संधारण एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर अधिकारियों के अवकाश रद्द.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

छठ पूजा के अवसर पर विधिव्यस्था संधारण एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर अधिकारियों के अवकाश रद्द.

जिलाधिकारी ने जारी किया आदेश-06 नवंबर से 09 नवंबर तक के सभी प्रकार के अवकाश रद्द.

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में छठ पूजा के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण एवं शांतिपूर्ण पूजा आयोजन हेतु जिला स्तर से पर्याप्त संख्या में संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी.

उक्त आलोक में जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार छठ पूजा 2024 के अवसर पर 06 नवंबर से 09 नवंबर तक के सभी प्रकार के अवकाश को रद्द किया गया है. विशेष परिस्थिति में संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी की अनुशंसा के आलोक में जिलाधिकारी द्वारा अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाएगी.

लखनऊ में गंदगी देख भड़के कैबिनेट मंत्री

अधिकारियों से बोले- जनता की परेशानी आपको नहीं दिखती; वेतन काटा जाए

लखनऊ। कैबिनेट और लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना बुधवार को शहर में सफाई का जायजा लेने निकलफैजुल्लागंज- 3 में गंदगी देख भड़क गए। मौके पर ही जोन-3 के जोनल सफाई अधिकारी जितेंद्र गांधी को जमकर फटकार लगाई। कहा- आप सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं। शहर में डेंगू फैल रहा है। राजधानी में ये हाल है तो बाकी जगहों पर क्या हाल होगा। जनता की परेशानी आपको नहीं दिखती। जोनल अधिकारी अलंकार रस्तोगी को कहा कि आप अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हट सकते हैं। जोन में जो भी काम हो रहा है, उस पर जवाबदेही आपकी बनती है। आप दोनों लोग काम सही से नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए आप लोगों का वेतन काटा जाएगा। मंत्री ने तुरंत वेतन काटने का निर्देश भी दे दिया। वहीं मेयर और नगर आयुक्त से कहा कि फॉगिंग और सफाई में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। त्योहार पर पूरे शहर की सफाई व्यवस्था सही होनी चाहिए। बता दें, जोनल अधिकारी अलंकार रस्तोगी के काम को लेकर मेयर ने भी पिछले दिनों नाराजगी जताई थी। मेयर ने तो कह दिया था कि अधिकारी को पानी में डुबोने की बात कही थी।मंत्री सुरेश खन्ना ने फैजुल्लागंज -2, फैजुल्लागंज-3, अलीगंज और लाल बहादुर शास्त्री- 2 वार्ड का दौरा किया। जहां गए वहां गंदगी मिली। फैजुल्लागंज- 3 में निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था की स्थिति काफी खराब मिली। फैजुल्लागंज-3 में कसाई बाड़ा, मोहिबुल्लापुर में गंदगी देख जोनल अधिकारी को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि नालियों से अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए एवं नालियों की सफाई कराई जाए। उन्होंने फैजुल्लागंज-2 वार्ड में रहीमनगर, डुडौली मार्ग व केसर नगर में ढकी नालियों को खुलवाकर उसमें जमे सिल्ट को निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्र के सफाई कर्मी एवं अन्य जिम्मेदार कार्मिक उपस्थित रहकर शाम तक सभी नालियों की सफाई करवाएं। लाल बहादुर शास्त्री- 2 में लोगों ने मंत्री को एक मांग पत्र भी सौंपा। लोगों ने क्षेत्र में जलजमाव, स्ट्रीट लाइट, सर्वोदय नगर चौराहे की बैरिकेडिंग औप एसटीपी की क्षमता बढ़ाने की मांग की। खाली प्लाट मालिकों को नोटिस जारी करें मंत्री ने नगर आयुक्त से कहा कि खाली पड़े प्लाटों को चिन्हित कर उनके मालिकों को नोटिस दें और बाउंड्री वॉल कराई जाए। खाली पड़े प्लाटों पर कूड़ा एवं गंदगियां होती हैं, जिससे बीमारियां फैलती हैं और मच्छर, कीड़े पैदा होते हैं। त्योहारी सीजन को देखते हुए घनी आबादी वाले वार्डों में एंटी लार्वा एवं फॉगिंग कराने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि साफ सफाई एवं शुद्ध पेयजल से तमाम बीमारियों से बचा जा सकता है। इसलिए हम सभी की जिम्मेदारी है की शहर को स्वच्छ एवं साफ सुथरा रखें। उन्होंने कहा कि इस पर लोगों को जागरूक करने की भी आवश्यकता है। सभी लोग स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और स्वयं सफाई के प्रति सचेत होने के साथ-साथ और लोगों को भी जागरूक करें।

बौद्ध महा सभा की एक बैठक सम्पन्न

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारतीय बौद्ध महा सभा की एक बैठक कुशीनगर स्थित भिक्षु धर्मकीर्ति बुद्ध बिहार में सम्पन्न हुई। जिसमें बुध्द के उपदेश, संविधान के अधिकारों और चर्चा की गई। भारत रत्न डॉ बीआर अम्बेडकर के दीक्षा दिवस से महासभा के देशभर में शुरू हुए कार्यक्रम के गोरखपुर में समापन के पश्चात गुरुवार को महासभा के पदाधिकारी बुद्ध स्थली पहुंचे थे। पदाधिकारियो ने मुख्य मन्दिर में पहुंचकर दर्शन पूजन किया। बैठक को संबोधित करते हुए बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के ट्रस्टी चेयरमैन डॉ चन्द्र बोधि पाटिल, राष्ट्रीय महासचिव शंकर राव, राष्ट्रीय अध्यक्ष आर्यवंश ने बुद्ध के मार्ग को जीवन का मार्ग बताया। कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर ने संविधान की रचना कर सबको समता, बंधुता, न्याय का अधिकार दिया। बाबा साहब ने हमेशा आडम्बर, भेद, अश्पृश्यता का विरोध किया और शोषितों को सम्मान जनक जीवन के लिए प्रयास करते रहे। हमें इन अधिकारों को लेकर जन जागरूकता के लिए आगे आना होगा। इससे पूर्व मुख्य भन्ते विमल कीर्ति, भिक्षु विनय कीर्ति, पूर्व अध्यक्ष सतीश चन्द बौद्ध, बौद्धाचार्य ध्रुव प्रकाश बौद्ध डॉ अनिल कुमार गौतम मौजूद रहे।

चिन्ता एवं तनाव भौतिक युग की सबसे गम्भीर समस्या-सीएमओ

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्थानीय सीएचसी के परिसर में गुरुवार को वृहद मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं उपचार शिविर आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ सुरेश पटारिया द्वारा फीता काटकर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ सुरेश पटारिया ने कहा कि चिंता एवं तनाव आज के भौतिक युग की सबसे गम्भीर समस्या है जो आम आदमी की दैनिक दिनचर्या एवं राष्ट्रीय उत्पादकता में बाधक है। उनके कुछ लक्षणों जैसे- अनजाना भय, झुझलाहट, अत्यधिक चिंता, तनाव आदि को शुरूआत में ही पहचाना जा सकता है एवं इसका निदान व्यवहारिक तरीको एवं दवाओं से ठीक किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी ने कहा कि मनोरोग अब अभिशाप नही है। उन्होंने ने कहा कि 10 में 4 लोग मानसिक रोगी होते। जिनका उपचार ऐसे शिविरों के माध्यम से दवा तथा सलाह से ठीक किया जा सकता है।मानसिक स्वास्थ्य एवं शारीरिक स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक है। जिला मानसिक स्वास्थ्य टीम से मनोरोगी सामाजिक कार्यकर्ता योगिता कुशवाहा द्वारा जनसामान्य को मानसिक बीमारी के विभिन्न लक्षणों जैसे नीद न आना, बहुत बेचैनी, घबराहट होना, किसी काम में मन नही लगाना, बहुत अधिक थकान रहना, उदास मन,नहाना नही, कचरा बीन कर घर लाना, शक करना, कानों में आवाज आना, आदि मानसिक बीमारी के लक्षण है। यह बीमारी अनुवांशिक भी है, यदि घर के किसी बड़े को बीमारी रही है तो बच्चो में आने के 30% संभावना रहती हैं। अमृता कुमारी ने बताया कि यदि डिप्रेशन एवं एंजाइटी की बीमारी में काउंसलिंग/पायकोथेरेपी महत्वपूर्ण हैं। शिविर में आए लोगों को टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416/1800 89 14416 की दी गयी तथा आवश्यकता पढ़ने पर संपर्क करने को कहा गया जिसके जरिये विशेषज्ञों द्वारा परामर्श प्रदान किया जाता है।शिविर में कुल 186 मरीजो का पंजीकरण कर उपचार किया गया। जिसमें 16 मानसिक बीमारी वाले मरीजों का परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवा उपलब्ध करायी गयी। संचालन डॉ संजय सिंह ने किया तथा आगन्तुकों का स्वागत ब्लाक लेखा प्रबन्धक राकेश कुमार पांडेय ने किया तथा आभार वरिष्ठ क्षयरोग पर्यवेक्षक आशुतोष मिश्र ने प्रकट किया। इस दौरान डॉ गौतम जी गौरव, डॉ रितेश, डॉ यूसुफ अली, डॉ सौनक श्रीवास्तव, डॉ नेहा चतुर्वेदी, डॉ पल्लवी मिश्र,डॉ अनामिका,डॉ सावित्री सिंह,डॉ पल्लवी सिंह, डॉ नाजरीन, चीफ फार्मासिस्ट अशोक सिंह, संजय राय, वशीर अहमद, विजयकृष्ण द्विवेदी, विनोद वर्मा, शाहिद अंसारी, रत्नेश यादव, अमित सिंह, अमरेश राय, वशुन्धरा, अनीता यादव, प्रतिमा मौर्या, बीना दुबे, रश्मि यादव, वंदना, प्रकाश, सौरभ श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, वीरेंद्र शर्मा, अमजद अली, प्रवीण पांडेय, सतीश ओझा, अशोक गुप्ता सहित सभी स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

रानीपुर बेलाड़ी निवासी महिला चला रही सेक्स रैकेट

बस्ती। जिले के मड़वानगर टोल प्लाजा के पास संचालित सेक्स रैकेट के तार नगर थाना क्षेत्र की रानीपुर बेलाड़ी की एक महिला से जुड़े हैं। सूत्रों से पता चला है कि महिला और उसका पति इस रैकेट के मुख्य सरगना हैं। इसके बावजूद, पुलिस अब तक इन दोनों को पकड़ने में नाकाम रही है। खबर प्रकाशित होने के बाद से रैकेट का मुख्य ठिकाना ताले में लटका है और संचालक फरार हैं। सूत्रों के अनुसार, यह भी पता चला है कि इस अनैतिक काम में कुछ सफेदपोश लोग भी शामिल हैं, जो इसकी गति को बनाए रखने में मदद कर रहे थे। फिलहाल मामला मीडिया में आने के बाद पुलिस बंद मकान पर निगरानी रखे हुए है। मामले में इंस्पेक्टर कोतवाली राना देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पुलिस मकान पर नजर बनाए हुए है। किसी भी अनैतिक गतिविधि पाए जाने पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

सदस्यता अभियान में कुशीनगर स्थापित कर रहा नए कीर्तिमानः दुर्गेश राय

संवाददाता

कुशीनगर। रविन्द्र नगर स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में गुरुवार को जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारी और सदस्यता अभियान के विधानसभा संयोजकों की बैठक हुई जिसमें प्राथमिक और सक्रिय सदस्यता को लेकर विस्तार से चर्चा किया गया।

जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सदस्यता अभियान की अवधि को 30 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई हैं। इस दौरान आनलाइन/ आफलाइन प्राथमिक सदस्यता तथा सक्रिय सदस्यता साथ-साथ चलेगी और 1 से 4 नवंबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान का सत्यापन होगा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद के परिश्रमी जनप्रतिनिधि पदाधिकारी और कार्यकर्ताओ ने पूरी उर्जा के साथ सदस्यता अभियान में अपना योगदान दिया है जिसके फलस्वरूप कुशीनगर जिला प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।इस उपलब्धि के लिए सभी को साधुवाद देता हूं। सदस्यता अभियान के जिला संयोजक और पूर्व जिलाध्यक्ष लल्लन मिश्र ने बताया कि जो कार्यकर्ता या नेता सौ सामान्य सदस्य बना लेगा वही पार्टी का सक्रिय सदस्य बनेगा। इस अभियान में हर बूथ पर कम से कम 2 सक्रिय सदस्य बनाने का भी लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान में ऑनलाइन और ऑफलाइन अर्थात फॉर्म भरवा कर भी सदस्यता दिलाई जा रही है। सक्रिय सदस्यता अभियान के साथ ही सामान्य सदस्यता का दौर भी चलेगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री सुदर्शन पाल, जिला उपाध्यक्ष विनोद भारती, दिवाकर मणि त्रिपाठी, मनोज जायसवाल, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, बाबू नन्दन सिंह, अतुल श्रीवास्तव, बलिराम यादव, रामसागर कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द , जिला सदस्यता सह संयोजक रुपम सिंह, विधानसभा सदस्यता संयोजक ब्रजेश मिश्रा, ऋषि त्रिपाठी, कन्हैया शर्मा, राधेश्याम दीक्षित, भीखम प्रसाद, मण्डल अध्यक्ष भुवनेश्वर

एक राष्ट्र एक चुनाव' देश का सबसे ज्वलंत मुद्दाः सुरेंद्र कुशवाहा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बीएड विभाग बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विषय पर दो दिवसीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ भंते चंद्रमणि सभागार में किया गया।इसमें कुशीनगर जनपद के एक दर्जन शिक्षण संस्थानों के छात्र/छात्राए प्रतिभाग कर रहे हैं।उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक फाजिलनगर श्री सुरेन्द्र कुशवाहा ने बोलते हुए कहा कि ' एक राष्ट्र एक चुनाव' देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा है।इस विषय पर देश में खासकर युवाओं के बीच पर्याप्त चर्चा होनी चाहिए।विश्व के अनेक देशों में राष्ट्रपति प्रणाली की व्यवस्था है। भारत में भी 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे।आज स्थिति यह हो गई है कि प्रत्येक माह देश के किसी न किसी कोने में चुनाव होते ही रहते हैं। चुनाव के कारण आचार संहिता लागू होने से अधिकांश समय तक सरकार निर्णय लेने की स्थिति में नहीं रहती फलतः सरकार का कार्य प्रभावित होता है।इससे देश के विकास की गति धीमी होती है। बार बार होने वाले चुनाव में बड़े पैमाने पर धन एवम् सरकारी कर्मचारियों का इस्तेमाल होता है।अगर चुनाव एक साथ होंगे तो जन शक्ति और धन की बबार्दी को रोका जा सकता है। एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थक और विरोधी दोनो तरह के लोग हैं। अतः इस पर व्यापक विचार विमर्श के पश्चात ही आगे बढ़ना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने एक राष्ट्र एक चुनाव को देश की आवश्यकता बताया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. विनोद मोहन मिश्र ने बताया कि एक साथ चुनाव कराने से समय और धन की बबार्दी रुकेगी लेकिन अल्पमत सरकार की स्थिति में केंद्र सरकार को अप्रत्यक्ष रूप से राज्य की सरकार चलाने का अवसर मिलेगा।इससे नई तरह की समस्याएं सामने आएंगी।जनता की शक्ति क्षीण होगी। अतः इस पर व्यापक विचार विमर्श की आवश्यकता है। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके हुई।उपस्थित अतिथियों का परिचय एवम् स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो विभ्राट चंद कौशिक ने किया।निर्णायक मंडल के सदस्य प्रो गौरव तिवारी ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि भारत ईसा पूर्व से ही लोकतान्त्रिक समाज रहा है।एक साथ चुनाव कराने के कारण संविधान में संशोधन करना पड़ेगा और अक्षम सरकार को हटाकर नई सरकार चुनने का जनता का अधिकार समाप्त हो जायेगा। अतः ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि एक साथ चुनाव होने की स्थिति में जनता के अधिकार सीमित न हो जाए। कार्यक्रम का संचालन डॉ कृष्ण कुमार जायसवाल ने किया। आज अमन कुशवाहा, प्रियांशी मिश्रा और निक्की यादव समेत कुल 34 प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किया। विजेताओं की घोषणा और पुरस्कार वितरण कल दिनांकः25.10.2024 को 12 बजे से समापन सत्र में की जायेगी। वाद-विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के दूसरे सदस्य प्रो हरिशंकर पाण्डेय और प्रो महबूब आलम रहे। इस अवसर पर डॉ निगम मौर्य, डॉ दुर्ग विजय पाल सिंह, डॉ विवेक श्रीवास्तव, डॉ इंद्रासन प्रसाद, डॉ अनुज कुमार समेत बड़ी संख्या में आचार्य और छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

रेप के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर हमला

गोरखपुर। में रेप के आरोपी को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर उसके परिवार वालों ने हमला कर दिया। आरोपी की मां और 2 बहनों ने पथराव कर दिया, जिसमें ट्रेनी दरोगा सचिन सिंह (28) और सिपाही अजीत कुमार (25) का सिर फट गया। गंभीर हालत में दोनों को इलाज के लिए पैडलेगंज स्थित एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। घटना कैपियरगंज इलाके के गोपालगंज उर्फ हरनापुर गांव की है। सूचना पर देर रात SSP डॉ. गौरव ग्रोवर भी हॉस्पिटल पहुंच गए। उन्होंने घायल दरोगा और सिपाही का हालचाल जाना। पुलिस ने इस मामले में आरोपी की मां और उसकी 2 बहनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने पथराव की आरोपी महिला और 2 युवतियों को अरेस्ट कर लिया है।दरअसल, चार दिन पहले गोपालगंज क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अपनी बेटी के साथ हुए दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी राहुल निषाद की तलाश शुरू की थी। जब बुधवार शाम को सूचना मिली कि वह अपने घर पर है, तो दरोगा सचिन सिंह और सिपाही अजीत उसे गिरफ्तार करने पहुंचे थे।जब पुलिस राहुल को गिरफ्तार कर थाने ले जाने लगी, तभी उसके परिवार ने अचानक पथराव करना शुरू कर दिया। इस हमले में दोनों पुलिसकर्मियों को सिर में चोटें आईं। उन्हें गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंचाना पड़ा। घटनास्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया, जिसने स्थिति को नियंत्रित किया।SSP डॉ. गौरव ग्रोवर ने नर्सिंग होम जाकर घायल पुलिसकर्मियों का हाल जाना। उन्होंने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा- हमलावरों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इनके खिलाफ हमले के आरोपों में केस दर्ज किया है।

गुल्लक से पैसे लेकर घर से निकल गया बच्चा

बस्ती। के शिव कॉलोनी में किराए के मकान में मां के साथ रहने वाला कक्षा 3 का छात्र स्कूल से घर आया। इसके बाद वह बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल गया। मां जब ऑफिस से घर पहुंची तो वह बच्चे को तलाशने लगी, काफी खोजबीन करने के बाद भी जब बच्चे का पता नहीं चला तो मां ने पुलिस से मदद ली। मां ने बताया कि घर में रखे गुल्लक का पैसा भी वह ले गया है। थाना क्षेत्र के शिव कॉलोनी में किराए की रहने वाली बबीता चौधरी ने बताया कि उनका बेटा कॉलोनी में ही स्थित प्रैक्टिस विद्यापीठ में कक्षा तीन का छात्र है। बुधवार को वह विद्यालय से घर आया। बताया कि वह ऑफिस में थी। ऑफिस से जब घर लौटी तो देखा कि बच्चा नहीं है। सीसीटीवी कैमरे में बच्चा लगभग 3 बजे के आसपास घर से निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस की पुलिस के अलावा उन्होंने इस बात की जानकारी अपने परिजनों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम पूरी तरह से एक्टिव हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चे की लोकेशन ट्रेस कर ली गई है, जो बरेली में मिली है। मां के अनुसार पुलिस टीम बच्चे को लेकर बस्ती आ रही हैं। बच्चे के वापस घर आने की सूचना पर वह बस्ती पुलिस को थैंक्स भी बोल रही हैं ' इंस्पेक्टर कोतवाली राणा देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बच्चे को पुलिस टीम ने सकुशल बरामद कर लिया है, जिसे बस्ती लाया जा रहा है।

गन्ने की खेती में उपज बढ़ाने को अपनाएं अत्याधुनिक विधिः करन सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। हाटा अवध शुगर एण्ड एनर्जी लिमिटेड युनिट की न्यू इंडिया शुगर मिल के परिसर में किसान गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें अधिशाषी निदेशक व गन्ना वैज्ञानिकों ने किसानों को गन्ना बुआई को लेकर गन्ने की आधुनिक खेती व गन्ने की उपज की बढ़ोत्तरी के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिया। न्यू इंडिया शुगर मिल परिसर में आयोजित किसान गोष्ठी को संबोधित करते हुए मिल के अधिशाषी अध्यक्ष करन सिंह ने कहा कि कृषकों को अधिक उपज लेने हेतू गन्ने के प्रमुख प्रजातियों को० ०118, 14201, 15023 की बुआई करने हेतु गन्ना तथा मजदूरो की निर्भरता कम करने हेतू मिल की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। श्री सिंह ने कृषकों को बताया कि मिल क्षेत्र में कुल 75 एटीएसपी (कृषि प्रदाता) प्रैगमेटिक्स रिसर्च एण्ड एडवाइजरी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से बनाए गये है जिससे गन्ने के आधुनिक खेती व गुणवत्ता पूर्ण कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर अधिशाषी अध्यक्ष करन सिंह द्वारा गन्ना विभाग के नवनियुक्त गन्ना ज्ञान केन्द्र का उद्घाटन किया गया साथ ही अवध गन्ना ऐप तथा किसान काल सेंटर जिसका टोल फ्री नंबर 18005326100 को शुरू करने की घोषणा की गई। गोष्ठी को सहायक उपाध्यक्ष गन्ना अवधेश चंद गुप्ता ने किसानों को सहफसली खेती से लाभ तथा अधिक से अधिक क्षेत्रफल में गन्ना बोने का भी अनुरोध किया। वही प्रैगमेटिक्स रिसर्च के प्रबंध निदेशक डॉ दुष्यंत बादल ने वर्तमान समय में मशीनीकरण को अपनाने की सलाह दी तथा विकसीत देशों के किसानों का उदाहरण देते हुए मशीनीकरण द्वारा कराये गये गन्ना बुआई में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की बात कहीं। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान देवेन्द्र प्रताप शाही तथा मंच का संचालन उप महाप्रबंधक गन्ना डी डी सिंह ने किया।। इस दौरान कृषक सुरेन्द्र सिंह, देवेन्द्र वर्नवाल, प्रेमप्रकाश यादव, मनीष दूबे रामानंद, सुग्रीव सिंह, मुन्ना तिवारी,अशोक राय सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

हाथ में पेट्रोल लेकर परिवार के साथ आत्मदाह की धमकी

बस्ती। के गौर थानाक्षेत्र स्थित एक गांव की महिला ने अपने परिवार के साथ मिलकर आत्मदाह की धमकी दी है। महिला का यह वीडियो भी सामने आया है। महिला का आरोप है कि उसकी पैतृक जमीन पर न्यायालय में चल रहे मुकदमे के बावजूद कब्जा किया जा रहा है। उसने कहा कि उसने स्थानीय पुलिस से लेकर जिलाधिकारी (डीएम) तक शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मजबूरी में उसे आत्मदाह की बात कहनी पड़ रही है। वीडियो में महिला कह रही है, मेरी पैतृक जमीन है, जिस पर न्यायालय में मुकदमा चल रहा है। इसके बावजूद कुछ दबंग जबरन मेरी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। जब मैंने इसका विरोध किया, तो उन्होंने जान से मारने की धमकी दी और मुझे खदेड़ दिया।ह महिला ने बताया कि उसने कई बार स्थानीय थाना, एसडीएम भानपुर और डीएम बस्ती से न्याय की गुहार लगाई, लेकिन कहीं से कोई सुनवाई नहीं हुई। चौकी प्रभारी टिनिच सचिंद्र ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो की जानकारी उन्हें मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

अगर आप अधिक मात्रा में इत्र का इस्तेमाल कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए। ज्यादा इत्र के लगाने से आप अवसाद के शिकार भी हो सकते हैं।

अधिक इत्र से अवसाद

इत्र के अधिक इस्तेमाल से आप जल्द बीमार पड़ सकते हैं। इत्र से न केवल तनाव और अवसाद (डिप्रेशन) की स्थिति उत्पन्न होती है, बल्कि सूंघने की शक्ति में भी कमी आती है।

करते थे इत्र से स्नान : इतिहास में इत्र की सबसे बड़ी दीवानी मेरी एन्टोयनेट अपने कभी ना नहाने के कड़वे सच को छुपाने के लिए इत्र लगाकर अपना सारा वातावरण सुगंधमय बना लेती थी। यूरोप में स्नान करना उस समय कोई आसान बात न थी। इसलिए इत्र ही सफाई और सुगंध के लिए एक सुविधाजनक था।

सूंघने की शक्ति में कमी : इत्र आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बनते जा रहे हैं, लेकिन मध्यपूर्व के एक विश्वविद्यालय के एक ताजे शोध के अनुसार यह सत्य हाल ही में सामने आया कि एक विशेष रूप के अवसाद से सूंघने की शक्ति में कमी आती है, जिसके कारण लोग ज्यादा या तेज इत्र का प्रयोग करते हैं। जब किसी तेज इत्र की खुशबू आपके नथुनों से टकराए तो आप संदेह कर सकते हैं कि यह व्यक्ति तनाव या अवसाद का शिकार है। यूएई में स्थित स्विस एरेबियन परफ्यूम नामक कंपनी के चेयरमैन हुसैन अदमाली के अनुसार अलग प्रकार की सुगंध से विभिन्न लोगों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन होता है। हालांकि यह बात निश्चित रूप से नहीं कही जा सकती कि इत्र का अवसाद से कोई संबंध है या नहीं, पर इत्र की सुगंध मन की भावनाओं पर असर तो जरूर डालती है।

सुगंध की शक्ति : यदि आप नाक बंद कर के कोई चीज खाएं तो निश्चित है कि आप उसका पूरा आनंद भी नहीं ले पाएंगे। सुगंध में वह शक्ति है कि वह किसी भी अनुभव को प्रभावित तो करती ही है और बेहतर भी बनाती है। पर इस सबकी वैज्ञानिक व्याख्या के लिए अभी बहुत अध्ययन की आवश्यकता है। अब उपभोक्ताओं को भी बंधी बंधाई परिपाटी से बाहर निकलकर इत्र का चुनाव करते समय जागरूक होने की आवश्यकता है, क्यों कि अलग-अलग व्यक्तियों के शरीर के पर सही इत्र का चुनाव वैयक्तित्व में आत्मविश्वास की वृद्धि करता, जो दूसरों की दृष्टि में उसे अधिक लोकप्रिय बनाता है। अनेक इत्र ऐसे आकर्षक होते हैं कि उनकी सुगंध लोगों को पलटकर देखते पर विवश कर देती है।

ज्यादा फुहारें नुकसानदायक : अच्छे से अच्छा इत्र भी दो तीन छोटी फुहारों से अधिक नहीं छिड़कना चाहिए। अगर इसके बाद भी आपको लगता है कि और इत्र होना चाहिए तो किसी विश्वासपात्र व्यक्ति से पूछा जा सकता है कि और इत्र की आवश्यकता है या नहीं।

विलसन डिजीज से होता है पढ़ाई में चिड़चिड़ापन

यदि आपके बच्चे का पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लग रहा है, उसमें चिड़चिड़ापन आने लगा है तो आप इसे हल्के से नहीं लें। हो सकता है कि उसे विलसन डिसीज हो गई हो। प्रदेश में लगभग आठ प्रतिशत बच्चे इस बीमारी से पीड़ित हैं।

न्यूरोलॉजिस्ट सैमुअल अलेक्जेंडर विलसन ने 1912 में इस रोग का पता लगाया था। तभी से इस बीमारी को नाम मिला। मस्तिष्क व लीवर के ऊत्तकों (टिश्यू) में मौजूद एटीपी-7 बी नामक जीन (जो कि एक प्रोटीन होता है) के विभाजन (म्यूटेशन) के कारण यह बीमारी होती है। यानी भोजन के साथ शरीर में पहुंचने वाला तांबा तत्व ठीक से नहीं घुल पाता और ऊतकों में जमा हो जाता है।

संतान में संभावना

इस जीन की एक असामान्य कॉपी 100 में से एक मनुष्य में मौजूद रहती है। इस बीमारी के लक्षण माता-पिता में तो नहीं दिखाई देते, पर वे वाहक (कैरियर) बन जाते हैं और बच्चों में 6 से 20 की उम्र में लक्षण उभर जाते हैं।

कॉपर बढ़ना है कारण

यह बीमारी शरीर में कॉपर की मात्रा बढ़ने से होती है, इसलिए बच्चे को चाकलेट व बादाम नहीं देना चाहिए। विलसन डिसीज होने पर यदि समय पर रोगी का उपचार नहीं किया गया तो इससे लीवर और आंखों को क्षति पहुंच सकती है। इसका इलाज अभी महानगरों में मौजूद है। बच्चे में कॉपर की मात्रा बढ़ने से उसमें पढ़ाई के प्रति उकताहट होने लगती है, किसी अन्य काम में भी उसका मन नहीं लगता, इसलिए बेहतर है कि उसे चाकलेट खाने को नहीं दिया जाए।

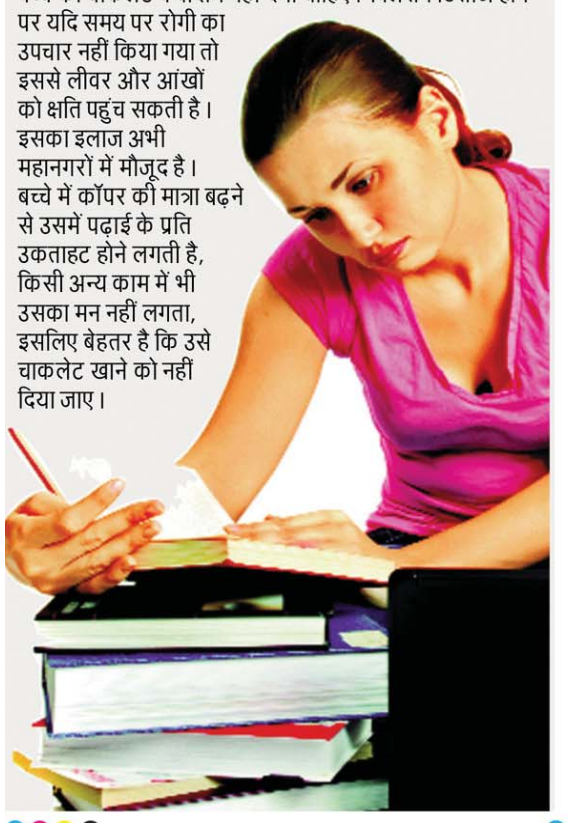

कंधों-बांहों में दर्द का कारण रोटेटर कफ इंजरी

चार पाशया कंध का हड्डा आर पसालया का मांसपेशियों को ऊपरी बांह की हड्डी के साथ जोड़ती हैं, क्योंकि ये पेशियां बांह को उसके कोटर के भीतर घूमने में मदद करती हैं, इन पेशियों के आस्तीन को रोटेटर कफ कहा जाता है।

रोटेटर कफ पेशियां

रोटेटर कफ में पेशियां आसानी से घायल हो सकती हैं, क्योंकि ये एक तंग जगह के भीतर घूमती हैं। जब कंधे को उसके घुमाव की प्राकृतिक सीमा की हद में मोड़ा या उठाया जाता है, इस तंग जगह में पेशियां भी घूमती हैं। कभी कभी रोटेटर कफ की पेशियां उसके ऊपर के हड्डीदार लौंदे (अंशकूट) या कंधे के सामने एक अस्थिबंध से टकरा या रगड़ खा सकती हैं। इस घर्षण को इंमपिंजमेंट सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है और रोटेटर कफ में सूजन का कारण बनता है। रोटेटर कफ घर्षण की सूजन पैदा करने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। यदि आपके कंधे का घुमाव कठिन या दोहरावदार है। सूजन तीन समस्याएं पैदा कर सकती है :

रोटेटर कफ टैंडोनाइटिस

अकेली पेशी की सूजन विशिष्ट घुमाव में दर्द उत्पन्न करती है, जब मांसपेशी जो उस पेशी को खींचती है, उपयोग हो रही है या जब आप ऊपर की ओर पहुंच रहे हैं।

शोल्डर बर्साइटिस

उप-अंशकूटीय बरसाइटिस भी कहते हैं। बरसाइटिस तब होता है जब सूजन तरल पदार्थ, जो रोटेटर कफ की पेशियों को चिकना करता है और खंड तक फैल जाती है। दर्द अक्सर रात में और बुरा होता है, जब आप लगभग किसी भी दिशा में अपना कंधे ले जाते हैं, खासकर यदि आप ऊपर की ओर ले जाते हैं।

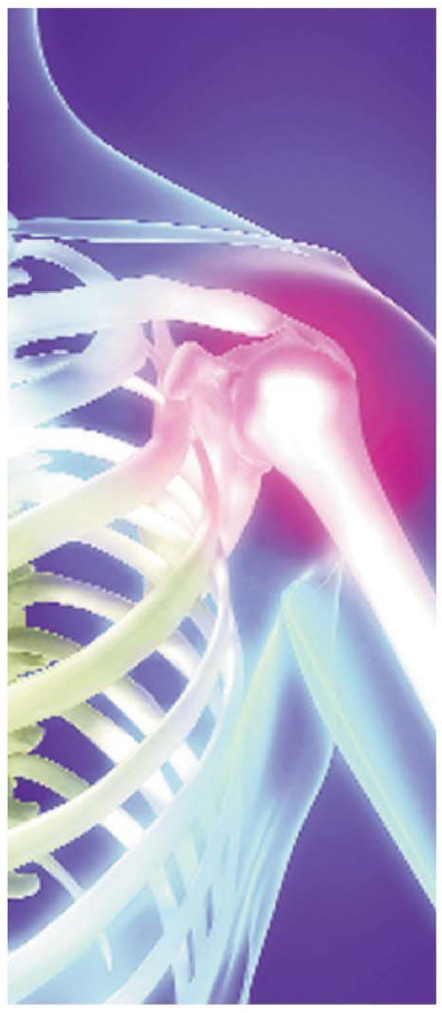

रोटेटर कफ टियर

- सूजन के कारण कमजोर हो जाने के बाद पेशी टूट सकती है।
- कंधे के इस्तेमाल के कई प्रकार सामान्यत: रोटेटर कफ की वजह से होते हैं :

अपने हाथों से धक्का देना

घुटने के गठिया, टांगों में अन्य दर्दनाक स्थितियां, या जांघों में कमजोर चतु:शिरस्क पेशियों द्वारा पीड़ित लोग अपने हाथों से धक्का देकर क्षतिपूर्ति करते हैं, जब वे कुर्सी से उठते हैं। कंधे इस प्रयोग के लिए नहीं बनाए गए हैं। धक्का देने के दौरान, कंधे की कोटर और प्रगंडिका एक उल्टी मोरटार और मूसल जैसे काम करती हैं, रोटेटर कफ पेशियों को कुचलते और पीसते हुए। फैलाए हुए हाथ के बल गिरते हैं, सीधे वाहन दुर्घटनाओं और खेलों में टक्कर भी पेशियों को कुचल सकती हैं।

पुनरावृत्तीय फैलाव

ऊपरी हाथों की स्थिति तंग जगह जिनसे रोटेटर कफ पेशियों को निकलना होगा, को छोटा कर देती हैं। पुश अप, तैराकी, घर की सफेदी, घिसना, भवन निर्माण करना, ऑटो मैकेनिक का काम और अन्य गतिविधियां रोटेटर कफ की चोट का कारण हो सकती हैं।

सशक्त या आकस्मिक ऊपरी बांह का घुमाव

टियर्स विशेष रूप से फेंकने वाली खेलों, रैकेट खेल और कुश्ती के खिलाड़ियों में आम हैं। अचानक संचलन, जैसे एक लॉन की घास काटने की मशीन शुरू करने के लिए खींचना, एक कमजोर पेशी को तोड़ सकता है। इसके अलावा आपका कंधा और आसानी से घायल हो सकता है अगर यह अस्वस्थ है। संकीर्ण जगह जो रोटेटर कफ पेशियों को घेरती है और भी संकीर्ण हो जाता है। अगर आपके कंधे की मांसपेशियां कमजोर या तंग हैं जब ऐसा होता है। दैनिक कंधे के संचलन की अधिक पेशी घर्षण पैदा करने की संभावना है।

रोटेटर कफ इंजरी की चिकित्सा

कंधे में टैंडोनाइटिस, बरसाइटिस और छोटे रोटेटर कफ टियर्स का प्रभावी रूप से कोर्टिकोस्टेरॉयड दवा की सुई के साथ इलाज किया जा सकता है। इसके बाद कंधे की गति को पुन:संचलन में लाने और रोटेटर कफ की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए भौतिक चिकित्सा के व्यायाम किए जाते हैं। नॉन स्टैरोइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (एनएसए आईडी) जैसे आइबुप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य) दर्द और सूजन को कम करने में उपयोगी होती हैं। अगर आपका चिकित्सक पता लगाता है कि आपको कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस है, तब डॉक्टर इस बीमारी का इलाज शुरू करता है। प्राय: दोहराती रोटेटर कफ की चोटों या रोटेटर कफ पेशी में बड़े चीरों के लिए सर्जरी आवश्यक हो सकती है।

रोटेटर कफ इंजरी का निदान

रोटेटर कफ की चोट का आमतौर पर शारीरिक परीक्षण द्वारा निदान किया जाता है। आपका चिकित्सक आपकी बांह कंधे से घुमाएगा और फिर आपकी बांह ऊपर उठाएगा। अगर ऐसी गति से दर्द होता है, रेटेटर कफ सूजा हो सकता है। अगर आपकी कमजोरी ध्यान देने योग्य है, तो आपको रोटेटर कफ टियर की जांच के लिए और परीक्षण कराने की जरूरत है। आपकी मांसपेशियां जो दर्द के कारण जवाब दे रही हैं, उनसे पेशी की वास्तविक कमजोरी में अंतर आपका चिकित्सक आपके कंधे में सुन्न करने वाली दवा डालकर कर सकता है। यदि टियर लग रहा है, एक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) स्कैन या शोल्डर अर्थोनाम निदान की पुष्टि कर सकता है। आर्थोग्राम जोड़ों में डाई डालने के बाद कंधे का लिया एक एक्सरे है। कंधे के एक्सरे की हमेशा जरूरत नहीं होती, लेकिन ये मददगार है यदि आपके कंधे को आघात पहुंचा है या आपका चिकित्सक आपकी गति की पूरी सीमा तक आपका कंधा नहीं घुमा सकता। यदि आपके लक्षण सफल उपचार के बाद वापसी कर रहे हैं या जा नहीं रहे, आपका चिकित्सक एक्सरे का आदेश दे सकता है। कभी कभी सूजी हुई पेशी पर कैल्शियम तलछट बनते हैं, जो कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस नामक स्थिति उत्पन्न करते हैं।

रोटेटर कफ इंजरी के लक्षण

रोटेटर कफ की चोटें आपके कंधे और ऊपरी बांह में दर्द का कारण उत्पन्न करती हैं। दर्द सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण तब हो सकता है, जब आप अपने हाथ ऊपर या बाहर फैलाते हैं। जब आप अपने हाथ उठाते हुए घुमाते हैं, पेशियों की आसपास के ढांचों से रगड़ने की अधिक संभावना है। इस कारण जब आप अपने बालों में कंघी करने या अपनी बांह आस्तीन में डालने की कोशिश करते हैं, आपके कंधे के लक्षण सबसे बुरे हो जाते हैं। रात में आपको क्षीण, दुखता हुआ कंधे का दर्द हो सकता है। इसके अलावा रोटेटर कफ टियर्स जो पेशी के एक महत्वपूर्ण भाग को प्रभावित करते हैं, कंधे की कमजोरी उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी बांह एक तरफ बाहर फैलाकर रखने की या कोई वस्तु उठाने की क्षमता को सीमित करते हैं। दर्द की वजह से कंधे का उपयोग करने में कठिनाई का मतलब हमेशा ये नहीं कि टियर है।

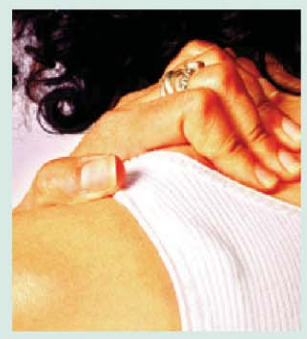

शरीर भी आर्थिक स्थिति देखकर देता है साथ

कहा जाता है कि बुरे समय में आपका सबसे अच्छा साथी आपका स्वास्थ्य होता है, लेकिन यह कहावत शायद पूरी तरह सच नहीं है, क्योंकि आपका शरीर भी आपकी आर्थिक स्थिति को देखकर आपका साथ देता है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के दल ने इस बात का दावा किया है कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन भी तभी आपका साथ देता है, जब आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा याददाश्त को बढ़ाने, तनाव को कम करने में मददगार होती है और खासकर यह पुरुषों में पचास साल की आयु के दौरान काम करने लगता है।

लंबी आयु के लिए जरूरी

शोध दल के प्रमुख सर माइकल ने बताया, मैं विश्वास से कह सकता हूं कि यह हमने पहली बार किया है। मेरा यह निजी तौर पर मानना है कि यह तनाव को कम करने का एक तरीका हो सकता है।

आपके शरीर में हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा में मौजूदगी आपको लंबे समय तक जिंदा रखती है। गुर्दे के ऊपर स्थित एड्रीनल गंथि से स्रावित होने वाला यह हार्मोन उनमें अधिकतम मात्रा में पाया जाता है, जो ज्यादा व नियमित तौर पर व्यायाम करते हैं और ज्यादा खुशी, उत्साह, रोमांच और अपने दोस्तों व परिवार के साथ जिंदगी व्यतीत करते हैं। इस तरह का आरामदायक और विलासितापूर्ण जीवन जीना, तभी संभव है जब आपके पास अकूत धन हो।

उम्र बढ़ने पर होता है स्रावित

उम्र को लेकर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि एक दूसरा हार्मोन आईजीएफ (इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर) भी उम्र बढ़ने के साथ कम मात्रा में स्रावित होने लगता है। ये दोनों हार्मोन सम्मिलित रूप में मिलकर तनाव की स्थिति को कम करते हैं। इसके साथ ही यह शरीर की अन्य जैविक गतिविधियों मसलन पाचन, प्रतिरक्षा तंत्र और ऊर्जा बनने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने का काम करते हैं। इस प्रयोग को करने के लिए शोधकर्ताओं के दल ने करीब पचास साल की उम्र के 1000 व्यक्तियों के खून के नमूने प्राप्त कर यह निष्कर्ष निकालने में कामयाबी पाई। सर माइकल ने कहा, हमने स्पष्ट रूप से पाया कि कम धनी लोगों के बीच तनाव, मोटापा और अनियमित शारीरिक व्यायाम, धूम्रपान की अधिकता तथा हरी सब्जियों और फलों का कम मात्रा में सेवन कुछ ऐसे कारक थे, जो उनके बीच मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्या को उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार थे।

हार्मोन को सीधा बढ़ाएंगे

शोधकर्ताओं के मुताबिक इस नए शोध के परिणाम की वजह से ऐसी दवाओं के निर्माण का रास्ता खुल गया है, जिसके जरिए हम शरीर में इस तरह के हार्मोन को सीधे बढ़ा पाएंगे। शरीर में इस तरह के हार्मोन के स्तर को बढ़ाने का मामला केवल कुछ गोलियां खाकर पूरा नहीं हो सकता। इस हार्मोन का स्राव बचपन और युवावस्था में काफी मात्रा में होता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही इसके स्राव में गिरावट आने लगती है। अस्सी की उम्र में तो इसकी स्रावित मात्रा युवावस्था के मुकाबले में केवल दस प्रतिशत ही रह जाती है।

शिक्षा में निवेश के मामले में भारत ने कई पड़ोसी देशों को पछाड़ा

- भारत का शिक्षा पर सरकारी खर्च इसी अवधि में 13.5 से 17.2 फीसदी के बीच रहा है

मुंबई ।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने हाल ही में भारत की शिक्षा बजट में आवंटन को लेकर सराहना की है। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 से 2024 के बीच भारत ने अपनी जीडीपी का 4.1 फीसदी से 4.6 फीसदी शिक्षा के लिए आवंटित किया है, जो शिक्षा 2030 फ्रेमवर्क फॉर एक्शन के निर्धारित अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इस फ्रेमवर्क के तहत देशों को जीडीपी का 4-6 फीसदी शिक्षा के लिए खर्च करने की सिफारिश की गई है। यूनेस्को इंस्टीट्यूट फॉर स्टैटिस्टिक्स की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत का शिक्षा पर सरकारी खर्च इसी अवधि में 13.5 फीसदी से 17.2 फीसदी के बीच रहा है, जो एजुकेशन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है। यह लक्ष्य सरकारों को सार्वजनिक व्यय का 15-20 फीसदी शिक्षा में खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करता है।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का शिक्षा निवेश अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बना हुआ है और वह अपने पड़ोसी देशों की तुलना में अधिक निवेश कर रहा है। नेपाल और भूटान जैसे देशों के विपरीत, जहां जीडीपी का 4-6 फीसदी शिक्षा पर खर्च होता है, भारत का खर्च जीडीपी और सरकारी व्यय के प्रतिशत के मामले में अफगानिस्तान और पाकिस्तान से कहीं अधिक है। रिपोर्ट में इस बात पर रोशनी डाली गई है कि कुल खर्च के प्रतिशत के रूप में, विश्व औसत में गिरावट आ रही है। मध्य और दक्षिणी एशिया के देश 2010 के दशक की तुलना में अधिक निवेश कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में गिरावट देखी गई है। साल 2022 में, मध्य और साउथ एशिया में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में शिक्षा पर भारत का खर्च केवल भूटान (7.5 प्रतिशत), कजाकिस्तान (7.2 प्रतिशत), मालदीव (4.7 प्रतिशत), ताजिकिस्तान (5.7 प्रतिशत) और उज्बेकिस्तान (5.2 प्रतिशत) से कम है।

शिक्षा में निवेश के मामले में भारत ने कई पड़ोसी देशों को पछाड़ा

- भारत का शिक्षा पर सरकारी खर्च इसी अवधि में 13.5 से 17.2 फीसदी के बीच रहा है

मुंबई ।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने हाल ही में भारत की शिक्षा बजट में आवंटन को लेकर सराहना की है। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 से 2024 के बीच भारत ने अपनी जीडीपी का 4.1 फीसदी से 4.6 फीसदी शिक्षा के लिए आवंटित किया है, जो शिक्षा 2030 फ्रेमवर्क फॉर एक्शन के निर्धारित अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इस फ्रेमवर्क के तहत देशों को जीडीपी का 4-6 फीसदी शिक्षा के लिए खर्च करने की सिफारिश की गई है।

यूनेस्को इंस्टीट्यूट फॉर स्टैटिस्टिक्स की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत का शिक्षा पर सरकारी खर्च इसी अवधि में 13.5 फीसदी से 17.2 फीसदी के बीच रहा है, जो एजुकेशन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है। यह लक्ष्य सरकारों को सार्वजनिक व्यय का 15-20 फीसदी शिक्षा में खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करता है।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का शिक्षा निवेश अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बना हुआ है और वह अपने पड़ोसी देशों की तुलना में अधिक निवेश कर रहा है। नेपाल और भूटान जैसे देशों के विपरीत, जहां जीडीपी का 4-6 फीसदी शिक्षा पर खर्च होता है, भारत का खर्च जीडीपी और सरकारी व्यय के प्रतिशत के मामले में अफगानिस्तान और पाकिस्तान से कहीं अधिक है। रिपोर्ट में इस बात पर रोशनी डाली गई है कि कुल खर्च के प्रतिशत के रूप में, विश्व औसत में गिरावट आ रही है। मध्य और दक्षिणी एशिया के देश 2010 के दशक की तुलना में अधिक निवेश कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में गिरावट देखी गई है। साल 2022 में, मध्य और साउथ एशिया में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में शिक्षा पर भारत का खर्च केवल भूटान (7.5 प्रतिशत), कजाकिस्तान (7.2 प्रतिशत), मालदीव (4.7 प्रतिशत), ताजिकिस्तान (5.7 प्रतिशत) और उज्बेकिस्तान (5.2 प्रतिशत) से कम है। पूरे एशिया की तुलना में भारत का व्यय चीन और जापान जैसे देशों से अधिक है। वैश्विक स्तर पर, शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय के विश्व औसत में गिरावट देखी गई है, जो 2010 में 13.2 प्रतिशत से घटकर 2020 में 12.5 प्रतिशत हो गई है, जिसमें कोविड-19 महामारी के बाद उल्लेखनीय कमी आई है।

सर्दियों में चाय की चुस्की के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे!

टाटा टी कीमतों में बढ़ोतरी करने पर कर रही है विचार

मुंबई ।

अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में सर्दी के मौसम ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। इस मौसम में चाय की खपत बढ़ जाती है लेकिन अब चाय की चुस्की के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। देश की प्रमुख चाय कंपनियों में से एक टाटा टी कीमतों में बढ़ोतरी करने जा रही है। टाटा टी भारत की सबसे अधिक बिकने वाली चाय ब्रांडों में से एक है और यह देश की पुरानी चाय कंपनियों में भी शामिल है। बताया जा रहा है कि टाटा टी अपने ब्रांड पोर्टफोलियो में अगले कुछ महीनों में कीमतों में वृद्धि करने का विचार बना रही है। कंपनी का उद्देश्य अपने लाभ मार्जिन को बढ़ाना है, जो हालिया कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण प्रभावित हुआ है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के एक अे धिकारी के अनुसार कंपनी को कुल मात्रा में वृद्धि की उम्मीद है, हालांकि शहरी बाढ़, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुस्ती और विकास में सामान्य मंदी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जुलाई-सितंबर तिमाही में राजस्व में 11 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद, मुनाफा केवल 1 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इस साल चाय की कीमतों में 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जिसका कारण आपूर्ति में व्यवधान है। टाटा टी भारत के चाय खुदरा बाजार में लगभग 28 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखती है और इसकी प्रतिस्पर्धा हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी कंपनियों से है। उन्होंने चाय की कीमतों में बढ़ोतरी के कारणों को विस्तार से बताते हुए कहा कि कुल चाय उत्पादन में 20 प्रतिशत की कमी आई है और निर्यात में भी वृद्धि हुई है। इसके अलावा चाय बोर्ड ने सामान्यतः दिसंबर के मध्य में चाय की पत्तियों को तोड़ने का काम बंद करने का निर्णय लिया है, जिससे आपूर्ति पर अधिक प्रभाव पड़ेगा।

यूपी और राजस्थान में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

- ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 75.41 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भले ही गिरावट आई है, लेकिन देश के कई शहरों में गुरुवार को पेट्रोल और डीजल के खुदरा दाम बढ़ गए हैं। यूपी के शहरों से लेकर राजस्थान के धोरों तक तेल के रेट में बदलाव हुआ है।

सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार सुबह पेट्रोल और डीजल के नए भाव जारी कर दिए हैं, जिसमें दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 18 पैसे महंगा होकर 95.01 रुपये लीटर बिक रहा है।

डीजल भी 18 पैसे चढ़ा और 88.14 रुपये लीटर पहुंच गया है। पड़ोसी गाजियाबाद जिले में पेट्रोल 6 पैसे गिरकर 94.65 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 7 पैसे टूटकर 87.75 रुपये लीटर बिक रहा है। राजस्थान के सीकर जिले में पेट्रोल 82 पैसे महंगा हो गया और 106.17 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 74 पैसे चढ़कर 91.52 रुपये लीटर हो गया है।

कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली गिरावट आई है।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 75.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी थोड़ा गिरकर 71.25 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है।

मुद्रास्फीति के स्थायी रूप से सही होने की स्थिति का इंतजार करना होगा: दास

- भारत मुद्रास्फीति की एक और लहर का जोखिम नहीं उठा सकता

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत मुद्रास्फीति की एक और लहर का जोखिम नहीं उठा सकता है। वर्तमान में सबसे अच्छा तरीका लचीला रहना होगा। केंद्रीय बैंक के लक्ष्य के साथ मुद्रास्फीति के स्थायी रूप से सही होने की स्थिति का इंतजार करना होगा। महीने की शुरआत में हुई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का ब्योरा देते हुए दास ने कहा कि मौद्रिक नीति केवल मूल्य स्थिरता बनाए रखने से ही स्थायी विकास का समर्थन कर सकती है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने बेंचमार्क ब्याज दर को 6.5 फीसदी पर बनाए रखने का फैसला किया है, जो लगातार दसवीं बार है जब एमपीसी ने दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, समिति ने अपनी स्थिति समायोजन की वापसी से तटस्थ में बदल दी है। एमपीसी की बैठक के ब्योरे के अनुसार दास ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिरता और ताकत की तस्वीर प्रस्तुत करती है और मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन अच्छी तरह से स्थापित है। उन्होंने कहा कि

मुद्रास्फीति में निकट अवधि में बढ़ोतरी के बावजूद, साल के अंत में और अगले साल की शुरुआत में हेडलाइन मुद्रास्फीति का दृष्टिकोण 4 प्रतिशत लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की ओर इशारा करता है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ रुपया

मुंबई । रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.06 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद एक पैसे की गिरावट के साथ 84.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 104.20 पर रहा।

अशोक लेलैंड को चेन्नई एमटीसी से मिला 500 इलेक्ट्रिक बसों का ठेका

इनमें से 400 बसें गैर-वातानुकूलित होंगी, जबकि 100 बसें वातानुकूलित होंगी

नई दिल्ली । वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड की इकाई ओएचएम ग्लोबल मोबिलिटी को चेन्नई स्थित मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन से 12 मीटर लंबी 500 अल्ट्रा-लो फ्लोर इलेक्ट्रिक बसों का ठेका मिला गया है। कंपनी बयान के अनुसार मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमटीसी) से मिले ठेके के अनुसार अशोक लेलैंड की एक अन्य अनुषंगी कंपनी स्विच मोबिलिटी, ओएचएम को स्विच ईआईवी12 मॉडल बसों की आपूर्ति करेगी। इनमें से 400 बसें गैर-वातानुकूलित होंगी, जबकि 100 बसें वातानुकूलित होंगी। ओएचएम अशोक लेलैंड की इलेक्ट्रिक परिवहन शाखा है, जो मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस व्यवसाय पर केंद्रित है। अशोक लेलैंड के एक अे धिकारी ने कहा कि हम इलेक्ट्रिक परिवहन की ओर बढ़ने को प्रतिबद्ध हैं। एमटीसी के साथ यह साझेदारी स्वच्छ एवं अधिक कुशल परिवहन प्रणाली बनाने की दिशा में एक कदम है।

एचयूएल अपने आइसक्रीम कारोबार को अलग करेगी

- कंपनी को अपने मुख्य व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

दिग्गज एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने अपने आइसक्रीम कारोबार को अलग करने की घोषणा करते हुए कहा कि इस पर निष्पक्ष विचार के लिए स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया है। एचयूएल के आइसक्रीम कारोबार में क्वालिटी वॉल्स, कॉर्नेटो और मैग्नम जैसे ब्रांड शामिल हैं। एचयूएल के निदेशक मंडल की हाल ही में हुई बैठक में आइसक्रीम कारोबार को अलग करने का फैसला किया गया। यह कदम एक स्वतंत्र समिति की सिफारिश पर आधारित है जिसका गठन इस साल सितंबर में किया गया था। इस समिति ने कहा है कि कंपनी के कारोबार में तीन प्रतिशत का योगदान देने वाले आइसक्रीम कारोबार का एक अलग परिचालन मॉडल है जो कंपनी के अन्य व्यवसायों के साथ तालमेल को सीमित करता है। इस मॉडल में शीत भंडारण संरचना और एक अलग चैनल परिदृश्य शामिल है। कंपनी के एक अ धिकारी ने तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान कहा कि एचयूएल ने आइसक्रीम कारोबार का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन किया है। हालांकि, उन्होंने इससे जुड़ा विवरण साझा नहीं किया। उन्होंने कहा कि आइसक्रीम कारोबार को प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिये अलग किया जाएगा। इससे कंपनी को अपने मुख्य व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करने और सौंदर्य, खाद्य पदार्थ, स्वास्थ्य एवं तंदरुस्ती जैसे खंडों में खुद को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

लगातार चौथे दिन लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे दिन गुरुवार को लाल निशान में बंद हुआ। स्टॉक मार्केट में सुस्ती के पीछे की वजह मुख्य रूप से पश्चिमी एशियाई देशों में तनाव, एफपीआई की ओर से जमकर शेयरों की बिकवाली, चीन से सस्ते इंट्रेस्ट पर लोन और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच बढ़ती कांटे की टक्कर मानी जा रही है। 24 अक्टूबर को सेंसेक्स 16.82 अंक गिरकर 80,065.16 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 36.10 अंक गिरकर 24,399.40 पर बंद हुआ। हालांकि, बैंकिंग और वित्तीय सेक्टर के बड़ी गिरावट को रोकने में कामयाबी हासिल की।

गुरुवार को सबसे ज्यादा, 1.22 प्रतिशत का उछाल निफ्टी पीएसयू बैंक में दिखाई दिया। निफ्टी बैंक में 0.57 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके साथ ही साथ फाइनेंशियल सर्विसेज के सेक्टर में बढ़त देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा में 0.44 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.37 प्रतिशत और ऑयल एंड गैस में 0.07 प्रतिशत की तेजी आई।

सबसे बड़ी गिरावट दर्ज करने वाला सेक्टर एफएमसीजी सेक्टर रहा। एफएमसीजी स्टॉक्स ने गुरुवार ओवरआल 2.83 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। इसके अलावा, रियल्टी सेक्टर 1.13 प्रतिशत, मेटल 0.23 प्रतिशत, मीडिया 0.17प्रतिशत, आईटी 0.19 प्रतिशत और ऑटो सेक्टर ने 0.52 प्रतिशत की गिरावट देखी। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के सेक्टर में भी 0.39 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

बाजार में गुरुवार को निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 26 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर सबसे ज्यादा 2.66 प्रतिशत की बढ़त बनाने वाला शेयर रहा। इसके अलावा, श्रीराम फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम, ग्रासिम, टाइटन, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) के शेयर 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त बना सके। बीएसई सेंसेक्स पर भी अल्ट्राटेक 2.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप बढ़ता वाला शेयर रहा। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का शेयर गुरुवार को सबसे ज्यादा 5.81 प्रतिशत गिरा। इसके अलावा, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, हिंडाल्को, नेस्ले इंडिया और बजाज ऑटो, आईटीसी के शेयर 2 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गए।

सेंसेक्स पर भी गुरुवार को का टॉप लूजर स्टॉक 5.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ एचयूएल ही रहा। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, मारुति सुजूकी, एशियन पेंट्स,टीसीएस, इंफोसिस, एलएंडटी, कोटक बैंक, एचसीएल टेंक और टेक महिंद्रा के शेयर लाल निशान में बंद हुए।

ग्लोबल मार्केट

एशियाई बाजारों में, सियोल, शंघाई और हांगकांग निचले स्तर पर बंद हुए जबकि टोक्यो बढ़त के साथ पर बंद हुआ। यूरोपीय मार्केट पॉजिटिव सेक्टर में कारोबार कर रहे थे। ओवरनाइट, अमेरिकी बाजार नकारात्मक दायरे में बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.99 प्रतिशत उछलकर 76.45 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

मोबिक्विक ने 9.5 फीसदी ब्याज दर वाली एफडी पेश की

- सात दिनों से लेकर 60 महीने तक की जमा अवधि चुन सकते हैं

नई दिल्ली । डिजिटल वित्तीय सेवा मंच मोबिक्विक ने वित्तीय सेवा कंपनियों के साथ साझेदारी में अपने मोबाइल ऐप पर त्वरित सावधि जमा (एफडी) उत्पाद पेश करने की घोषणा की। मोबिक्विक ने एक बयान में कहा कि इस वित्तीय उत्पाद का उद्देश्य अपने उपयोगकर्ताओं के लिए बचत प्रक्रिया को सरल बनाना है। कंपनी ने सावधि जमा उपयोगकर्ताओं को 1,000 रुपये से निवेश शुरू करने और नया बैंक खाता खोले बगैर सालाना 9.5 प्रतिशत तक का रिटर्न पाने की पेशकश की है। उपयोगकर्ता सात दिनों से लेकर 60 महीने तक की जमा अवधि चुन सकते हैं।

गुजरात सरकार बारिश से प्रभावित किसानों को 1,419 करोड़ को राहत पैकेज देगी

राज्य सरकार बजट से 322.33 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी

नई दिल्ली । गुजरात सरकार ने इस साल अगस्त में राज्य के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश के कारण नुकसान का सामना करने वाले किसानों के लिए 1,419.62 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से 1,097.31 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा, जबकि राज्य सरकार बजट से 322.33 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। राहत पैकेज की घोषणा 20 प्रभावित जिलों - पंचमहल, सुरेंद्रनगर, नवसारी, देवभूमि द्वारका, खेड़ा, आनंद, भरूच, वड़ोदरा, मोरबी, जामनगर, कच्छ, तापी, दाहोद, डांग, अहमदाबाद, राजकोट, जूनागढ़, सूरत, पाटन और छोटा उदयपुर के 136 तालुकों में नुकसान-मूल्यांकन सर्वेक्षण के बाद की गई।

यूएस में वित्त मंत्री ने कहा- कोई भी देश भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता

- भारत की प्राथमिकता अपना प्रभुत्व जमाने की नहीं, हम दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं

वॉशिंगटन ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने दुनिया में भारत की अहमियत बताते हुए कहा कि दुनिया का कोई भी देश भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता। निर्मला सीतारमण अमेरिका में विश्व बैंक की सालाना बैठक में भाग लेने से पहले सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलेपमेंट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत की। इस कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी का कहना है कि भारत की प्राथमिकता अपना प्रभुत्व जमाने की नहीं है। हम दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी हमारी है। दुनिया का आज हर छठा व्यक्ति भारतीय है। ऐसे में अमेरिका दूर है या चीन पास, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि कोई भी देश भारत और भारत की अर्थव्यवस्था को नजरअंदाज नहीं कर सकता। खासकर उस स्थिति में जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस कार्यक्रम के दौरान ये भी कहा कि भारत, आईएमएफ से पहले से अपने पड़ोसियों को उनके मुश्किल समय में आर्थिक मदद दे रहा है। सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलेपमेंट के कार्यक्रम में बोलते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि भारत ने कई अफ्रीकी देशों को लाइन ऑफ क्रेडिट योजना के तहत आर्थिक मदद दी है, जिससे वहां संस्थानों, सड़कों, पुलों और रेलवे स्टेशन का निर्माण हुआ है। आईएमएफ की धीमी प्रक्रिया पर निशाना साधते हुए सीतारमण ने कहा कि आईएमएफ से बहुत पहले हम अपने पड़ोसियों की मदद करते आ रहे हैं। मैं ये बात पूरी जिम्मेदारी से कह रही हूं कि मेरा आईएमएफ की अहमियत को कमतर करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन हमने बिनी किसी शर्त के पड़ोसियों को पैसे दिए हैं।

मैं उन पड़ोसियों का नाम नहीं लेना चाहती और ना ही कोई नंबर देना चाहती हूं क्योंकि हमारे पड़ोसी हमें बहुत प्यारे हैं।

रिलायंस पावर को 1,525 करोड़ जुटाने शेयरधारकों की मंजूरी मिली

डाक मतपत्र के जरिये प्रस्ताव को अपेक्षित बहुमत से पारित कर दिया गया

नई दिल्ली ।

रिलायंस पावर को तरजीही शेयर जारी कर 1,524.60 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने बुधवार देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि डाक मतपत्र के जरिये प्रस्ताव को अपेक्षित बहुमत से पारित कर दिया गया है। डाक मतपत्र नोटिस के अनुसार कंपनी 33 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर 46.20 करोड़ शेयर और/या समतुल्य संख्या में शेयर में परिवर्तनीय वारंट के तरजीही निर्गम के जरिये 1,524.60 करोड़ रुपये तक जुटाएगी। रिलायंस पावर लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 23 सितंबर को तरजीही निर्गम के जरिये 1,525 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी के कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए इसमें 600 करोड़ रुपये डालेंगे। तरजीही निर्गम से कंपनी की नेटवर्थ करीब 11,155 करोड़ रुपये से बढ़कर 12,680 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी।

भारत से सीखा परोपकार सारे विश्व ने

आर.के. सिन्हा

वेद और उपनिषद जैसे ग्रंथों में परोपकार को 'दान' और 'सेवा' के रूप में वर्णित किया गया है। हिन्दू धर्म में दान और सेवा का बहुत बड़ा महत्व है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यासः इन चार आश्रमों में से वानप्रस्थ और संन्यास आश्रमों में परोपकार को ही जीवन का मुख्य लक्ष्य माना गया है। जैन धर्म में 'दान' को 'अहिंसा' के सिद्धांत के साथ जोड़ा गया है।

रतन टाटा के निधन के पश्चात उनके परोपकारी कामों की विस्तार से चर्चा हो रही है। वैसे, जरा गौर करें तो न केवल टाटा समूह, बल्कि भारत के हरेक छोटे-बड़े लाखों कारोबारी या उद्योगपति अपने स्तर पर कुछ न कुछ परोपकार से जुड़े कामों में लगे हुए ही मिल जायेंगे। यह कहना सरासर गलत होगा कि परोपकार की भावना हमने यूरोप से सीखी है। यह कुछ नासमझ अज्ञानियों का प्रचार भर है। भारत में परोपकार की परंपरा प्राचीन काल से ही गहरी जड़ें जमाए हुए है। हम 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया' में विश्वास करने वाले हैं। अभी भी आपको 'पहली रोटी गौ माता को ' में विश्वास करने वाले लाखों लोग मिल जायेंगे। धर्म, संस्कृति और समाज के हरेक पहलू में दान, सेवा और परोपकार का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है।

वेद और उपनिषद जैसे ग्रंथों में परोपकार को 'दान' और 'सेवा' के रूप में वर्णित किया गया है। हिन्दू धर्म में दान और सेवा का बहुत बड़ा महत्व है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यासः इन चार आश्रमों में से वानप्रस्थ और संन्यास आश्रमों में परोपकार को ही जीवन का मुख्य लक्ष्य माना गया है। जैन धर्म में 'दान' को 'अहिंसा' के सिद्धांत के साथ जोड़ा गया है।

भारत भूमि की देन बौद्ध धर्म में भी 'दान' का खासा महत्व है जो सभी प्राणियों के कल्याण के लिए होता है। भगवान बुद्ध ने अपने जीवनकाल में दान, सेवा और अहिंसा का मार्ग दिखाया। गांधी जी ने 'सर्वोदय' के सिद्धांत पर बल दिया और ग्रामीणों की सेवा और विकास के लिए जीवन भर काम किया। मदर टेरेसा ने भी गरीबों, बीमारों और जरूरतमंदों की सेवा करके मानवता की सेवा की।

रतन टाटा की तरह बिड़ला समूह , अजीम प्रेमजी, नंदन नीलकेणी, शिव नाडार जैसे सैकड़ों उद्योगपति परोपकार से जुड़े कार्यों के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपया दान देते हैं। भारत के कारोबारियों के डीएनए में 'समाज सेवा' है। टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया है। जमशेद जी के परोपकार के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद थे, जिसे अब उनकी तीसरी पीढ़ी भी निभा रही है।इसी तरह जिस फक्कड़ संन्यासी के आशीर्वाद से घनश्याम दास बिड़ला ने अपना उद्योग जमाया, उस संन्यासी के आशीर्वाद से ' करनी और बरनी' का काम आज भी बिड़ला समूह अपना रहा है। यह अपने धर्मार्थ कार्यों के माध्यम से भारत में समाज के

विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

जमशेदजी टाटा को यह प्रेरणा स्वामी विवेकानंद जी से ही प्राप्त हुई थी। शिकागो के सर्व धर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब वे दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात खली कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है।तब उन्होंने विचार किया कि इस काम में टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा उपयुक्त व्यक्ति होंगें और उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें एक पत्र लिखा।स्वामीजी ने टाटा को लिखा कि 'आप बिहार के जमशेदपुर से अच्छा पैसा कमा रहे हो। मेरी शुभकामना है कि और ज्यादा धन अर्जित करो और ज्यादा लोगों को रोजगार दो। लेकिन, विज्ञान की उच्चतर शिक्षा से वंचित दक्षिण भारत की भी थोड़ी चिंता करो और दक्षिण भारत में कहीं भी विज्ञान की ऊँची पढाई और रिसर्च का कोई बढ़िया संस्थान स्थापित करो। मैं जानता हूँ कि तुम यह कर सकते हो और विश्वास ही कि तुम ऐसा ही करोगे।' स्वामी विवेकानंद जी की इस प्रेरक चिट्ठी पढ़ने के बाद जमशेदजी इतने प्रेरित हुए कि उन्होंने बैंगलुरु में तत्काल ही एक विज्ञान का बढिया संस्थान शुरू कर दिया जो आज ' इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस ' के नाम से विश्व विख्यात हैं और जो प्रतिभाशाली बच्चे वैज्ञानिक बनाना चाहते है, या रिसर्च या अध्यापन कार्य में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे किसी भी आईआईटी में जाने से ज्यादा आईआईएस में जाना ज्यादा पसंद करते हैं।

महात्मा बुद्ध, गुरु नानक, और अन्य संतों ने भी परोपकार पर जोर दिया। मध्ययुगीन भारत में, राजाओं और धनिकों द्वारा अनेक धर्मार्थ संस्थानों की स्थापना की गई, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, और गरीबों की सहायता के लिए समर्पित थे। आपको हरेक गांव, कस्बे, शहर वगैरह में गैर सरकारी प्रयासों से चल स्कूल, कॉलेज, धर्मशालाएं, लंगर और प्याऊ वगैरह मिल जाते हैं।

स्वामी विवेकानंद ने 'दीन-दुखिया जन' के लिए सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। उनका मानना था कि सामाजिक सेवा ही सच्चा धर्म है। विवेकानंद ने सर्वधर्म समभाव और मानवतावाद का संदेश देते हुए, हर व्यक्ति के कल्याण के लिए काम किया। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो आज भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सेवाएं प्रदान करता है।

अभी कुछ दिन पहले शारदीय नवरात्र समाप्त हुए। इस दौरान देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के तमाम शहरों में भंडारे चलते रहे। आप कह सकते हैं इस दौरान भंडारों की बहार थी। सब भंडारे के प्रसाद को प्रसन्नता पूर्वक ग्रहण कर रहे थे। भंडारों में समाज वादी व्यवस्था वास्तव में बहुत प्रभावशाली होती है। भंडारों में प्रसाद के रूप में बंटते हैं छोले,कुलचे,हलवा,पूढ़ी-आलू, ब्रेड पकोड़ा आदि। कुछ भंडारों में खीर का प्रसाद भी वितरित होता है। देश की राजधानी दिल्ली भंडारों की भी राजधानी है। कहने वाले कहते हैं कि कैसेट किंग गुलशन कुमार ने भंडारा संस्कृति का पुनर्जागरण किया था। उन्होंने वैष्णो देवी में भंडारे का आयोजन शुरू किया था। तब दिल्ली वाले वैष्णो देवी में जाकर गुलशन कुमार की तरफ से चलने वाले भंडारे में भोग अवश्य लगाया करते थे। यहां से ही भंडारा संस्कृति न पैर जमाए थे।

भंडारे के प्रसाद की बात ही अलग होती है। इसका स्वाद अतुल्नीय होता है। ये भंडारे की महिमा ही मानी जाएगी। भंडारा अपने आप में जात-पात और वर्ग की दीवारों को तोड़ता है। इसमें सब प्रेम से प्रसाद लेते हैं। भंडारे का प्रसाद पूरे अनुशासन से लिया जाता है। कनॉट प्लेस में रोज हजारों लोग नवरात्रों के दौरान भंडारे का प्रसाद खाते हैं।जो भंडारा आयोजित करते हैं, वे या तो हनुमान मंदिर के आगे से प्रसाद खरीद कर बांट देते हैं या फिर खुद ही कहीं से बनवा कर लाते हैं। भंडारों की एक खास बात ये भी है कि इनसे प्रसाद हिन्दू, मुसलमान,सिख, ईसाई सब ग्रहण करते हैं।

साउथ दिल्ली के पिलंजी गांव में कुछ युवकों ने कुछ साल पहले 'बालाजी कुनबा' नाम से एक संगठन स्थापित किया। इसका मकसद है भूखों की भूख मिटाना। ये हर रोज एम्स, सफदरजंग अस्पताल, राम मनोहर लोहिया अस्पातल के आगे बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश वगैरह से रोगियों के साथ आए तीमारदारों को भरपेट भोजन करवाते हैं। कौन हैं बालाजी कुनबा के सदस्य? यह सब हनुमान जी के भक्त हैं। इनकी कारों पर हनुमानजी की तस्वीर वाला एक बैनर लगा होता है। जिस पर 'बालाजी कुनबा- एक परिवार भूख के खिलाफ' लिखा रहता है। भंडारे के लिए पैसे का जुगाड़ पिलंजी गांव के लोग ही करते हैं। यह अधिकतर गुर्जर समाज से संबंध रखते हैं। आप भंडारा संस्कृति को भी तो जन सेवा ही कहेंगे। क्या अब भी किसी को बताने की जरूरत है कि परोपकार औस समाज सेवा तो हरेक भारतीय के जीवन का हिस्सा है। यकीन मानिए आपको अमेरिका या यूरोप में कहीं कोई भंडारा नहीं मिलेगा। अब आप भारत और यूरोप अंतर को समझ गए होंगे।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

संबंधों में आई गर्माहट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता एशिया के लिए खुशखबरी है। दोनों नेताओं का वार्ता की मेज पर एक साथ बैठना रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन के लिए भी सुखद अनुभव था क्योंकि रूस के लिए भी जरूरी है कि उसे अमेरिका और पश्चिमी देशों से मिल रही सैनिक और आर्थिक चुनौती का सामना करने के लिए उसके सहयोगी देशों भारत और चीन के बीच टकराव न हो। मोदी और जिनपिंग के बीच पांच साल बाद हुई आमने-सामने वार्ता से द्विपक्षीय संबंधों में आईजड़ता टूटी है। अब यह विदेश मंत्री एस. जयशंकर एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन की ओर से विदेश मंत्री वांग यी की जिम्मेदारी है कि वे दोनों शीर्ष नेताओं के बीच तय हुए एजेंड़ा को आगे बढ़ाएं। जाहिराना तौर पर अमेरिका और पश्चिमी देश भारत और चीन के बीच संवाद प्रक्रिया शुरू होने से खुश नहीं होंगे। आने वाले दिनों में उनका प्रयास होगा कि वे विभिन्न माध्यमों से इस संपर्क में गतिरोध पैदा करें। इसके लिए मीड़िया और थिंकटैंक के जरिए

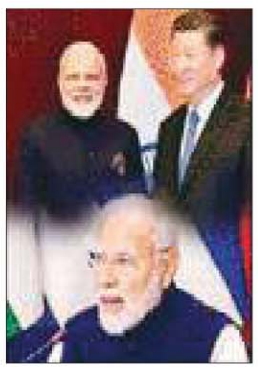

अविश्वास का वातावरण बनाया जाएगा। भारत और चीन के बीच अविश्वास लंबे समय से जारी है। लेकिन दोनों देशों के नेताओं के सामने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर ऐसी चुनौतियां दरपेश हैं कि वे एक दूसरे के प्रति विरोधी रवैया नहीं अपना सकते। दोनों देशों के आर्थिक हित भी जुड़े. हुए हैं। भारत और चीन की अर्थव्यवस्था एक दूसरे से कितनी जुड़ी हुई है, इसका संकेत चीन से भारत को होने वाले निर्यात से पता चलता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार वर्ष 2022 में चीन से भारत में निर्यात 120 अरब ड़ॉलर था। भारत का औषधि उद्योग चीन से आने वाले कच्चे माल पर निर्भर है। दूसरी ओर, भारत भी दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। ऐसे में चीन ही नहीं दुनिया का कोई भी देश भारत की अनदेखी नहीं कर सकता। पिछले वर्ष गोवा में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक में ही संकेत मिल गए थे कि भारत के प्रति चीन का रुख नरम पड़ रहा है। पूर्वी लद्दाख में चीन ने अपनी सेनाओं की वापसी और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पुरानी स्थिति बहाल करने के बारे में जो फैसला किया है उससे स्पष्ट है कि सीमा क्षेत्र में शांति कायम करने के लिए चीन ने अपनी मोहर लगाई है।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शाछ्वाह में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

दोस्ती का वादा- आखिर क्या है चीन का इरादा...?

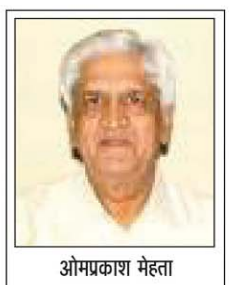

ओमप्रकाश मेहता

पिछले छः दशक से भी अधिक समय से जिसका धोखाधड़ी का इतिहास रहा हो, वह हमारा 'प्रिय' पड़ौसी चीन अब फिर एक बार स्वांग बदलकर हमारे सामने आ रहा है, उसका अब तक का इतिहास रहा है कि वह मुसीबत में होता है, तभी उसे अपने पड़ौसी भारत की याद आती है, आज भी जब वह पूरे विश्व में अलग-थलग पड़ गया है, विश्व के कई देशों ने उससे आर्थिक सहित सभी तरह के सम्बंध खत्म कर लिए तब उसे भारत की याद आई और क्रत्रिम मुस्कुराहट के साथ वह हमारे सामने आ गया और कई बार ठोंकर खाकर चोटिल हो चुके हमारे नेता फिर उसकी मुस्कुराहट पर फिदा होकर अपना सबसे अच्छा दोस्त मान रहे है, अब उन्हें यह कौन समझाए कि यह मुस्कुराहट भरी दोस्ती सिर्फ और सिर्फ अवसरवादी है, चीन की अपनी गरज पूरी होने के बाद फिर वह हमारे सामने 'रावण' के रूप में खड़ा नजर आएगा।

यहां सबसे अहम् बात हमारे बैचारे भोले नेताओं के समझने के लिए यह है कि भारत की आजादी के कुछ बरसों बाद से ही चीन हमारे लिए एक बड़ा 'सिरदर्द' बना हुआ है, वह भारत की लाखों एकड़ जमीन पर कब्जा करना चाहता है, प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी तक के लिए वह सीमावर्ती समस्याएं पैदा कर आंखें दिखाता रहा है, क्या यह सब इतिहास हमारे भोले-भाले नेताओं को पता नही है? जो आज उसकी क्रत्रिम मुस्कुराहट के दीवानें हो रहे है, क्या चीन कभी किसी का भी सगा हुआ है, जो आज होगा? ये सब भारत हितैषी महत्वपूर्ण तथ्य है, जो हमारे देश के हर भाग्यविधाता नेता को पता है, फिर भी हम उसकी मुस्कुराहट भरी मुद्रा के सामने अपने हाथ आगे बढ़ा रहे है, ऐसे समय तो हमें पूरी सतर्कता से सावधानी बरतनी चाहिए यह सही है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी विश्व शांति की मशाल थामकर इस अभियान के अगुवा बने हुए है, लेकिन उन्हें इस समय भावना में बहकर कोई कदम नही उठाना चाहिए, बल्कि कूटनीतिज्ञ सोच का परिचय देकर भारत के भविष्य के बारें में फैसला लेना चाहिए और इसके लिए अकेले चीन ही नही विश्व के अन्य वे देश जो भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे है, उन सब का पूर्व इतिहास ध्यान में रखकर कदम आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि हमने भावुक होकर भोलेपन में कोई कूटनीति कदम उठा लिया तो फिर हमें पछताना भी पड़ सकता है और इसके लिए यही समय एक दम सही है, जब चीन के साथ कई देश अपनी गरज के लिए हमसे सहयोग का हाथ मांग रहे है।

आज इसी कारण अकेले भारत के ही जागरूक नागरिकों की नहीं पूरे विश्व के भारत हितैषी देशों व वहां रह रहे भारतवंशियों की हम पर नजर है और उन्हें हमारी सरकार से उम्मीद है कि हम अपना विगत पूरी तरह ध्यान में रखकर देश व देशवासियों के हित में कोई महत्वपूर्ण दीर्घकालिक फैसला लेगें।

....तो आईयें हम मोदी जी से कामना करें कि वे हमारे पड़ौसी चीन जैसे अन्य पड़ौसी देशों की भी नब्ज टटोल कर भारत के दीर्घकालीन हित के बारे में कोई महत्वपूर्ण फैसला लेगें, आज पूरे भारत को इसी का इंतजार है।

कॉमनवेल्थ गेम्स : कटौती नहीं कम खर्चीला हो आयोजन

मनोज चतुर्वेदी

ग्लास्गो में 2026 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की पदक जीतने की संभावनाओं को करारा झटका लगने का समाचार आजकल चर्चा में है। इसकी वजह विक्टोरिया के बढ़ते आयोजन खर्च की वजह से आयोजन से इंकार करने पर ग्लास्गो को आखिरी समय में आयोजन का भार सौंपा जाने पर उसका सीमित मात्रा में ही खेलों को आयोजित करने को तैयार होना है। अब सवाल है कि कॉमनवेल्थ गेम्स हों या ओलंपिक और एशियाई खेल, इनका स्वरूप हर आने वाले आयोजन के दौरान इतना बढ़ता जा रहा है कि देश इन आयाजनों से पीछे हटते जा रहे हैं। ग्लास्गो इन खेलों को आयोजित करने को राजी तो हुआ लेकिन उसने खेलों की संख्या सीमित करने के अलावा इन्हें चार स्टेड़ियमों में ही आयोजित करने का फैसला किया है। ऐसा करने से खेलों की सुरक्षा पर कम खर्च होगा। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के रहने के लिए खेल गांव जैसी कोई सुविधा विकसित करने की बजाय उन्हें होटलों में टिकाया जाएगा। इससे भी बड़ी बचत होगी।

विकटोरिया को 2023 में आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी पर उनके हटने से उन्हें कॉमनवेल्थ गेम्स फेड़रेशन को 38 करोड़.ड़ॉलर का हजार्ना देना होगा। फेड़रेशन ने अब तक ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स की आयोजन समिति को 20 करोड़. डॉलर दिए हैं। इसलिए आयोजन समिति कम से कम खर्च में यह आयोजन करना चाहती है। पहले इन खेलों की तारीखों का टकराव फुटबॉल विश्व कप की तारीखों से हुआ था, इस कारण इसे 23 जुलाई से दो अगस्त तक कर दिया गया था। इन खेलों में हॉकी को शामिल नहीं करना खलने वाला शायद ही हो क्योंकि इसके तत्काल बाद विश्व कप हॉकी का नीदरलैंड़ और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक होना है। इस स्थिति में कोई भी मजबूत टीम अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं भेजती। असल में बहुराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन इतना खचीर्ला होता जा रहा है कि भाग लेने वाले आधे से ज्यादा देशों की तो ऐसी आर्थिक हालत है कि वे भाग लेने में ही मुश्किल महसूस करते हैं तो आयोजन की जिम्मेदारी उठाने का तो सवाल ही कहां है। यह स्थिति अभी ओलंपिक और एशियाई खेलों के आयोजन में तो नहीं दिखी है। पर इन खेलों के आयोजक भी खर्चे कम करने के तरीका तलाशते तो रहते हैं।

खेल आयोजनों को आर्थिक समस्या से बचाने के कई तरीके हो सकते हैं। इनमें सबसे प्रमुख भाग लेने वाले खिलाड़ियों और अधिकारियों की संख्या में कमी लाना हो सकता है। पर इसका समाधान खेलों की संख्या में कमी करके किया जा सकता है। पर हम यदि खिलाड़ियों की संख्या को कम करते हैं तो इन खेलों के मूल मकसद से हटते दिखते हैं।

असल में कई देशों के खिलाड़ी पदक जीतने की बजाय भाग लेने के मकसद से ही इन खेलों में आते हैं। वैसे भी इस तरह के किसी भी खेल में आधे से कम देश ही पदक जीत पाते हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो खेलों की संख्या में कमी करना सही फैसला नहीं हो सकता है। ओलंपिक, एशियाई खेल और कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे आयोजनों का बेहद खचीर्ला होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस समस्या से निपटने के लिए इन खेलों को दो हिस्सों-इंड़ोर और आउटड़ोर-में बांटा जा सकता है। ऐसा करने से आयोजन खर्चों को दो में बांटा जा सकेगा और खेलों में भी किसी तरह की कटौती नहीं करनी पड़ेगी। इस स्थिति में ज्यादा आयोजक सामने आ सकते हैं। इस स्थिति में विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों को इनमें भाग नहीं ले पाने का मलाल भी नहीं रहेगा। असल में इन खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी अपने देश की प्रतिष्ठा ही नहीं बढ़ाते हैं बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति भी मजबूत करते हैं। इसकी वजह उन्हें देश के लिए पदक जीतने पर लाखों रुपये का इनाम मिलता है। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में नौ प्रमुख खेलों के हटाए जाने का नतीजा हम भारतीय आसानी से समझ सकते हैं। हम यदि बमिंघम हुए पिछले खेलों में भारत द्वारा जीते 61 पदकों में से हटाए गए खेलों के पदकों को कम करें तो पदक संख्या 24 ही रह जाती है।

इससे पहले बमिंघम खेलों में निशानेबाजी और तीरंदाजी को बाहर करके भारतीय संभावनाओं को पहले ही झटका दे दिया गया था। हम यदि 2026 में शामिल किए गए खेलों पर नजर ड़ालें तो सिर्फ एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, बाउल्स और वेटलिफ्टिंग ही ऐसे खेल नजर आते हैं, जिनमें भारत पदक जीतने की संभावनाएं रखता है। पिछले खेलों में इन स्पधाओं में भारत ने आठ स्वर्ण सहित 27 पदक जीते थे। इसमें कोई दो राय नहीं कि कई प्रमुख खेलों को हटाने से भारत की पदक संभावनाओं को झटका लगना लाजिमी है। पर भारत के पास इस बात का मौका है कि वह एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, वेटफिफ्टिंग, तैराकी और साइक्लिंग की तैयारियों पर अगले दो साल पूरा जोर लगा सकता है। इस तरह वह यदि इन खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहंचता है तो इससे भारतीय खेलों को बहुत लाभ मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

केजीएफ 3 को लेकर यश ने साझा की अपडेट

दक्षिण भारतीय अभिनेता यश को प्रशांत नील द्वारा निर्देशित एक्शन हिट फिल्म 'केजीएफ' में अपने प्रदर्शन के लिए बहुत प्यार और सराहना मिली। प्रशंसक इस फ्रेंचाइजी के बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'केजीएफ 3' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक हालिया साक्षात्कार में, यश ने साझा किया कि 'केजीएफ 3' निश्चित रूप से बनेगी, जिसमें वह 'रॉकी भाई' की भूमिका में नजर आएंगे।

'केजीएफ 3' को लेकर कही ये बात

हाल ही में एक बातचीत में, यश ने पुष्टि की कि वह तीसरे भाग को बनाने के लिए प्रशांत के साथ चर्चा कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने खुलासा किया कि वह वर्तमान में गीतू मोहनदास की 'टॉक्सिक' की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'मैं वादा करता हूं, हम इसके बारे में बात करते रहेंगे। हमारे पास एक आईडिया है। इसलिए इसे वास्तव में हमारे फोकस की आवश्यकता है।'

'केजीएफ 3' को बेहतर बनाने की कोशिश

रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने यह भी कहा निर्माता यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि फिल्म प्रशंसकों और दर्शकों की अपेक्षाओं को पूरा करे, क्योंकि चरित्र और फिल्म दोनों को बहुत प्यार मिला है। इस बार हम कुछ बड़ा लेकर आएंगे।
'केजीएफ : चैप्टर 2' भारत की सबसे सफल फिल्मों में से एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में एक चैट में, यश ने पुष्टि की कि वह रणबीर कपूर अभिनीत 'रामायण' में रावण की भूमिका निभाने को लेकर इच्छा जाहिर की है। हालांकि, इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।
'केजीएफ : चैप्टर 2' हिंदी क्षेत्र सहित भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। फिल्म में अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी भी मुख्य भूमिका में थीं।

नायरा बनर्जी

आगामी शो 'चेकमेट' के लिए तैयार

'दिव्य दृष्टि' और 'जुबान संभालकर' जैसे टेलीविजन शो में काम कर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री नायरा बनर्जी ने साझा किया कि उनके अपकमिंग शो में उनका किरदार उनसे काफी मिलता-जुलता है। नायरा बनर्जी तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में कई सफल शो देने के बाद अब अपने आगामी शो 'चेकमेट' के लिए तैयार हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने शो में आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की और कई खुलासे किए। शो रहस्यमय हत्याओं, रोंगटे खड़े कर देने वाले अपराधों और सस्पेंस से भरा है। शो में वह मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसमें उनके किरदार का नाम नीलम है। उनका किरदार शो में पति शेखर के साथ घुटन भरे विवाह के बंधन में फंस जाता है। अभिनेत्री ने बताया कि शेखर काफी रहस्यमयी व्यक्ति हैं। नाखुश शादी के इस जाल से बाहर आने का संघर्ष, उनका लचीलापन, ताकत और शक्ति ही शो का सार है। शो के बारे में बात करते हुए नायरा ने कहा 'मेरा मानना है कि यह शो अपने आप में बहुत अच्छी तरह से शूट किया गया है। आज की दुनिया में इस तरह की धोखाधड़ी हमारे समाज में बहुत आम है, लेकिन हम कभी-कभी इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दे पाते हैं या बात नहीं कर पाते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वास्तव में इस शो के किरदार ने मुझे इस भूमिका को जीवंत बनाने का मौका दिया। दर्शक देख सकते हैं कि शो हर एपिसोड के साथ अपने रहस्य को कैसे उजागर करता है। उन्होंने कहा 'हमें यह सुनिश्चित करने और सीन को सही तरह से करने के लिए कई बातों का ध्यान रखना पड़ा। इन चुनौतियों के बावजूद, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि परिणाम असाधारण रूप से शानदार रहे।' नायरा ने शो को फिल्माने के दौरान अपने सबसे कठिन शॉट को साझा करते हुए कहा 'मेरा मानना है कि एक रहस्य ड्रामा को फिल्माना अपनी अनूठी चुनौतियों के साथ आता है, क्योंकि दर्शकों के लिए एक रोमांचक और रहस्यपूर्ण अनुभव बनाना हमारी जिम्मेदारी है। सबसे कठिन सीन के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि इनमें से सबसे कठिन हत्या का प्रयास वाला सीन था। शो में नायरा बनर्जी के साथ शालीन मल्होत्रा, रोहित खंडेलवाल और अरफीन अल्वी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

उर्मिला और मोहसिन अख्तर का रिश्ता टूटने के कगार पर

बालीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर और उनके पति मोहसिन अख्तर का रिश्ता टूटने के कगार पर है। यह कपल शादी के आठ साल बाद तलाक लेने की योजना बना रहा है। तलाक की खबरों के बीच, उर्मिला मातोंडकर को 21 अक्टूबर को एक इवेंट में पहली बार पब्लिक प्लेस पर देखा गया। इस दौरान उन्होंने पर्पल लॉन्ग स्कर्ट पहनी थी, जिसे गोल्डन ब्लाउज और स्टडेड जैकेट के साथ स्टाइल किया था। उर्मिला इस मौके पर अपनी शादी की अंगूठी नहीं पहनने के लिए चर्चा में रही, लेकिन उन्होंने वहां मौजूद मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। सूत्रों के अनुसार, उर्मिला ने लगभग पांच महीने पहले तलाक के लिए अर्जी दी थी। पिछले कुछ समय से, दोनों अलग रह रहे हैं और एक साथ नहीं रह रहे हैं। हालांकि, दोनों के अलग होने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि यह तलाक आपसी सहमति से नहीं हो रहा है। सूत्र ने कहा, सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, उर्मिला ने मोहसिन अख्तर के साथ अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया है। वह पहले ही कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल कर चुकी हैं। हालांकि, अलग होने के पीछे का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन यह म्यूच्युल नहीं है। उर्मिला मातोंडकर और मोहसिन अख्तर ने 3 मार्च, 2016 को शादी की थी, जो एक इंटर-फेथ मैरिज थी। उनकी शादी को हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। बावजूद इसके, उर्मिला और मोहसिन ने अपने प्यार को साबित करते हुए अपनी शादी को बेहद सम्मान के साथ निभाया। हालांकि, इस समय दोनों के बीच तलाक की प्रक्रिया चल रही है, और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही वे इस पर कोई आधिकारिक स्टेटमेंट जारी करेंगे। उर्मिला के फैंस इस स्थिति को लेकर चिंतित हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक होगा।

अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' में शामिल हुईं वामिका गब्बी?

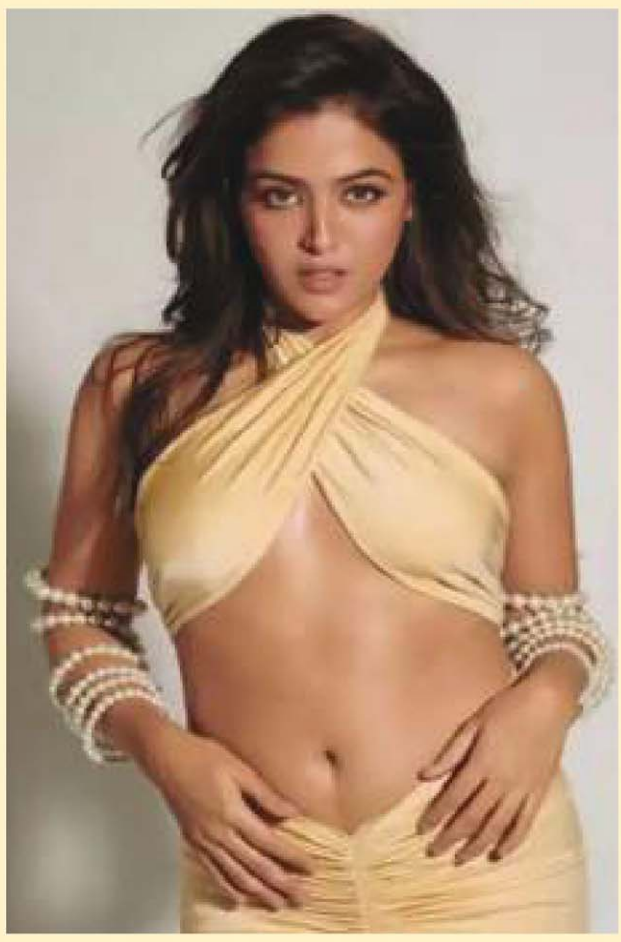

अक्षय कुमार ने अपने जन्मदिन पर हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' की घोषणा करके अपने प्रशंसकों को खुश किया। अभिनेता ने एक मोशन पोस्टर भी साझा किया जिसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वहीं, अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अभिनेत्री वामिका गब्बी फिल्म की टीम में शामिल हो गई हैं।

वामिका गिब्बी हुईं शामिल

फिल्म की नायिका के साथ साथ इसकी शूटिंग के बारे में भी दिलचस्प जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वामिका ने डिजिटल दुनिया में अपने काम से सभी को प्रभावित किया है और अब वह बेबी जॉन और भूत बंगला जैसी फिल्मों के साथ थिएटर मीडियम पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने डॉटेड लाइन्स साइन कर ली हैं और भूत बंगला में उनकी भूमिका दमदार है, जो सिनेमा देखने वाले दर्शकों के बीच हंसी का माहौल पैदा करेगी।'

फिल्म के कलाकार

दावा किया गया कि अक्षय और वामिका 'भूत बंगला' में एक अनोखी भूमिका में नजर आएंगे और इस बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी गई है। बताया गया है कि वामिका के अलावा फिल्म में दो और महिला कलाकार होंगी। यह हॉरर तत्वों से भरपूर एक कॉमिक कैपर है, जिसमें एक ही घर में तीन लड़कियां हैं। साथ ही परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी जैसे पागल कलाकारों की टोली भी है। भूत बंगला के लिए और कास्टिंग चल रही है।

फिल्म का पहला पोस्टर

9 सितंबर को अक्षय कुमार ने मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा था, 'साल दर साल मेरे जन्मदिन पर आपके प्यार के लिए धन्यवाद। इस साल का जश्न 'भूत बंगला' के पहले लुक के साथ मना रहा हूं। मैं 14 साल बाद फिर से प्रियदर्शन के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। यह ड्रीम कोलेबोरेशन लंबे समय से आ रहा था। इस अविश्वसनीय यात्रा को आप सभी के साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। जादू के लिए बने रहें।' लुक में अक्षय कुमार दूध पीते हुए दिखाई दे रहे थे, जबकि एक काली बिल्ली उनके कंधे पर बैठी थी।

फिल्म की शूटिंग

इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि इसमें काला जादू होगा, जिसमें अक्षय तीन अभिनेत्रियां के साथ काम करेंगे। फिल्म का ज्यादातर हिस्सा हैदराबाद, केरल के एक जंगल, श्रीलंका में शूट किया जाएगा। चर्चा यह भी है कि फिल्म में कियारा आडवाणी, कीर्ति सुरेश और आलिया भट्ट हो सकती हैं।

अनिल कपूर का एक फैसला बना चर्चा का विषय

हाल ही में अभिनेता अनिल कपूर को एक पान मसाला के विज्ञापन के लिए 10 करोड़ रुपये का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। उनका यह फैसला उनके फैंस और फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना दिया है। जानकारी के अनुसार, अनिल कपूर ने इस विज्ञापन को अस्वीकार करने का निर्णय अपने फैंस और दर्शकों की सेहत को ध्यान में रखते हुए लिया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे उत्पादों का प्रमोशन नहीं करना चाहते हैं, जो उनके दर्शकों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। अनिल कपूर ने हमेशा एक हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा दिया है और उनकी प्राथमिकता अपने फैंस के स्वास्थ्य की सुरक्षा है। अनिल कपूर के इस निर्णय ने उन्हें और भी ज्यादा सम्मानित बना दिया है। उनके फैंस उन्हें सराह रहे हैं और उनकी सोच को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। अनिल कपूर का यह कदम यह दर्शाता है कि वे पैसों से ज्यादा अपने सिद्धांतों को महत्व देते हैं।

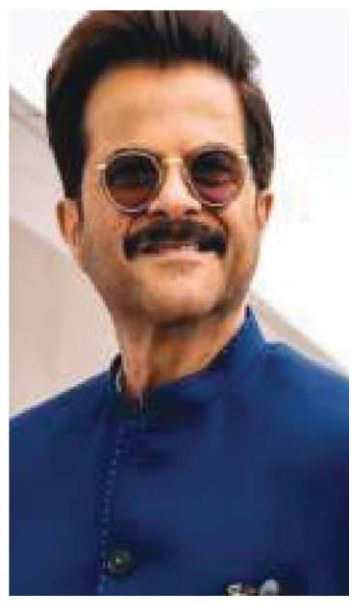

यह बात न केवल अनिल कपूर के फैंस के लिए, बल्कि उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणा है जो अपने स्वास्थ्य और जीवनशैली को लेकर लापरवाह हैं। इसी क्रम में, आर माधवन का नाम भी चर्चा में आया है। उन्होंने इसी साल अगस्त में एक पान मसाला ब्रांड के लिए एंबेसडर बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था। माधवन ने अपने फैंस के प्रति ईमानदारी बरतते हुए इस ऑफर को अस्वीकार किया, जो उनकी जिम्मेदारी को दर्शाता है। अनिल कपूर और आर माधवन के इस कदम से यह स्पष्ट होता है कि बॉलीवुड में कुछ सितारे अपने दर्शकों की भलाई को प्राथमिकता देते हैं। उनका यह निर्णय एक सकारात्मक संदेश है, जो अन्य सितारों को भी प्रेरित कर सकता है।

कार्तिक आर्यन ने फिल्मी सफर को लेकर किए कई खुलासे

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में कार्तिक रूह बाबा के किरदार में नजर आएंगे। इसी बाच एक इंटरव्यू के दौरान कार्तिक ने बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए कहा कि किसी ने भी उन्हें कभी 500 करोड़ रुपये कमाने वाला निर्देशक नहीं दिया, लेकिन वह इससे संतुष्ट हैं।

कार्तिक आर्यन ने अपने फिल्मी करियर को लेकर कही खास बातें

अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी काबिलियत साबित की है। हाल ही में, कार्तिक ने अपने फिल्मी सफर पर खुलासा किया कि उन्हें कुछ भी नहीं दिया गया और उन्हें अपना रास्ता खुद बनाना पड़ा। उन्होंने कहा, 卐किसी ने मुझे 500 करोड़ रुपये का निर्देशक नहीं दिलाया, क्योंकि उन्होंने डेब्यू डायरेक्टर्स के साथ काम किया है।'

क्या कभी फिल्मों को लेकर बनाया गया दबाव?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब कार्तिक से पूछा गया कि क्या कभी उनपर स्त्री 2 और एनिमल के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और सफलता को लेकर उनके ऊपर दबाव बनाया गया। इस पर कार्तिक ने कहा, 卐इसके पीछे पूरी मैथ है, जैसे कि टीम क्या है, उनकी पिछली फिल्म कौन सी थी, उनकी अगली फिल्म कौन सी है, दर्शक किसे देखने आ रहे हैं? क्या यह साल की सबसे बड़ी तारीख है, क्या इस दौड़ में कई छुट्टियां हैं? कई तरह के कैलकुलेशन हैं, जिन पर आप और साथ ही इंडस्ट्री भी गौर कर रही है, जब ये चीजें अच्छी तरह से कैलकुलेट हो जाती हैं, तो आप पर इसका दबाव नहीं होता।'

उन्हें अपने अवसर खुद बनाने पड़े

अपने करियर के बारे में बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने बताया कि उन्हें कभी भी थाली में परोसी गई कोई चीज नहीं मिली। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने अवसर खुद बनाने पड़े और बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी, तो उन्हें 500 करोड़ रुपये की फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक के साथ काम करने का फायदा नहीं मिला। इसके बजाय उन्होंने डेब्यू डायरेक्टर्स के साथ काम किया था।

मैंने किया है डेब्यू निर्देशकों के साथ काम

कार्तिक ने कहा, 'मेरे सफर में, मुझे कभी भी कुछ नहीं मिला। मुझे खुद सबकुछ संभालना पड़ा, कोई भी मेरे पास ऑफर लेकर नहीं आया, जब मैंने शुरुआत की थी, तो किसी ने मुझे 500 करोड़ रुपये का निर्देशक नहीं दिया, मैंने सभी डेब्यू निर्देशकों के साथ काम किया।'

भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे

कार्तिक ने माना कि वह बहुत भाग्यशाली नहीं रहे हैं, लेकिन उन्हें पता है कि उनके विकास की संभावना कहां है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह किसी से कोई तुलना या शिकायत नहीं कर रहे हैं, बल्कि उन्होंने कहा कि वे अपनी आने वाली स्थिति से संतुष्ट हैं। कार्तिक ने बताया कि जब वह

पहली बार मुंबई शहर में आए थे, तो उन्हें लगभग कुछ नहीं माना जाता था, लेकिन अब उन्हें पूरे देश में पहचान मिली, जिसे वह आभारी मानते हैं। काम के मोर्चे की बात करें तो कार्तिक जल्द ही इस दिवाली पर भूल भुलैया 3 में तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के साथ हॉरर-कॉमेडी का तड़का लगाते नजर आएंगे।

पुणे टेस्ट : स्पिनरों की चुनौती का सामना नहीं कर सका भारत, न्यूजीलैंड को 301 रन की बढत

पुणे (एजेंसी)। बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी कलाई खुल गई और दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को न्यूजीलैंड ने 301 रन की मजबूत बढत बना ली। मिचेल सेंटनेर के सात विकेट के बाद टॉम लाथम (86) ने बल्ले से कमाल करते हुए न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 198 रन तक पहुंचाया।

न्यूजीलैंड को पहली पारी में 103 रन की बढत मिली थी। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर टॉम ब्लंडेल 30 और ग्लेन फिलिप्स सात रन बनाकर खेल रहे थे। भारत के लिये एकमात्र अच्छी बात वॉशिंगटन सुंदर का प्रदर्शन रही जिन्होंने मैच में 11 विकेट ले लिये हैं।

न्यूजीलैंड की नजरें भारत में सीरीज में ऐतिहासिक जीत पर लगी है। पहली बार न्यूजीलैंड ने 1955 . 56 के दौरे पर यहां श्रृंखला जीती थी। भारतीय बल्लेबाजों को इस पिच पर खेलने में दिक्कत आ रही थी लेकिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने आराम से खेला।

बेंगलुरू में पिछले टेस्ट में घरेलू मैच में अपने न्यूनतम स्कोर 46 रन पर सिमटने वाली भारतीय टीम न्यूजीलैंड से 36 साल में पहली बार अपने देश में टेस्ट हारी थी। भारत ने इंग्लैंड से 2012 . 13 सत्र में हारने के बाद अपनी सरजमीं पर टेस्ट श्रृंखला नहीं गंवाई है। भारतीय टीम पहली पारी में 45 . 3 ओवर में 156 रन पर आउट हो गई। भारत ने सुबह के सत्र में छह विकेट 91 रन के भीतर गंवाये और ऐसा लग रहा था कि इस पिच पर बल्लेबाजी मुश्किल है लेकिन कीवी टीम ने इस धारणा को बदल दिया।

कप्तान लाथम ने भारतीय स्पिनरों को आसानी से खेला। वह 133 गेंद में दस चौकों की मदद से 86 रन बनाकर आउट हुए। भारत के लिये सुंदर ने पहली पारी में सात विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में चार विकेट चटकाये। न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सेंटनेर ने 53 रन देकर सात विकेट झटककर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे यहां एमसीए स्टेडियम में भारतीय टीम पहली पारी में 156 रन पर सिमट गई।

भारत के सितारा बल्लेबाज सेंटनेर से मिली चुनौती का सामना नहीं कर सके जिससे न्यूजीलैंड ने मेजबान टीम को पहली पारी में 45 . 3 ओवर में 156 रन पर आउट करके 103 रन की बढत ले ली। बायें हाथ के स्पिनर सेंटनेर ने 19 . 3 ओवर में 53 रन देकर सात विकेट लिये जबकि आफ स्पिनर ग्लेन फिलिप्स को दो विकेट मिले।

शुभमन गिल (30) और यशस्वी जायसवाल (30) ने दूसरे विकेट के लिये 49 रन जोड़े लेकिन इसके बाद छह विकेट 53 रन के भीतर गिर गए। लंच के समय स्कोर सात विकेट पर 107 रन था। लंच के बाद सेंटनेर ने रविंद्र जडेजा, आकाश दीप और जसप्रीत बुमराह को आउट किया।

लंच तक भारत के सात विकेट 107 रन पर गिर गए। तब भारतीय टीम न्यूजीलैंड के पहली पारी के स्कोर 259 रन से 152 रन पीछे थी। बेंगलुरू टेस्ट में जहां तेज और सीम लेती गेंदों के दम पर न्यूजीलैंड ने 36 साल में पहली बार भारत को उसकी धरती पर टेस्ट में हराया तो यहां सुबह के सत्र में स्पिनर भारतीय बल्लेबाजों की परेशानी का सबब बने। नीची और टर्न लेती विकेट पर भारतीय बल्लेबाजों ने कई गलतियां की।

एक विकेट पर 16 रन से आगे भारत ने सुबह के सत्र में 91 रन के भीतर छह विकेट गंवा दिये। सबसे बड़ा झटका 24वें ओवर में लगा जब सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली को मिचेल सेंटनेर ने फुलटॉस पर क्लीन बोल्ड कर दिया। सेंटनेर ने 36 रन देकर चार विकेट लिये। विकेट पर पड़ती फुलटॉस गेंद पर कोहली बुरी

तरह चूके और गेंद सीधे मध्य और लेग स्टम्प पर जा लगी।

कोहली के साथ मैदान पर बैठे दर्शकों को भी एकबारगी यकीन नहीं हुआ कि क्या हो गया है। कोहली पवेलियन लौट रहे थे तो एमसीए स्टेडियम पर पूरा सन्नाटा था। यशस्वी जायसवाल ने चार चौकों की मदद से 30 रन बनाये लेकिन ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर पहली स्लिप में कैच दे बैठे। ऋषभ पंत (18) उछाल को समझ नहीं पाये और फिलिप्स की गेंद उनके आफ स्टम्प में जा लगी।

भारत का स्कोर इस समय पांच विकेट पर 83 रन था। ईरानी कप में 220 नाबाद और पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 150 रन बनाने वाले सरफराज खान (11) विलियम ओ राउरकी की गेंद पर खराब शॉट खेलकर सेंटनेर को मिड आफ में आसान कैच देकर लौटे। सेंटनेर ने शुभमन गिल (30) को पहला शिकार बनाया था। वहीं लंच से पहले रविचंद्रन अश्विन (चार) को पवेलियन भेजा।

टेस्ट खेलने का सपना छोड़ना युवा मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा: ग्लेन मैक्सवेल

पेरिस (एजेंसी)। नयी दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों की क्रिकेट के स्टार ग्लेन मैक्सवेल ने भले ही सात साल से 'बैगी ग्रीन' नहीं पहनी हो, लेकिन इस 36 साल के खिलाड़ी ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में खेलने की लालसा अब भी उनके अंदर है और अगर वह अपने इस सपने को त्याग देते हैं तो यह उस युवा मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा जिसने लंबे प्रारूप में खेलने का सपना देखा था। मैक्सवेल ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में अपनी विशेष छाप छोड़ी है लेकिन वह अभी तक केवल सात टेस्ट मैच भी खेल पाए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट में 2017 में ऑस्ट्रेलिया के बांग्लादेश दौरे के दौरान खेला था।

मैक्सवेल ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा,'' मेरा मानना है कि अगर मैंने टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना छोड़ दिया तो यह उस युवा ग्लेन मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा जिसने बचपन से ही किसी भी कीमत पर बैगी ग्रीन कैप पहनने का सपना देखा था।'' उन्होंने कहा,''जब अब भी उम्मीद की किरण बनी हुई है, तो मैं यह सपना देखता रहूंगा।''

मैक्सवेल का भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला में टीम में जगह बनाना मुश्किल है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि जनवरी में श्रीलंका के दौरे के लिए वह टेस्ट टीम में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''जब मैं बड़ा हुआ तो टेस्ट क्रिकेट में ही खेलना चाहता था। मेरा मानना है कि मुझे टेस्ट क्रिकेट में समय से थोड़ा पहले पदार्पण का मौका मिला। यह सब कुछ बहुत जल्दी हुआ और मैं नहीं जानता था कि मुझे क्या करना है। मुझे तब प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलने का उतना अनुभव नहीं था जितना कि मैं चाहता था।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर रहेंगे चोटिल टेम्बा बावुमा

ढाका (एजेंसी)। कोहनी की चोट से उबरने के कारण टेम्बा बावुमा बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बावुमा की अनुपस्थिति में एडेन मार्कराम सीरीज में टीम की अगुआई करते रहेंगे। बावुमा का लक्ष्य अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए फिट होना है। इस महीने की शुरुआत में आयरलैंड के खिलाफ वनडे मैच में रन पूरा करने के दौरान अजीब तरह से गिरने के कारण बावुमा की कोहनी में चोट लग गई थी। वह मैच में 35 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर मैदान पर नहीं लौटे। यह वही कोहनी है जो 2022 में भारत के टी20 दौरे के दौरान चोटिल हुई थी।

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, 'हमें लगता है कि वह चिकित्सकीय रूप से दूसरे टेस्ट के लिए तैयार नहीं हैं। हम (पुनर्वास) कार्यक्रम को कम करेंगे ताकि वह श्रीलंकाई सीरीज के लिए तैयार हो सकें।' बावुमा के इस सीरीज में आगे हिस्सा न लेने के कारण यह अभी भी अनिश्चित है कि वह ढाका में टीम के साथ रहेंगे या अपने पुनर्वास को जारी रखने और श्रीलंका सीरीज की तैयारी के लिए स्वदेश लौटेंगे। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू प्रथम श्रेणी सत्र बुधवार से शुरू हो रहा है, जिससे बावुमा को 27 नवंबर को किंग्समीड में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले तीन मैचों में खेलने का मौका मिलेगा।

सिर्फ एक ही भारतीय गेंदबाज से डर रही न्यूजीलैंड टीम- सबा करीम का बड़ा कमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर सबा करीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे पुणे टेस्ट के दौरान भारत की गेंदबाजी लाइनअप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले वाशिंगटन सुंदर की प्रशंसा की। बेंगलुरु टेस्ट में हारने के बाद भारतीय टीम पुणे टेस्ट में भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी विभागों में जूझ रही है। हालांकि इस दौरान सिर्फ वाशिंगटन सुंदर ही ऐसे हैं जोकि हटकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वह अब तक दो पारियों में 11 विकेट ले चुके हैं।

बहरहाल, सुंदर की गेंदबाजी तारीफ करते हुए पूर्व क्रिकेटर सबा करीम ने कहा कि उसका (सुंदर) प्रयास वास्तव में अच्छा है...मुझे लगता है कि वह बल्लेबाजों को हराने के लिए उन्हें तेजी से धोखा दे रहा है। ऐसा लगता है कि केवल वाशिंगटन सुंदर ही एकमात्र गेंदबाज थे,

जिनसे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डरते थे, क्योंकि ऊंचाई एक बड़ा कारक है। वह गति पैदा करते हैं और उछाल लेने में भी सक्षम हैं। शायद यही कारण है कि उन्हें टीम में शामिल किया गया है। उन्हें इस टेस्ट टीम में वापस आने में काफी समय लगा है, लेकिन मुझे लगता है कि इस टेस्ट मैच के प्रदर्शन से वास्तव में यहां से वाशिंगटन सुंदर के करियर को बढ़ावा मिलना चाहिए।

बहरहाल, ऐसे चल रहा है मुकाबला

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पहली पारी में 103 रन की बढ़त के बाद दूसरी पारी में टॉम लाथम के 86 रन की बदौलत 195 रन पर 5 विकेट गंवा दिए। इसी के साथ ही दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कीवी टीम ने 301 रन की बढ़त बना ली है। वाशिंगटन सुंदर का जलवा छाया रहा जिन्होंने 4 विकेट अपने नाम किए जिसमें टॉम लाथम, डेवोन कॉनवे (17), राचिन रविंद्र (9), डेरिल मिशेल (18) और टॉम लैथम (23) के विकेट शामिल थे जबकि एक विकेट जोकि विल यंग का था, अश्विन के नाम रहा। इससे पहले दूसरे दिन की शुरूआत में भारत ने 16/1 के स्कोर के आगे खेल शुरू किया लेकर पूरी टीम 156 रन पर ढेर हो गई थी।

रिजवान टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले पाकिस्तानी विकेटकीपर बने, सरफराज को छोड़ा पीछे

पाकिस्तान के विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान टेस्ट क्रिकेट में 2000 रन बनाने वाले सबसे तेज पाकिस्तानी विकेटकीपर बन गए हैं। उन्होंने रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में बेन स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी के दौरान ये कामयाबी हासिल की। रिजवान ने पहली पारी में 46 गेंदों पर एक छक्का और एक चौके की मदद से 25 रन बनाए और टेस्ट क्रिकेट में अपने 2000 रन भी पूरे किए। इसके साथ उन्होंने सरफराज अहमद के बड़े रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

झूठ है भारतीय अच्छा स्पिन खेल लेते हैं : साइमन डोल

खेल डैस्क । न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर ने पुणे टेस्ट में भारत के खिलाफ पहली पारी में 7 विकेट लिए और भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन खेलने की क्षमता पर ऊंगली उठा दी। भारतीय टीम पहली पारी में 156 रन ही बना पाई थी। सेंटनर जिन्होंने अपने जीवन में कभी भी एक टेस्ट पारी में तीन से अधिक विकेट नहीं लिए थे, ने 7 विकेट चटकाए। उन्होंने शुभमन गिल, विराट कोहली, सरफराज खान और रवींद्र जड़ेजा जैसे खिलाड़ियों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। एक समय था जब भारतीय बल्लेबाजों को स्पिन का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी माना जाता था। सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण जब रिटायर हुए तो भारतीय बल्लेबाजों के स्पिन खेलने पर सवाल उठने लगे। हालांकि बीसीसीआई इतना मजबूत था कि कोई भी इस तथ्य को सामने लाने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन अब इसी बीच न्यूजीलैंड के कमेंटेटर साइमन डोल ने बेबाकी के साथ इन तथ्यों को उजागर किया है। साइमन डूल ने कहा कि मुझे लगता है कि अब दुनिया भर में यह गलत धारणा है कि ये आधुनिक भारतीय खिलाड़ी किसी और की तुलना में स्पिन खेलने में बेहतर हैं। वे नहीं हैं। वे दुनिया भर के बाकी सभी लोगों की तरह ही हैं। गांगुली, गंभीर, लक्ष्मण और द्रविड़ के दिन गए। सचिन स्पिन और उनके पहले के युग के खिलाफ बहुत अच्छे थे। मुझे लगता है कि अच्छी गुणवत्ता वाले स्पिनर भारत को टर्निंग ट्रैक पर आउट करने में उतने ही अच्छे हैं जितने अच्छी गुणवत्ता वाले विपक्षी बल्लेबाजों के खिलाफ भारतीय स्पिनर। और जैसे ही वे आईपीएल में टर्निंग ट्रैक देखते हैं, वे शिकायत करते हैं।

जोहोर कप : भारत ने न्यूजीलैंड से 3-3 से ड्रॉ खेला

जोहोर बाहरू (मलेशिया) (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ सुल्तान जोहोर कप में शुक्रवार को खेले गए राउंड रॉबिन मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 से ड्रॉ खेला। गुरजोत सिंह (छठा मिनट), रोहित (17वां) और टी प्रियब्रत (60वां) ने भारत के लिए गोल किए जबकि ड्रैग फ्लिकर जोंटी एल्मेस (17वां, 32वां और 45वां मिनट) ने न्यूजीलैंड के लिए हैट्रिक लगाई।

भारत अंकतालिका में 10 अंकों के साथ शीर्ष पर है। फाइनल में पहुंचने पर फैसला ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया के क्रमशः जापान और मलेशिया के खिलाफ होने वाले मैचों के आधार पर होगा। भारत ने दमदार शुरूआत की और छठे ही मिनट में गुरजोत ने गोल किया। दो मिनट बाद भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। इस बीच न्यूजीलैंड ने पलटवार पर हमले किए लेकिन भारतीय डिफेंस ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया।

न्यूजीलैंड के लिए पहला गोल 17वें मिनट में एल्मेस ने दागा। भारत ने इसी मिनट में रोहित के गोल के दम पर फिर बढ़त बना ली। भारत ने दूसरे क्वार्टर में कई पेनल्टी कॉर्नर बनाये लेकिन सफलता नहीं मिली। न्यूजीलैंड के लिए तीसरे क्वार्टर में एल्मेस ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। उन्होंने ही 45वें मिनट में एक और गोल करके न्यूजीलैंड की बढ़त 3-2 की कर दी। भारत ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने का मौका गंवाया। भारत को आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर वैरिएशन आजमाया गया और प्रियब्रत ने गोल दागा।

सरफराज खान के खेलने का तरीका अद्वितीय : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट में क्रिकेट प्रेमियों ने सरफराज खान के शानदार प्रदर्शन को देखा, जिसने अपने असाधारण खेल के कारण सबका ध्यान आकर्षित किया। सरफराज ने 150 रन बनाए, जिसमें से 96 रन विकेट के पीछे बने। उनकी कोमल कलाइयों, ठोस बैट स्विंग और फुर्तीले फुटवर्क ने उन्हें इस मैच में खास बनाया। खासकर थर्ड-मैन क्षेत्र में उनके रैप शॉट्स, कट और स्वीप शॉट्स ने सभी को प्रभावित किया। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने सरफराज की तकनीक का खुलासा करते हुए कहा कि उनका खेलने का तरीका अद्वितीय है। उन्होंने बताया कि आमतौर पर बल्लेबाज गेंद के पीछे जाने की कोशिश करते हैं, लेकिन सरफराज गेंद के पास रहकर खेलते हैं। चूंकि वे छोटे कद के हैं, इसलिए वे बैकफुट पर ज्यादा मूव नहीं करते, जिससे उन्हें शॉर्ट-पिच गेंदों पर खेलने में आसानी होती है। चोपड़ा ने कहा, उनके पास हमेशा शॉट खेलने के लिए जगह होती है, और यही उनकी सफलता का रहस्य है। आकाश ने यह भी उल्लेख किया कि गेंदबाज अब तक सरफराज के खेलने के तरीके को समझ नहीं पाए हैं। उन्होंने कहा, उनकी अनूठी तकनीक में उन्हें आत्मविश्वास है, और लोग उन्हें पूरी तरह से समझ नहीं पाए हैं। चोपड़ा ने यह भी कहा कि क्रिकेट हमें यह दिखाता है कि हमारी समझ कभी भी बदल सकती है। उदाहरण के लिए, जसप्रीत बुमराह के गेंदबाजी एक्शन पर भी पहले कई सवाल उठाए गए थे, लेकिन वह अपने तरीके से सफल हुए हैं।

इमर्जिंग एशिया कप के फाइनल में भारत और पाकिस्तान के भिड़ने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। इमर्जिंग एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच फाइनल मुकाबले की संभावना बढ़ गई है, क्योंकि दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। टूर्नामेंट की शुरुआत धमाकेदार रही, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज में 7 विकेट से हराया था। इस जीत ने टीम इंडिया के आत्मविश्वास को और बढ़ा दिया।

सेमीफाइनल की जानकारी

भारत ए टीम, जिसका नेतृत्व तिलक वर्मा कर रहे हैं, ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों ग्रुप मैचों में जीत हासिल की। अब उनका सामना सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से होगा। वहीं, पाकिस्तान ने भी अपनी स्थिति को मजबूत किया है, जिसने तीन में से दो मैच जीतकर अंतिम चार में स्थान बनाया है। पाकिस्तान का मुकाबला श्रीलंका से होगा। दोनों सेमीफाइनल मुकाबले 25 अक्टूबर को खेले जाएंगे। पहले सेमीफाइनल में श्रीलंका और पाकिस्तान की टीमें भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे भिड़ेंगी, जबकि भारत और अफगानिस्तान के बीच दूसरे सेमीफाइनल का मुकाबला भी इसी दिन खेला जाएगा।

ग्रुप स्टेज का प्रदर्शन

भारत ने ग्रुप स्टेज पर अपने सभी तीनों मैच जीतकर 6 अंकों के साथ पॉइंट टेबल में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस ग्रुप में पाकिस्तान भी था, जिसने 4 अंक के साथ सेमीफाइनल में स्थान बनाया। ग्रुप ए से श्रीलंका ने 3 में से दो मैच जीते, जबकि अफगानिस्तान ने भी 2 मैच जीतकर अपनी जगह बनाई। बेहतर नेट रनरेट के कारण श्रीलंका अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहा। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें शामिल थीं, लेकिन बांग्लादेश ए और हांगकांग को बाहर होना पड़ा। ग्रुप बी से मेज़बान यूएई और ओमान की टीम भी सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

फाइनल की उम्मीदें

यदि भारत अफगानिस्तान को हराने में सफल होता है और पाकिस्तान श्रीलंका को मात देता है, तो क्रिकेट प्रेमियों को भारत और पाकिस्तान के बीच एक रोमांचक फाइनल देखने को मिलेगा। दोनों टीमों के बीच की प्रतिद्वंद्विता हमेशा से क्रिकेट की दुनिया में चर्चा का विषय रही है। ऐसे में फाइनल मुकाबला एक बड़े आयोजन के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें क्रिकेट प्रेमी अपनी आंखें टिकाए रहेंगे।

शमी की जगह मयंक को शामिल करें टीम में : ब्रेट ली

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का कहना है कि अगर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट नहीं हो पाते हैं, तो मयंक यादव को टीम में शामिल किया जाना चाहिए। ब्रेट ली ने भारतीय क्रिकेट टीम के आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उनका मानना है कि मयंक की तेज गति और हालिया प्रदर्शन उन्हें ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी पिचों पर प्रभावी बना सकता है। भारतीय टीम अगले महीने 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। टीम इंडिया का लक्ष्य इस दौरे पर लगातार तीसरी बार टेस्ट सीरीज जीतने का है। इसके साथ ही, उनकी नजरें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने पर भी टिकी हैं। इस समय शमी की फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ है, क्योंकि उन्होंने पिछले साल नवंबर में विश्व कप फाइनल के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। ब्रेट ली ने कहा, 'बल्लेबाजों को 135-140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार की गेंदों का सामना करने में कोई परेशानी नहीं होती। लेकिन जब गेंदबाज 150 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करता है, तो बल्लेबाजों के लिए इसे खेलना मुश्किल हो जाता है।' उन्होंने मयंक की क्षमता की सराहना की, यह कहते हुए कि वह ऑस्ट्रेलिया की पिचों पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। मयंक यादव ने हाल ही में आईपीएल में 157 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की थी, लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें चोट लग गई। ली ने कहा, 'मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि मुझे आईपीएल में कई अच्छे युवा भारतीय क्रिकेटरों को देखने का मौका मिला है। अगर मयंक को सही समय पर फिट किया जाए, तो वह भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।' ली ने यह भी बताया कि भारतीय टीम में विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं जो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को परेशान कर सकते हैं।

23 साल में पहली बार हुआ ऐसा, भारत ने घरेलू टेस्ट में एक और खराब रिकॉर्ड अपने नाम किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शुक्रवार को पुणे के एमसीए स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में मात्र 156 रन पर आउट होने के बाद शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया। न्यूजीलैंड ने पहले दिन 259 रन बनाए थे, लेकिन इस उसे 103 रन की बढ़त मिल गई। यह लगातार दूसरा घरेलू टेस्ट है, जिसमें भारत ने किसी सीरीज में 100 से अधिक रन की बढ़त गंवाई है, ऐसा 23 साल में नहीं देखा गया।

बेंगलुरू में पिछले टेस्ट में भारत को चौंकाने वाला झटका लगा था, जब वह मात्र 46 रन पर आउट हो गया था जो उसका सबसे कम घरेलू स्कोर था, और उसने मेहमान टीम को 356 रन की बड़ी बढ़त दे दी थी। इसके कारण भारत 8 विकेट से मैच हार गया था। पिछली बार भारत ने 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट मैचों में 100 से अधिक की बढ़त गंवा दी थी, जहां उन्होंने वानखेड़े में 173 रन और ईडन गार्डन्स में 274 रन गंवाए थे।

इस अवांछित रिकॉर्ड के बावजूद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस श्रृंखला में शानदार वापसी की और वे न्यूजीलैंड के खिलाफ इस श्रृंखला में भी इसी तरह की वापसी की उम्मीद कर रहे होंगे। दूसरे टेस्ट की शुरुआत भारत के लिए सकारात्मक रही जिसमें वाशिंगटन सुंदर ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 7/59 का प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड को 259 रनों पर आउट कर दिया।

हालांकि पहले दिन भारत की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, कप्तान रोहित शर्मा शून्य पर आउट हो गए, जिससे मेजबान टीम का स्कोर 16/1 हो गया। दूसरे दिन शुभमन गिल (30) और यशस्वी जायसवाल (30) सहित भारत का शीर्ष क्रम स्थिर दिखाई दिया, जिससे स्कोर 50/1 हो गया। गिल मिशेल सेंटनर द्वारा एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। इसके बाद भारत ने 24 ओवर में 106 रन पर 9 विकेट खो दिए।

सेंटनर ने 53 रन देकर 7 विकेट लेकर न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज़्यादा विकेट लिए, जबकि रविंद्र जडेजा ने 46 गेंदों पर 38 रन बनाए जो कि आखिरी समय में एकमात्र उल्लेखनीय पारी थी। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में पर्याप्त बढ़त हासिल कर ली है इसलिए अब भारत के सामने मैच और सीरीज में प्रतिस्पर्धी बने रहने की चुनौती है।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण अफ्रीका : फूड पॉइजनिंग के बाद 40 से अधिक छात्र अस्पताल में भर्ती

जोहान्सबर्ग , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नताल प्रांत स्थित एक प्राथमिक स्कूल के 43 छात्रों को फूड पॉइजनिंग के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रांतीय शिक्षा विभाग ने कहा कि मटुबातुबा के नगाका प्राथमिक विद्यालय के छात्र स्कूल के बाहर सड़क के विक्रेताओं से खरीदे गए स्नैक्स खाने के बाद बीमार पड़ गए। क्वाजुलु-नताल प्रांत में शिक्षा विभाग के प्रवक्ता मुजी म्हालम्बी ने कहा, छात्रों को स्थानीय क्लिनिक ले जाया गया और चिकित्सा उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार म्हालम्बी ने कहा कि विभाग इस मामले के कारणों की जांच करने के लिए पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोग कर रहा है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में बच्चों में फूड पॉइजनिंग के मामलों में वृद्धि देखी गई है। 6 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग में फूड पॉइजनिंग से छह बच्चों की मृत्यु हो गई थी और इस महीने की शुरुआत में गौतेंग, लिम्पोपो और क्वाजुलु-नताल प्रांतों के 130 से अधिक छात्रों को इसी तरह के कारणों से अस्पताल में भर्ती कराया गया। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रीय स्वास्थ्य विभाग ने इन मामलों की जांच करने और स्थानीय दुकानों में बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थों का निरीक्षण करने के लिए पर्यावरण और स्वास्थ्य निरीक्षकों सहित 80 सदस्यीय जांच दल को तैनात किया है। सोमवार को शुरू की गई जांच में फूड पॉइजनिंग का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है।

पाकिस्तान में गुरु नानक जयंती व दीपावली से पहले हिंदुओं और सिख परिवारों को नकद राशि देगी सरकार

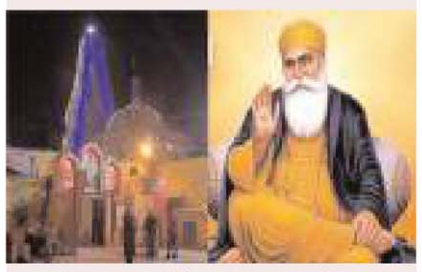

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पंजाब सरकार गुरु नानक जयंती व दीपावली के मौके पर प्रांत में प्रत्येक सिख और हिंदू परिवार को 10,000 पाकिस्तानी रुपये देगी। कुल 2200 परिवारों को यह राशि दी जाएगी। पाकिस्तान की पंजाब सरकार प्रांत में प्रत्येक सिख व हिंदू परिवार को एक 'त्यौहार कार्ड जारी करेगी, जिसके तहत गुरु नानक जंयती और दीपावली के मौके पर उन्हें 10,000 पाकिस्तानी रुपए दिए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि गुरु नानक देव की 555वीं जयंती मनाने के लिए अगले महीने आने वाले विदेशी तीर्थयात्रियों के वास्ते विशेष व्यवस्था की गई है। पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 'हमारे हिंदू और सिख भाइयों को त्यौहार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करें। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार ने 2,200 सिख और हिंदू परिवारों के लिए 'त्यौहार कार्ड जारी करने की मंजूरी दी है। इस वर्ष से इन 2,200 परिवारों को त्यौहार कार्ड के तहत ये धनराशि प्रत्येक वर्ष दी जाएगी। 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव सैफुल्लाह खोखर ने बताया कि विदेशी तीर्थयात्रियों को वीजा जारी करने की सुविधा के लिए एक वीजा स्वचालन प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें भारत से 3,000 से अधिक और अन्य देशों से आने वाले 1,000 सिख तीर्थयात्री शामिल हैं।

ब्रिटिश मंत्री ने जमकर की भारत की तारीफ, कहा- एआई और अंतरिक्ष विज्ञान में भारत से बहुत कुछ सीख जा सकता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन भारत से विशेष रूप से कृत्रिम मेधा (एआई) और अंतरिक्ष विज्ञान के मामले में बहुत कुछ सीख सकता है। प्रधानमंत्री कीअर स्टार्मर के नेतृत्व वाली सरकार के एक मंत्री ने भारत की तारीफ करते हुए यह बात कही। सोमवार शाम को यहां 'लेबर इंडियन डायस्पोरा समूह द्वारा आयोजित दिवाली समारोह को संबोधित करते हुए ब्रिटेन की कार्मिक एवं पेंशन मंत्री लिज केंडल ने जुलाई में होने वाले आम चुनाव के लिए पार्टी के घोषणापत्र का जिक्र किया, जिसमें भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए प्रतिबद्धता जताई गई है। केंडल ने कहा, यह हमारे घोषणापत्र का एक बहुत ही स्पष्ट हिस्सा था कि हम भारत के साथ एक नया रणनीतिक संबंध बनाना चाहते हैं क्योंकि हम अपने दो महान देशों के बीच महत्वपूर्ण संबंधों को समझते हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं और यही कारण है कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि हम लोकतंत्र और आकांक्षाओं के हमारे साझा मूल्यों के आधार पर भारत के साथ एक नया रणनीतिक संबंध बनाना चाहते हैं, जिसमें एक मुक्त व्यापार (समझौता) और वैश्विक, जलवायु व आर्थिक सुरक्षा के लिए एक नई रणनीतिक साझेदारी भी शामिल है।

शेख हसीना का छात्र संगठन बैन, अवामी लीग पर भी संकट के बादल; चुनाव से बाहर हो जाएगी पार्टी?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश बदर के बाद शेख हसीना की विचारधारा वाली पार्टियों और संगठन पर बैन लगाने के योजना बनाई जा रही थी। इस योजना को अब बांग्लादेश की अंतरिम यूनुस सरकार ने अमल में लेना शुरू कर दिया है। शेख हसीना को बड़ा झटका देते हुए उनके छात्र संगठन बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यूनुस सरकार ने यह फैसला उस छात्र संगठन के हिंसक हमलों में शामिल होने के कारण लिया है। बीसीएल पर इल्जाम है कि शेख हसीना की सरकार के अगस्त में गिरने के बाद हुए छात्र प्रदर्शनों के दौरान इस संगठन ने काफी उत्पात मचाया था।

आतंकी गतिविधियों के चलते बैन हुआ छात्र संगठन : यूनुस सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, बांग्लादेश सरकार ने बांग्लादेश छात्र लीग को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंधित कर दिया है। समाचार एजेंसी एएफपी ने अपनी रिपोर्ट में इस जानकारी का उल्लेख किया है। सरकार की अधिसूचना के अनुसार, छात्र लीग पर पिछले तीन कार्यकालों के दौरान कई गंभीर आरोप लगे हैं। इनमें हत्या, उत्पीड़न, यातना और अन्य गतिविधियों का उल्लेख किया गया है। शेख हसीना की छात्र लीग सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा मानी गई हैं। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि 2009 के आतंकवाद विरोधी कानून के प्रावधानों के तहत छात्र लीग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। हसीना की सरकार के खिलाफ जुलाई में शुरू हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनों ने तब हिंसक रूप ले लिया, जब छात्र लीग के सदस्यों ने विश्वविद्यालय परिसरों में छात्र प्रदर्शनकारियों पर हमला किया। सरकार समर्थक समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शनों को रोकने के प्रयासों ने जनता के गुस्से को और भड़काया, जिसके परिणामस्वरूप हसीना की सरकार गिर गई। अधिकारियों के अनुसार, इस हिंसा में 700 से अधिक लोग मारे गए जिनमें से अधिकांश पुलिस और हसीना विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच हुए संघर्षों में मारे गए थे। इस महीने बांग्लादेश की एक अदालत ने हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

अवामी लीग भी होगी बैन बता दें शेख हसीना के अगस्त में देश छोड़कर भागने के बाद भीड़ ने गणभवन (बांग्लादेश प्रधानमंत्री निवास) पर हमला कर दिया था। हसीना अपनी विदाई का भाषण रिकॉर्ड करना चाहती थीं, लेकिन प्रदर्शनकारियों के गणभवन के करीब पहुंचने के चलते सेना ने उन्हें 45 मिनट का समय दिया ताकि वे देश छोड़कर अपनी जान बचा सकें। इसके बाद शेख हसीना ने अपना त्यागपत्र दे दिया था। हसीना की सरकार गिरने के बाद उनके कई सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें पुलिस की कार्रवाई में शामिल होने का आरोपी ठहराया गया है। पूर्व मंत्रियों और वरिष्ठ अवामी लीग के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उनके द्वारा नियुक्त किए गए न्यायाधीशों और केंद्रीय बैंक के अधिकारियों को भी हटा दिया गया है। अब ऐसा बताया जा रहा है कि बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और अन्य समान विचारधारा वाले दलों को राजनीतिक भागीदारी से रोकने की योजना बनाई है।

बांग्लादेशी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, अंतरिम सरकार के विशेष सहायक महफूज आलम ने बताया कि शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी को राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रशासनिक और कानूनी बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। 84 वर्षीय मोहम्मद यूनुस ने 8 अगस्त को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में पदभार ग्रहण किया था। इससे पहले, हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद 5 अगस्त को शेख हसीना भारत भाग आई थीं। यूनुस के वफादार महफूज आलम ने कहा, जो लोग पिछले तीन चुनावों में हिस्सा लेकर अवैध तरीके से संसद में पहुंचे और जनता को धोखा दिया, उनकी राजनीतिक भागीदारी पर बाधाएं डाली जाएंगी।

अमेरिका में भारतीयों को बड़ा तोहफा, इस राज्य ने दीवाली पर आधिकारिक छुट्टी का किया ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में दीवाली पर भारतीयों को बड़ा तोहफा मिला है। यहां पहले राज्य ने दीवाली पर आधिकारिक छुट्टी का किया ऐलान कर भारतीय अमेरिकी नागरिकों को खुश कर दिया है। पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने सोमवार को एक कानून पर हस्ताक्षर किए, जिससे दिवाली को पेंसिल्वेनिया में आधिकारिक अवकाश के रूप में मान्यता मिली।गवर्नर शापिरो ने कहा, इस बिल पर हस्ताक्षर करके, हम दिवाली के महत्व को पहचानने के साथ-साथ पेंसिल्वेनिया में एशियाई अमेरिकी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और योगदान का जश्न मना रहे हैं। यह कानून राज्य सेनाटे में सेनेटर ग्रेग रॉथमैन (आर) और सेनेटर निकिल सावल (डी) द्वारा प्रस्तावित किया गया था। शापिरो के कार्यालय के अनुसार, दिवाली को दक्षिण एशियाई संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है। रॉथमैन ने कहा, दिवाली को आधिकारिक राज्य अवकाश के रूप में मान्यता देने से हमारी पेंसिल्वेनिया की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिवाली, जिसे रोशनी का त्योहार कहा जाता है, मुख्य रूप से भारत और दक्षिण एशिया में मनाया जाता है। यह पाँच दिनों तक चलने वाला त्योहार है, जिसमें मुख्य समारोह तीसरे दिन होता है। उन्होंने कहा कि इस त्योहार के दौरान लोग अपने प्रियजनों के साथ समय बिताते हैं और अच्छाई की बुराई पर, ज्ञान की अज्ञानता पर और आंतरिक प्रकाश की आध्यात्मिक अंधकार पर विजय का जश्न मनाते हैं। दिवाली की उत्सव में पटाखे छोड़ना, दीपक जलाना और मिट्टी के दीयों को सजाना शामिल है। सावल ने कहा, हम सभी को अपनी संस्कृतियों को पहचानने और सम्मानित करने का हक है। इस कानून का तुरंत प्रभाव होगा, और इस साल की दिवाली के समारोह को पेंसिल्वेनिया के इतिहास में पहली बार मनाया जाएगा।

फिलिपीन में तूफान के कारण बाढ़ और भूस्खलन से 23 लोगों की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलिपीन के पूर्वी उत्तर क्षेत्र में बृहस्पतिवार को उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रोपीकल के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और कई कारें बह गईं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण कई लोग फंस गए और कुछ लोगों ने घरों की छतों पर शरण ली, जिन्हें बचाने के लिए अधिकारियों को मोटरबोट की मदद लेनी पड़ी। देश के उत्तरपूर्वी प्रांत इसाबेला में मध्यरात्रि के बाद उष्णकटिबंधीय तूफान 'ट्रामी ने दस्तक दी जिसके बाद सरकार ने आपदा प्रतिक्रिया के लिए आवश्यक कर्मियों को छोड़कर स्कूलों और कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया। मुख्य द्वीप लूजोन में दूसरे दिन भी स्कूल और कार्यालय बंद रहे। तूफान के प्रभाव से इफुगाओ के पर्वतीय प्रांत के एगुइनाल्डो शहर में सुबह के समय 95 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तेज हवाएं चलीं। सरकारी मौसम पूर्वानुमानकर्ताओं के अनुसार, हवाओं का रुख पश्चिम की दिशा में है और बृहस्पतिवार को बाद में इसके दक्षिण चीन सागर में प्रवेश करने का अनुमान है। पुलिस और प्रांतीय अधिकारियों ने बताया कि तूफान के कारण कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई। इनमें से अधिकतर की मौत बुरी तरह प्रभावित बिकोल क्षेत्र और निकटवर्ती क्यूजोन प्रांत में तूफान के कारण आई बाढ़ की वजह से हुई है। उन्होंने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है और बाढ़ के कारण कस्बे एवं गांव अलग-थलग पड़ गए हैं।

तुर्की आतंकी हमले का सीसीटीवी फुटेज आया सामने, जवाब में 32 कुर्द आतंकवादियों के ठिकानों पर किया हमला

अंकारा, एजेंसी। तुर्की में हुए एक बड़े आतंकी हमले में पांच लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। हथियारबंद हमलावरों ने अंकारा के पास तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (टीयूएसएएस) के मुख्यालय को निशाना बनाया। गृह मंत्रालय ने बताया कि 5 की मौत हो गई है और 22 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है और उन्हें गहन देखभाल दी जा रही है। यह हमला तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन की 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ चर्चा के समय हुआ। अल जजीरा के अनुसार एर्दोआन ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे घृणित आतंकवादी हमला बताया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसमें हमले से कुछ मिनट पहले हथियारबंद बंदूकधारी टीयूएसएएस कार्यालयों के पास पहुंचे। आतंकी हमले से हिलने के कुछ घंटों बाद, तुर्की ने कहा कि उसने इराक और सीरिया में कुर्दिश उग्रवादी ठिकानों पर हमले शुरू कर दिए हैं। ये हमले तब किए गए जब अंकारा ने आतंकवादी हमले के लिए उग्रवादी समूह को दोषी ठहराया, जिसमें तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज परिसर में पांच लोग मारे गए थे। हमले का फुटेज आया सामने बुधवार को हुए इस हमले में विस्फोट और गोलीबारी दिखाने वाले क्लिप सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। एक वीडियो में, एक बंदूकधारी मुख्यालय की पार्किंग में घुसता हुआ दिखाई दे रहा है। एक अन्य क्लिप में दो हथियारबंद लोग

सड़क पर एक पीली कार से उतरते हुए, आस-पास खड़े लोगों पर असॉल्ट राइफलों से फायरिंग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। गोली लगने के बाद एक राहगीर ज़मीन पर गिरता हुआ भी दिख रहा है। स्थानीय मीडिया ने हमले के तुरंत बाद फुटेज प्रसारित किया, जो स्थानीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे हुआ। कहरामनकाज़ान में घटनास्थल पर बड़े पैमाने पर धुएं के बादल और बड़ी आग जलती हुई दिखाई दी। घटना की गंभीरता के बावजूद, अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। पीकेके से संबंध होने की संभावना तुर्की सरकार को संदेह है कि इसका संबंध प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) से है, जो सरकार के खिलाफ लंबे समय से विद्रोह के लिए जानी जाती है। तुर्की के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि जिम्मेदार लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से यह कार्रवाई की गई, उसके पीकेके से जुड़े होने की पूरी संभावना है। अधिकारियों ने इस घटना में शामिल लोगों की पहचान गुप्त रखी है। जांच जारी है और अधिकारी इस दुखद घटना और इसके अपराधियों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं।

सिनवार की मौत के बाद बंधकों की रिहाई पर पड़ सकता है सकारात्मक प्रभाव : बेंजामिन नेतन्याहू

यरूशलम , एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास नेता याह्या सिनवार की मौत से इजरायल के बंधकों की रिहाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और इजरायल को युद्ध के उद्देश्यों को हासिल करने में मदद मिल सकती है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि सिनवार की मौत से बंधकों की वापसी और युद्ध के बाद की वास्तविकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। मंगलवार को जारी इस बयान में बताया गया है कि दोनों के बीच यरूशलम में मैत्रीपूर्ण बैठक हुई, जिसमें गाजा को लेकर चर्चा की गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ब्लिंकन ने बैठक के दौरान इजरायल की सुरक्षा के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को दोहराई है। बैठक के बाद ब्लिंकन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्होंने और नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध समाप्त करने, सभी बंधकों को वापस करने और इजरायल-फिलिस्तीनियों के

लिए स्थायी शांति और सुरक्षा का मार्ग तैयार करने के महत्व के बारे में भी बात की। बता दें कि हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा पर बड़ा हमला किया था। इस हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए और इजरायल से करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजरायल ने गाजा में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इजरायली सेना द्वारा गाजा में की गई कार्रवाई में 42,718 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। उल्लेखनीय है कि इसी साल अक्टूबर के मध्य में दक्षिणी गाजा पर इजरायल ने एक हमला किया था, जिसमें सिनवार की मौत हो गई थी।

उत्तर कोरिया ने सियोल के राष्ट्रपति भवन परिसर में एक बार फिर कचरे से भरे गुब्बारे गिराए

प्योंगयाग, एजेंसी। राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी किम कियोन ही की आलोचना वाले पर्चे भी थे। समाचार पत्र में बताया गया कि सियोल के योंगसान जिले में ये पर्चे बिखरे हुए मिले थे और यहीं यून का राष्ट्रपति कार्यालय है। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित राष्ट्रपति भवन परिसर में बृहस्पतिवार को कचरे से भरे गुब्बारे गिराए। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उत्तर कोरिया ने मई के अंत में दक्षिण कोरिया की ओर कचरे से भरे गुब्बारे भेजना शुरू किया था, जिसके बाद से उसने अब दूसरी बार इस तरह के गुब्बारे भेजे। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा ने बताया कि उत्तर कोरिया की ओर से राष्ट्रपति भवन परिसर में बृहस्पतिवार को कचरे से भरे गुब्बारे गिराए गए, हालांकि इनमें कोई खतरनाक वस्तु नहीं थी। यह तत्काल पता नहीं चल पाया कि उत्तर कोरियाई गुब्बारे के गिरने के समय राष्ट्रपति यून सुक-योल परिसर में मौजूद थे या नहीं।

गाजा में इजरायली बमबारी में पांच फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा/यरूशलम , एजेंसी। गाजा पट्टी में इजरायली बमबारी में एक डॉक्टर और नगर निगम के कर्मचारियों समेत कम से कम पांच फिलिस्तीनी मारे गए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बुधवार को सूत्रों ने बताया कि उत्तरी गाजा पट्टी के बेत लाहिया स्थित कमाल अदवान अस्पताल के डॉक्टर मोहम्मद गनेम की इजरायली ड्रोन हमले में मौत हो गई। गाजा नगर निगम ने एक प्रेस बयान में कहा कि शहर के तुफ्फाह पड़ोस के पूर्व में पानी के कुओं का संचालन कर रहे उसके दो कर्मचारियों को इजरायली सेना ने निशाना बनाया और मार डाला। बयान में इजरायली हमले की निंदा की गई है और घटना की अंतरराष्ट्रीय समूह से तत्काल जांच का आग्रह किया है।

इसके अतिरिक्त, फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक बयान में कहा कि मध्य गाजा के दीर अल-बलाह शहर के दक्षिण में एक वाहन को इजरायली हमले में निशाना बनाया गया, जिसमें दो फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। चश्मदीदों के अनुसार, वाहन फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) का था। मृतकों और घायलों को दीर अल-बलाह स्थित अल-अक्सा अस्पताल में पहुंचाया गया है। फिलिस्तीनी सूत्रों ने बताया कि

इजरायली विमानों ने उत्तरी, मध्य और दक्षिणी गाजा में आवासीय घरों को निशाना बनाकर कई हमले किए, जिनमें कई फिलिस्तीनी मारे गए और घायल हो गए।

इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उसने उत्तरी गाजा के जबालिया क्षेत्र में हमले बढ़ा दिए हैं। हमलों में कई आतंकवादी मारे गए हैं और हथियार बरामद किए गए हैं। आईडीएफ ने कहा कि इजरायली बलों ने जबालिया में 150 से अधिक आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें इजरायल ले गए हैं। जबकि नागरिकों को उनकी सुरक्षा के लिए व्यवस्थित मार्गों के माध्यम से सुरक्षित रूप से बाहर निकलने की अनुमति दी गई है।

जस्टिन ट्रूडो गंवा सकते हैं पद, सांसदों ने दे दिया 4 दिन का अल्टीमेटम

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अब खबर है कि लिबरल पार्टी के नेताओं ने ही उनके इस्तीफे की मांग कर दी है। साथ ही पार्टी के नेता का पद छोड़ने के लिए ट्रूडो को डेडलाइन भी थमा दी गई है। खास बात है कि यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब भारत और कनाडा के रिश्ते तल्ख हो गए हैं। ट्रूडो ने एक मामले की जांच में भारत के उच्चायुक्त रहे संजय कुमार वर्मा को पर्सन ऑफ इंटरेस्ट बताया था।

समाचार एजेंसी ने सीबीसी न्यूज के हवाले से बताया है कि लिबरल पार्टी में ट्रूडो को हटाए जाने की कवायद तेज हो गई है। हाल ही में बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान सांसदों ने ट्रूडो के सामने अपने परेशानियां रखीं। खबर है कि ट्रूडो अपनी ही पार्टी में असंतोष का सामना कर रहे हैं। सांसदों ने उन्हें भविष्य पर फैसला लेने के लिए 28 अक्टूबर की तारीख दे दी है।

जो बाइडेन का दिया उदाहरण : खबरें हैं कि 24 सांसदों ने ट्रूडो को लिबरल चीफ के पद से हटाने के लिए हस्ताक्षर किए हैं। बुधवार को हुई बैठक के दौरान ब्रिटिश कोलंबिया से सांसद पैट्रिक वीलर ने ट्रूडो के इस्तीफे के पक्ष में दस्तावेज पेश किया। इसमें बताया गया था कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था, तब डेमोक्रेट्स को बढ़त मिलती दिखी थी। दस्तावेज में कहा गया है कि ऐसा ही लिबरल पार्टी के मामले में भी हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, 3 घंटे लंबी चली बैठक में किसी भी कैबिनेट मंत्री ने ट्रूडो से पद छोड़ने की अपील नहीं की। वहीं, कहा जा रहा है कि कुछ सांसद ट्रूडो के समर्थन में भी आए। माना जाता है कि कनाडा में सियासी घमासान की एक वजह भारत के साथ तनाव भी हो सकते हैं।

भारत और कनाडा : बीते साल ट्रूडो ने संसद में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के तार भारत सरकार से जुड़े होने की आशंका जताई थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हो गए थे। वहीं, भारत ने आरोपों से इनकार किया था। निज्जर को एनआईए ने 2020 में आतंकी घोषित किया था। जून 2023 में सरी में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

लॉरेंस बिश्नोई असली गांधीवादी हैं, वह भाईचारे का कर रहा प्रतिनिधित्व

-साध्वी प्राची का विवादित बयान : लॉरेंस बिश्नोई को बताया मासूम बच्चा

मुजफ्फरनगर। महाराष्ट्र के एनसीपी के कद्दावर नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या और बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को धमकी देने वाले कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के प्रति हिंदूवादी नेता साध्वी प्राची ने एक अजीबोगरीब बयान दिय है। साध्वी प्राची ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई, जिसे उन्होंने मासूम बच्चा कहा है असली गांधीवादी है और भाईचारे का सही प्रतिनिधित्व कर रहा है। मीडिया से बातचीत में साध्वी प्राची ने कहा कि वह किसी अपराधी का समर्थन नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बिश्नोई समाज प्रकृति और जीवों की पूजा करता है। गांधीजी भी जीवों के समर्थन में थे और लॉरेंस बिश्नोई भी प्रकृति और जीवों से प्रेम करता है। यही वजह है कि वह सलमान खान के खिलाफ बोल रहा है। साध्वी प्राची ने 19 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के प्रदर्शन पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुजफ्फरनगर को दहलाने की साजिश रची जा रही है और कहा कि 19 अक्टूबर को भी यही साजिश की गई थी।

कर्नाटक में 101 दोषियों को उम्रकैद

कोप्पल । कर्नाटक की कोप्पल जिला अदालत ने गुरुवार को एक साथ 101 दोषियों को उम्रकैद का फैसला सुनाया। यह सामूहिक सजा देश में जाति से जुड़े किसी भी मामले में सबसे ज्यादा है। इन सभी को 28 अगस्त 2014 को गंगावती तालुक के मरकुंबी गांव में जाति आधारित हिंसा के लिए दोषी ठहराया गया था। हिंसा के दौरान 117 लोगों ने दलितों की झोपड़ियों में आग लगा दी थी। हालांकि 10 साल चली सुनवाई के दौरान 16 दोषियों की मौत हो गई। जस्टिस चंद्रशेखर सी ने इन पर 2000 से 5000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। दरअसल, कोप्पल में दलितों को नाई की दुकानों और खाने-पीने की दुकानों में जाने से रोक दिया गया था। इससे पहले दो जाति के गुटों में झड़प हुई। बाद में यह हिंसक हो गई।

रद्दी बेचकर 3 साल में 1162 करोड रुपए कमाए केंद्र सरकार ने

नई दिल्ली । स्वच्छता अभियान के तहत सरकारी कार्यालय में पड़ी रद्दी को बेचकर सरकार कमाई करती है। दूसरी ओर रद्दी के कारण कार्यालय की जो जगह उपयोग में नहीं आती है उसे उपयोग के लिए तैयार किया जाता है। पिछले 3 साल में केंद्र सरकार के कार्यालयों ने रद्दी बेचकर 98 लाख वर्ग फुट कार्यालय के स्पेस खाली किया गया। वही 2021 से लेकर 2023 के बीच में 1162 करोड रुपए की रद्दी से केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालय को कमाई भी हुई है। इस साल केंद्र सरकार ने दिवाली के मौके पर स्वच्छता अभियान चलाकर 100 करोड रुपए की रद्दी बेची है।दीपावली तक यह अभियान सघनता के साथ चलाया जाएगा। सरकारी कार्यालय में साफ सफाई और सुंदरता बनाए रखने के लिए यह अभियान पिछले कई वर्षों से चलाया जा रहा है।

एक्स प्रोफाइल पर लगाया दाऊद इब्राहिम का फोटो, युवक के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। एक व्यक्ति के खिलाफ सोशल मीडिया पर दाऊद इब्राहिम का फोटो लगाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस के उपनिरीक्षक की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस थाना के प्रभारी अमित भड़ाना ने बताया कि जब उपनिरीक्षक राहुल प्रताप सिंह गश्त पर थे तो उन्हें जानकारी मिली कि सेक्टर-9 के निवासी जुनैद उर्फ रिहान ने 'एक्स' पर अपने खाते पर दाऊद इब्राहिम की फोटो लगाई है। उन्होंने बताया कि इसको लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने विरोध दर्ज कराया। भड़ाना ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सौहार्द बिगाड़ने के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

झारखंड में नक्सलियों एवं सुरक्षाकर्मियों के बीच मुठभेड़, तलाशी अभियान शुरु

पलामू। झारखंड के पलामू जिले में सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच गुरुवार रात मुठभेड़ हुई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाकर्मियों ने छतरपुर थाना क्षेत्र में तरवाडीह के निकट जंगल में तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षाकर्मियों को आते देख प्रतिबंधित टीएसपीसी के नक्सलियों ने उन पर गोलियां चलाना शुरु कर दी, जिस पर सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की और फिर मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ करीब आधे घंटे तक चली, जिसके बाद नक्सली घने जंगल में भाग गए। इस मुठभेड़ में कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों की धरपकड़ के लिए सघन तलाशी अभियान जारी है। एसपी ने कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिले के प्रभावित इलाकों में नक्सल विरोधी अभियान चल रहा है।

लॉरेंस के भाई पर 10 लाख का इनाम

जालंधर। गैंगस्टर लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई पर नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने 10 लाख रुपए का इनाम रखा है। एजेंसी ने अनमोल पर 2022 में दर्ज 2 मामलों में चार्जशीट दाखिल की है। एनआईए की मोस्ट वांटेड लिस्ट में अनमोल का नाम भी शामिल है। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के घर पर फायरिंग की जिम्मेदारी अनमोल ने ली थी। इसके साथ पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला और बाबा सिद्दिकी की हत्या मामले में भी उसका नाम सामने आया है। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक 3 संदिग्ध शूटरों ने मर्डर से पहले लॉरेंस के छोटे भाई अनमोल से बात की थी।

महाराष्ट्र में ऐसा फंसा पेच कि खुद अमित शाह खुद कर रहे हैं डील

- पांच 5 सीटों के लिए शिंदे, फडणवीस और पवार आए दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के बीच सीट शेयरिंग को लेकर शुरुआती समझौता हो चुका है। अब तक तीनों दलों ने 255 सीटें आपस में बांट ली हैं और सबके खाते में 85-85 सीटें आई हैं। लेकिन अब तक भाजपा की लीडरशिप वाले महायुति ने किसी औपचारिक समझौते का ऐलान नहीं किया है। इस बीच होम मिनिस्टर अमित शाह खुद इस मामले को डील कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में महाराष्ट्र भाजपा के बड़े नेताओं को दिल्ली बुलाकर सीटों पर मंथन किया था। सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ अमित शाह ने कुल 25 सीटों को लेकर मंथन किया। खासतौर पर 5 सीटों को लेकर तीनों दलों के बीच खींचतान देखी जा रही है और कोई भी दावेदारी से पीछे हटता नहीं दिख रहा है। ऐसी स्थिति में अमित शाह खुद ही अजित पवार और एकनाथ शिंदे को समझौते के लिए राजी करने में जुटे हैं। शिवसेना और भाजपा के बीच पालघर, बोईसर और वसई सीट को लेकर खींचतान है। इसी तरह नालासोपारा सीट भी ऐसी है, जहां से दोनों दल लड़ना चाहते हैं। अजित पवार की एनसीपी और भाजपा के बीच वडगांव शहरी, अश्ती और तसगांव सीट पर भी खींचतान है। ऐसी कम से कम 5 सीटें हैं, जिन पर तीनों दल दावा नहीं छोड़ रहे। इसके अलावा कुछ उम्मीदवारों को लेकर भी तीनों दलों के बीच मतभेद हैं। भाजपा ने एनसीपी विधायक नवाब मलिक को टिकट देने का विरोध किया है। भाजपा का कहना था कि नवाब मलिक को टिकट नहीं मिलना चाहिए क्योंकि उनके खिलाफ ईडी ने केस दर्ज किया था और वह जेल भी गए थे। उन पर दाऊद इब्राहिम से लिंक होने का आरोप है। यही नहीं भाजपा के विरोध के बाद अजित पवार पीछे भी हट गए और नवाब मलिक को टिकट नहीं दिया गया। हालांकि भाजपा के विरोध के बीच अजित पवार ने एक नया रास्ता निकाला। नवाब मलिक की बेटी सना को अणुशक्ति नगर विधानसभा से टिकट दे दिया गया। महायुति के लिए एक चिंता की बात यह है कि छगन भुजबल के बेटे समीर ने शिवसेना विधायक सुहास कांडे के खिलाफ नांदगांव से लड़ने का ऐलान कर दिया है। महाराष्ट्र में पीएम नरेंद्र मोदी भी कई रैलियां करने वाले हैं। वह 7 से 14 नवंबर के दौरान सक्रिय रहेंगे। वह भाजपा के अलावा एनसीपी और शिवसेना के उम्मीदवारों के लिए भी वोट मांगेंगे। वहीं अमित शाह ने महाराष्ट्र भाजपा से कहा है कि बागियों को बिठा दें क्योंकि उनके जरिए बड़े नुकसान का डर रहेगा।

फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को फिर सुनाई खरी-खरी, अपने मुल्क की हालात सुधरे

श्रीनगर । नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने गुलमर्ग में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर सख्त नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा है और पाकिस्तान को अपनी आंतरिक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच दोस्ती का रास्ता ढूंढना जरूरी है, ताकि कश्मीर में शांति बहाल हो सके। गुरुवार को आतंकी हमले में दो सैनिक और दो कुली शहीद हो गए थे। अब्दुल्ला ने मारे गए जवानों और कुलियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि निर्दोष लोगों का मारा जाना बहुत दुखद है। फारूक ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को सलाह दी कि कश्मीर में हिंसा फैलाने के बजाय वह अपने हालात सुधारने की कोशिश करे। उन्होंने कहा कि लगातार घुसपैठ और आतंकवाद की घटनाओं से पाकिस्तान खुद बर्बाद हो रहा है और कश्मीर का भविष्य खराब कर रही है। साथ ही उन्होंने भारत सरकार से भी अपील की कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने पर विचार किया जाए ताकि लोगों की भलाई के लिए काम हो सके।

चक्रवाती तूफान 'दाना' के बीच गूंजी किलकारियां, 1600 बच्चों का हुआ जन्म

- गर्भवती महिलाओं को राहत केंद्रों पर बने अस्थायी अस्पतालों में किया था शिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' के तटीय क्षेत्र से टकराया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दाना का असर शुक्रवार सुबह तक इसके जारी रहने की संभावना है। इससे पहले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वहीं, प्रदेश की 4431 गर्भवती महिलाओं को अलग-अलग राहत केंद्रों पर बने अस्थायी अस्पतालों में ले जाया गया। उनमें से 1600 से ज्यादा महिलाओं ने बच्चों को जन्म दिया। चक्रवात दाना के ओडिशा तट से टकराने के बाद कई क्षेत्रों में भारी बारिश और तेज हवाएं चल रही हैं। तूफान ने केंद्रपाड़ा जिले के भितरकनिका और भद्रक के धामरा के बीच करीब 110 किमी प्रति घंटे की हवा की गति से दस्तक दी है। ओडिशा सरकार ने बताया कि कुल 5,84,888 व्यक्तियों को 6,008 आश्रयों में सुरक्षित पहुंचाया गया है। इसके अलावा सहायता के लिए 292 चिकित्सा दल और 155 पशु चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं।

ओडिशा के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने कहा कि मुख्यमंत्री को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले दो दिनों में जिन 4431 गर्भवती माताओं को एहतियात के तौर पर प्रसूति गृहों और स्वास्थ्य सुविधाओं में लाया गया था उनमें से करीब 1600 महिलाओं ने अपने नवजात शिशुओं को जन्म दिया है। इसमें यह भी कहा गया है कि राज्य सरकार चक्रवात दाना के प्रभाव से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और बताया कि सीएम मोहन चरण माझी ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से टेलीफोन पर बातचीत की।

दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 7 शूटर्स को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शुक्रवार को पंजाब और आस-पास के राज्यों समेत देश भर के कई इलाकों से लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े सात शूटरों को गिरफ्तार किया। लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल गुजरात के साबरमती की जेल में बंद है। वह पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या के मामले में मुख्य आरोपियों में से एक है। एडिशनल सीपी स्पेशल सेल प्रमोद कुमार कुशवाह ने बताया कि स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने सात शूटरों को गिरफ्तार किया है। पहली गिरफ्तारी 23 अक्टूबर को दिल्ली से हुई थी, रितेश की गिरफ्तारी हुई थी। राजस्थान से सुखाराम नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया था। पंजाब के अबोहर और सिरसा से भी गिरफ्तारियां हुई हैं।

एडिशनल सीपी स्पेशल सेल ने आगे बताया कि वे राजस्थान में सुनील पहलवान नामक व्यक्ति की हत्या की योजना बना रहे थे। उन्होंने दो बार रेकी भी की। उनके पास से एक जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस भी बरामद की गई है। उन्हें आरजे बिश्नोई से सीधे निर्देश मिल रहे थे, जो स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं, लेकिन वे अतीत में लॉरेंस सिंडिकेट का हिस्सा रहे हैं। लक्ष्य के मामा राजनीतिक पृष्ठभूमि से हैं और उनका व्यवसाय भी है। इसका अभी तक बाबा सिद्दीकी हत्याकांड से कोई लेना-देना नहीं है।

इससे पहले दिन में एनआईए ने लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। अनमोल पिछले अप्रैल में मुंबई में अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में कथित संलिप्तता के लिए एनआईए की जांच के घेरे में है और उसे एजेंसी की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया गया है। अनमोल द्वारा गोलीबारी की घटना की जिम्मेदारी लेने के बाद अप्रैल में उसके लिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था। लारेंस बिश्नोई, गैंगस्टर-आतंकवादी गठजोड़ का एक बेहतरीन उदाहरण है। खतरनाक गैंगस्टर-आतंकवादी गठजोड़ का हिस्सा बिश्नोई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कई हाई-प्रोफाइल मामलों में नामजद किया है, जिसमें प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल से उसके कथित संबंध और पाकिस्तान से हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी में संलिप्तता शामिल है। 31 वर्षीय जेल में बंद गैंगस्टर पिछले हफ्ते महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता 66 वर्षीय बाबा सिद्दीकी की हाई-प्रोफाइल हत्या का मामला है, जिसमें वह मुख्य संदिग्ध है। सिद्दीकी की मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

बाबा सिद्दीकी के बेटे ने घड़ी पहनी तो अजित पवार दे दिया टिकट का तोहफा

मुंबई (एजेंसी)।वक्त बताने वाली घड़ी का वक्त महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने भांप लिया है। उन्होंने वक्त की नजाकत को देखते हुए दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है। जैसे ही जीशान ने घड़ी पहनी तो उन्हे बिना किसी देरी के विधानसभा चुनाव का टिकट का तोहफा दे दिया। हालांकि जीशान वर्तमान में बांद्रा पूर्व सीट से कांग्रेस के विधायक हैं और इस बार के चुनाव में एनसीपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। महा विकास अघाड़ी में शामिल शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने बांद्रा पूर्व से वरुण देसाई को टिकट दिया है। इसके अलावा इसके अलावा इस्लामपुर से निशिकांत पाटिल, तासगांव-कवठे महाकाल से संजयकाका रामचंद्र पाटिल, अणुशक्ती नगर से सना मलिक, वडगाव शेरी से सुनील टिंगरे, शिरुर से ज्ञानेश्वर (माऊली) कटके और लोहा से प्रताप पाटिल

को टिकट दिया गया है।

बाबा सिद्दीकी के बेटे हैं जीशान

बता दें कि जीशान दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे हैं। वह मुंबई युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और बांद्रा पूर्व विधानसभा सीट से विधायक हैं। उनके पिता बाबा सिद्दीकी की दशहरा की रात मुंबई के बांद्रा इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। क्राइम ब्रांच ने बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो शूटर और हथियार सप्लायर भी शामिल हैं।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होगा चुनाव

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। पिछले चुनाव में बीजेपी को 105, शिवसेना को 56, एनसीपी को 54 और कांग्रेस को 44 सीटें मिली थीं। हालांकि, चुनाव के बाद शिवसेना एनडीए से अलग हो गई और उसने एनसीपी-कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बना ली। शिवसेना के उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। जून 2022 में शिवसेना में आंतरिक कलह हो गई। इसके बाद एकनाथ शिंदे ने पार्टी के 40 विधायकों को तोड़ दिया। एकनाथ शिंदे बीजेपी के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए। अब शिवसेना दो गुटों में बंट चुकी है। शरद पवार की एनसीपी भी दो गुट- शरद पवार और अजित पवार में बंट गई है।

ज्ञानवापी के पूरे परिसर का नहीं होगा अतिरिक्त एएसआई सर्वे, हिंदू पक्ष की याचिका को कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर में अतिरिक्त एएसआई सर्वेक्षण के लिए हिंदू पक्ष की याचिका खारिज कर दी। हिंदू पक्ष के वकील विजय शंकर रस्तोगी ने कहा कि न्यायालय ने संपूर्ण ज्ञानवापी क्षेत्र के संरक्षण के लिए एएसआई द्वारा अतिरिक्त सर्वेक्षण के हमारे आवेदन को खारिज कर दिया है। हम इस निर्णय के खिलाफ 30 दिन के अंदर उच्च न्यायालय जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय नियमों और तथ्यों के विरुद्ध है। मैं इससे व्यथित हूँ और इसे ऊपरी अदालत में जाकर चुनौती दूँगा।

रस्तोगी ने दावा किया कि 8.4.2021 के आदेश के अनुसार सर्वेक्षण के लिए एएसआई को 5 सदस्यीय समिति नियुक्त करनी थी, जिसमें एक व्यक्ति अल्पसंख्यक समुदाय का और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय का विशेषज्ञ होता। इन सभी को एएसआई सर्वेक्षण करना था। पिछला सर्वेक्षण

एएसआई ने ही किया था। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने पुष्टि की थी कि सर्वेक्षण उस आदेश (8.4.2021) के अनुपालन में नहीं था। हम तत्काल आधार पर उच्च न्यायालय जाएँगे।

हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि सिविल कोर्ट ने खारिज कर दिया है और ऑर्डर भी आ गया है। हम इस ऑर्डर के खिलाफ रिवीजन के लिए डिस्ट्रिक्ट कोर्ट जाएंगे। लगभग सभी इलाकों का एएसआई सर्वे पूरा हो चुका है लेकिन कुछ जगहों पर सर्वे बाकी है जहां मशीनें नहीं पहुंच पाईं। इसलिए अतिरिक्त सर्वे की मांग की गई थी। हम सिविल कोर्ट जाएंगे और सफल होंगे। सर्वे होगा... हम सुनिश्चित करेंगे कि मंदिर परिसर के हर इंच का सर्वे हो। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कोई झटका नहीं है... हमने सारे सबूत पहले ही पेश कर दिए हैं... डिस्ट्रिक्ट कोर्ट है, हाई कोर्ट है, सारे रास्ते अभी खुले हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद राम मंदिर में साईं की मूर्ति देख गौ ध्वज कार्यक्रम किया रद्द

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने राम मंदिर में गौ ध्वज की स्थापना कार्यक्रम रद्द कर सभी को हैरानी में डाल दिया है। इसकी वजह राम मंदिर में साईं बाबा की मूर्ति का होना बताया जा रहा है। शंकराचार्य ने इसके विरोध में राम मंदिर में महायज्ञ में भाग लेने से इनकार कर दिया और अपने कार्यक्रम को जाखू मंदिर में स्थानांतरित कर वहां गौ ध्वज की स्थापित की। अविमुक्तेश्वरानंद का शिमला दौरा गौ ध्वज की स्थापना और महायज्ञ के लिए था, लेकिन राम मंदिर में साईं बाबा की मूर्ति को देख उन्होंने कार्यक्रम का बहिष्कार किया। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के मुताबिक राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से साईं बाबा की मूर्ति को हटाने का अनुरोध किया गया था, लेकिन जब मूर्ति नहीं हटाई, तो शंकराचार्य ने वहां जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद शंकराचार्य जाखू मंदिर गए जहां उन्होंने गौ ध्वज फहराया और अपने संदेश में कहा कि हिंदू धर्म में पहले से ही 33 करोड़ देवी-देवता हैं और किसी अन्य धर्म के व्यक्ति की मूर्ति का कोई स्थान नहीं है। शंकराचार्य का मानना है कि साईं बाबा की मूर्ति वाले मंदिरों में पूजा नहीं की जानी चाहिए। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गौ हत्या रोकने और गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए देशभर में जागरूकता फैला रहे हैं। इसी अभियान के तहत उन्होंने शिमला में गौ ध्वज की स्थापना की।

दिल्ली में सत्ता हासिल करने को बेताब भाजपा : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हर संभव तरीके से दिल्ली में सत्ता हासिल करना चाहती है, ताकि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा पिछले एक दशक में किए गए कामों को खत्म किया जा सके। केजरीवाल ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिया, जहां उन्होंने भाजपा के इरादों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी योजनाओं को रोकना चाहती है, जो आप सरकार ने आप सभी के लिए लागू की हैं। केजरीवाल ने चेतावनी देकर कहा कि यदि भाजपा सत्ता में आई, तब दिल्ली में बिजली की कटौती की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जैसे कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा में है। केजरीवाल का यह बयान अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में आया है, जिसमें आप ने अपनी उपलब्धियों को दर्शाने की कोशिश की है। भाजपा की तरफ से इस मुद्दे पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

उमर सरकार बनाते ही आंतकियों के हौसले बुलंद, 15 दिनों में 19 लोग मारे जा चुके

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की नई सरकार बनने के साथ ही आतंकी घटनाएं बढ़ गई है। बीते 15 दिनों में आतंकी हमलों में करीब 19 लोग मारे जा चुके हैं। 24 अक्टूबर को हुए गुलमर्ग हमले में दो आर्मी पोर्टर और दो जवान शहीद हो गए, जबकि हालात पर सेना की बढ़ी हुई निगरानी के बावजूद आतंकियों का सेना तक पहुंचना चिंताजनक है।

बीते कुछ हफ्तों में कई आतंकी हमले हो चुके हैं। 20 अक्टूबर को गांदरबल जिले के एक सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकियों ने हमला कर 6 बाहरी मजदूरों और एक लोकल डॉक्टर की हत्या कर दी। इसके पहले भी 18 अक्टूबर को शोपियां में एक मजदूर को मार दिया था। इन बढ़ती वारदातों के बीच, एलजी मनोज सिन्हा ने सुरक्षा बलों को सख्त कदम उठाने और पुलिस एवं सेना को मिलकर अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन स्थिति पर नियंत्रण पाना अभी भी चुनौती बनी हुई है।

सुरक्षा बलों ने बारामूला, पुंछ, शोपियां, गांदरबल और अन्य संवेदनशील इलाकों में सर्च ऑपरेशन और सुरक्षा बढ़ा दी है। बीते दिनों एक लापता सैनिक का शव भी अनंतनाग से मिला था, जिसकी पहचान हिलाल अहमद भट के रूप में हुई थी। इस घटना ने भी सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई है। उधर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की। वहीं भाजपा के एक नेता ने सुरक्षा हालात सुधरने तक राज्य का दर्जा न देने का संकेत दिया है। माना जा रहा है कि शांति पूर्ण चुनाव और सरकार गठन से पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठन बौखला गए हैं, इससे क्षेत्र में हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं।